* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

07 अगस्त, 2025
श्रावण, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
गुरुवार, वर्ष 10, अंक 288

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nurshing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

पितृ धर्म और राज धर्म दोनों निभा रहे हैं हेमंत

...आज नेमरा में सुबह का सूरज भी उदास था

नेमरा (आजाद सिपाही)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड आंदोलन के पुरोधा दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन राज्य ही नहीं, देश के लिए अपूरणीय क्षति है। मंगलवार को वह पंचतत्व में विलीन हो गये, लेकिन राज्य की जनता अभी भी दुख के भंवर में है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने दुख को सोशल मीडिया पर लिख कर निकालने का प्रयास कर रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने एक कविता लिखी, जिसमें गुरूजी को याद करते हुए ' आपका वचन निभाउंगा...' का वादा किया। गुरूजी के अंतिम संस्कार के दूसरे दिन यानी बुधवार को सोशल मीडिया पर सिर्फ एक लाइन पोस्ट किया। हेमंत सोरेन ने लिखा, 'आज नेमरा में सुबह का सूरज भी उदास था... वीर दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहें! अमर रहें! अमर रहें!' इस संक्षिप्त संदेश के जरिए उन्होंने उस गहरे दुख और भावुकता को साझा किया।

बीरू कुमार

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार करने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 13 दिनों तक अपने पैतृक गांव नेमरा में ही रहेंगे। इस दौरान 13वीं की पूरी प्रक्रिया संपन्न होगी। पारंपरिक विधि विधान के अनुसार वे अपने पिता और राजनीतिक गुरु शिबू सोरेन की आत्मा की शांति के लिए मरांग बुरु देवता से प्रार्थना करेंगे। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए आयोजित होने वाले अनुष्ठान में हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन, भाई बसंत सोरेन, परिवार के अन्य सदस्य और गांव के लोग शामिल होंगे।

- गुरुजी के श्राद्धकर्म के कारण 13 दिन नेमरा में ही रहेंगे मुख्यमंत्री

नेमरा से संचालित होगा 13 दिनों तक कार्यालय : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पैतृक गांव में रहेंगे, तो अस्थाई रूप से कार्यालय का संचालन भी वहीं से होगा। हेमंत सोरेन पर पुत्र के साथ-साथ राज्य धर्म की भी जिम्मेदारी है। सरकार के कामकाज को भी उन्हें निपटना है, जिससे जनहित और विकास कार्यों में किसी तरह की रुकावट नहीं आये। मुख्यमंत्री नेमरा से ही सरकार के कामकाज को भी पूरा करेंगे। इसके लिए आवश्यक प्रशासनिक तैयारी शुरू कर दी गयी है।

जिला प्रशासन ने भी कार्यालय स्थापित किया : रामगढ़ जिला प्रशासन भी अपना अस्थाई कार्यालय इसी गांव में स्थापित कर रहा है। इंटरनेट समेत अन्य व्यवस्थाओं को बनाया जा रहा है।

ग्रामीणों के साथ अनुष्ठान पर की चर्चा

मुख्यमंत्री ने बुधवार को अपने पैतृक आवास नेमरा में गांव वासियों के साथ दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के अंत्येष्टि कार्यक्रम के उपरांत होने वाले अनुष्ठान को लेकर ग्रामीणों से चर्चा की। गांववासियों ने तीन नहान, दस कर्म और श्राद्ध कर्म को लेकर मुख्यमंत्री के साथ कई स्थानीय परंपरा से संबंधित बातों को साझा किया और सुझाव दिये। उन्होंने दस कर्म दिवस की तैयारियों का जायजा लिया। मौके पर ग्रामीणों ने गुरूजी के अनुभवों को साझा करते हुए उन्हें यादकर अपनी संवेदना जतायी और दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में शक्ति प्रदान करने की कामना ईश्वर से की।

गलवान झड़प के बाद पहली बार चीन जायेंगे पीएम मोदी

- 31 अगस्त और 1 सितंबर को एससीओ समिट में शामिल होंगे
- मोदी जापान भी जायेंगे, भारत और जापान शिखर सम्मेलन में होंगे शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट में शामिल होने के लिए चीन जायेंगे। यह दौरा 31 अगस्त और 1 सितंबर को होगा। यह 2020 में गलवान घाटी में भारत-चीन सैन्य झड़प के बाद पीएम मोदी की पहली चीन यात्रा होगी। मोदी इससे पहले वे 2018 में चीन गये थे। प्रधानमंत्री के तौर पर पीएम मोदी का यह छठा चीन दौरा होगा, जो 70 सालों में किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की सबसे ज्यादा चीन यात्रा है। चीन से पहले मोदी 30 अगस्त को जापान पहुंचेंगे। यहां वह भारत-जापान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

पिछले महीने जयशंकर ने चीन का दौरा किया था : पिछले महीने विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन का दौरा किया था। उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। जयशंकर ने जल संसाधन डेटा शेयर करने, व्यापार प्रतिबंधों, एलएसी पर तनाव कम करने और आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने जैसे मुद्दों पर बात की थी। इस मुलाकात ने मोदी की चीन यात्रा का रोडमैप तैयार किया था।

2001 में हुई थी एससीओ की स्थापना: शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) एक क्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठन है। इसकी स्थापना 2001 में चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने मिल कर की थी। बाद में भारत और पाकिस्तान 2017 में इससे जुड़े। 2023 में इरान भी इसका सदस्य बना। एससीओ का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच सुरक्षा, आर्थिक और राजनीतिक सहयोग को बढ़ाना है। संगठन आतंकवाद, उग्रवाद, ड्रग तस्करी और साइबर अपराध जैसे मुद्दों पर साझा रणनीति बनाता है।

प्रधानमंत्री ने कर्तव्य भवन का किया उद्घाटन

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली में कर्तव्य पथ पर कर्तव्य भवन-03 बिल्डिंग का उद्घाटन किया। यह 2019 में शुरू हुई सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट का हिस्सा है और कॉमन सेंट्रल सेक्रेटरिएट (सीएसएस) की दस में से पहली बिल्डिंग है। कर्तव्य भवन-03 का उद्घाटन सबसे पहले किया गया है। इसे दिल्ली के अलग-अलग जगहों पर स्थित विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को एक साथ लाकर उनके बीच बेहतर कोआर्डिनेशन और कामों में तेजी लाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें ग्राउंड फ्लोर सहित सात फ्लोर हैं। यहां गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एमएसएमइ मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार और इंटेलिजेंस ब्यूरो के ऑफिस होंगे। कर्तव्य भवन 1.5 लाख वर्ग मीटर में फैला है। यहां एक साथ 600 कारें खड़ी हो सकती हैं। इसमें क्रेच (शिशुगृह), योग रूम, मेडिकल रूम, कैफे, किचन और हॉल है। कर्तव्य भवन में 24 कांफ्रेंस रूम भी हैं। हर रूम 45 लोगों के बैठने की क्षमता है। सरकार के अनुसार अभी कई मंत्रालय 1950 और 1970 के दशक के बीच बने शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन और निर्माण भवन जैसी पुरानी इमारतों में काम कर रहे हैं, जो अब संरचनात्मक रूप से जर्जर हो चुकी हैं। कर्तव्य भवन-1 और 2 का काम अगले महीने पूरा होगा।

अमेरिका ने भारत पर लगाया 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ

- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आदेश पर किये हस्ताक्षर

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। इस आदेश पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने दस्तखत भी कर दिया है। इस आदेश के बाद कुछ छूट प्राप्त वस्तुओं को छोड़ कर भारतीय वस्तुओं पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो जायेगा। प्रारंभिक शुल्क 7 अगस्त से प्रभावी होगा, जबकि अतिरिक्त शुल्क 21 दिनों के बाद 27 अगस्त से लागू होगा।

इस फैसले से भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में तनाव की आशंका बढ़ गयी है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, भारत रूस से भारी मात्रा में न सिर्फ तेल खरीद रहा है, बल्कि उस तेल के बड़े हिस्से को खुले बाजार में ऊंचे दामों पर बेच कर भारी मुनाफा भी कमा रहा है। इसके साथ ही ट्रंप ने कहा कि भारत को इस बात की कोई परवाह नहीं है कि यूक्रेन में रूस की युद्ध मशीन कितने लोगों की जान ले रही है। इसी वजह से मैं भारतीय सामान पर अमेरिका में टैरिफ को काफी बढ़ाने जा रहा हूं। इस मुद्दे पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद!

राहुल गांधी को चाइबासा कोर्ट ने दी सशर्त जमानत

- मानहानि मामले में हुई थी पेशी, 2018 का है मामला

आजाद सिपाही संवाददाता

चाइबासा। मानहानि मुकदमे में चाइबासा कोर्ट ने लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी को सशर्त जमानत दे दी है। राहुल गांधी बुधवार को चाइबासा के एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए थे। वह सुबह करीब 10 बजे हेलीकॉप्टर से टाटा कॉलेज मैदान में उतरे। इसके बाद चाइबासा परिसदन में करीब 45 मिनट इंतजार करने के बाद सिविल कोर्ट पहुंचे। उन्होंने एमपी-एमएलए कोर्ट में न्यायाधीश सुप्रिया रानी तिग्गा के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। राहुल गांधी की ओर से अधिवक्ता प्रदीप चंद्रा और दीपांकर रॉय ने कोर्ट के समक्ष पक्ष रखा।

बताते चलें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित तौर पर टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चाइबासा स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश होना था। राहुल गांधी ने 2 जून को विशेष अदालत के उस आदेश को चुनौती देते हुए हाइकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें उन्हें 26 जून को पेश होने का निर्देश दिया गया था। राहुल गांधी के वकील ने हाइकोर्ट को सूचित किया था कि उनके मुवक्किल उस दिन पेश नहीं हो पायेंगे और इसके बजाय उन्होंने हाइकोर्ट से राहुल को चाइबासा कोर्ट में पेश होने के लिए 6 अगस्त के बाद की तारीख देने का अनुरोध किया था। हाइकोर्ट ने उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया था। इसके बाद वह मंगलवार को चाइबासा कोर्ट में पेश हुए।

यह विवाद 28 मार्च 2018 को राहुल गांधी के उस भाषण से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने भाजपा नेताओं को कथित तौर पर आपत्तिजनक बयान दिया था। इस पर भाजपा नेता प्रताप कुमार कटियार ने 9 जुलाई 2018 को चाइबासा के सीजेएम कोर्ट में उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। बुधवार को प्रताप कटियार भी भाजपा चाइबासा कोर्ट पहुंचे थे।

राहुल ने कहा मैंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया

पूरे मामले पर शिकायतकर्ता के वकील विनोद कुमार साहू ने कहा कि कोर्ट ने राहुल गांधी को आरोपी बताते हुए पूछा कि आपने भाजपा नेताओं के लिए ऐसा बयान दिया है। क्या आपने ऐसा कहा है? इस पर राहुल गांधी ने कहा कि मैंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है।

वकील ने कोर्ट में जमा किया बयान

वकील विनोद कुमार साहू ने कहा कि यह पूरी तरह से गलत है। राहुल गांधी जैसे विपक्ष के नेता को इस तरह का झूठ बोलना शोभा नहीं देता। उनका भाषण अभी भी कांग्रेस की वेबसाइट पर है। हमने इसे कोर्ट में जमा कर दिया है। कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी है। अब गवाही की प्रक्रिया शुरू होगी। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने उन्हें इस शर्त पर जमानत दी है कि वे जांच में सहयोग करेंगे।

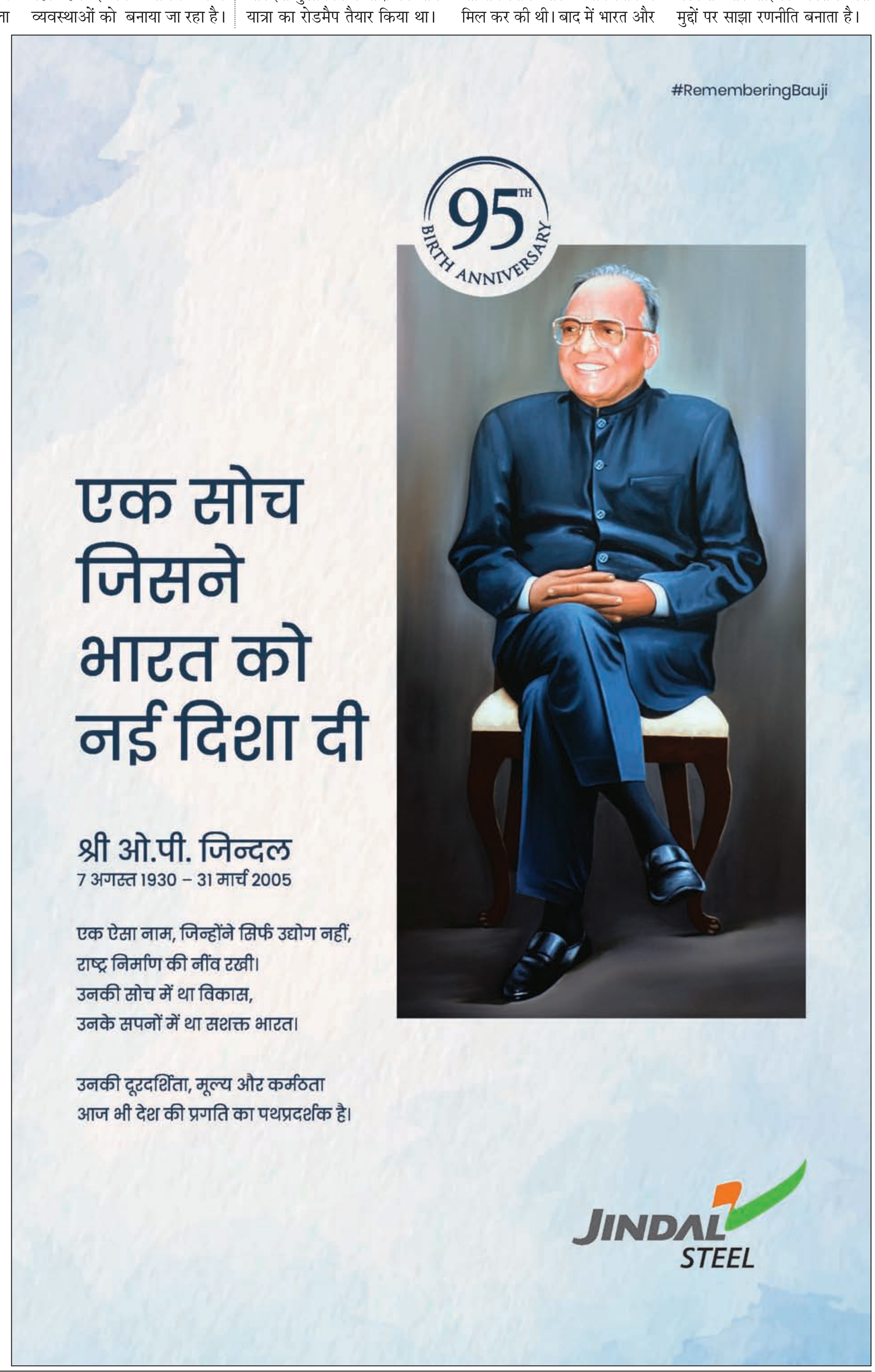

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 07 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in

राहुल गांधी के लिए सबक है सुप्रीम कोर्ट की फटकार

■ नेता प्रतिपक्ष को अपने स्टैंड के बारे में आत्मचिंतन करना जरूरी है

■ सच्ची भारतीयता से भी परिचित होना होगा कांग्रेस के युवराज को

■ सेना के खिलाफ बयानबाजी से नहीं चल सकेगी मोहब्बत की दुकान

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एक बार फिर सवालों के कठघरे में खड़े हो गये हैं। सवालों का यह कठघरा भी न संसद में है, न किसी सड़क पर बना है और न ही अपने जमाने के मशहूर कवि धूमिल के शब्दों में 'अदालत में, मुजरिम के कठघरे में खड़े बेकसूर आदमी का हलफनामा' जैसा ही है, बल्कि यह देश की सबसे बड़ी अदालत के सवालों का कठघरा है। सवालों के कठघरे में राहुल गांधी खड़े हैं और सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस के युवराज की सच्ची भारतीयता पर सवाल खड़ा कर दिया है। भारत-चीन सीमा विवाद का मसला राहुल गांधी कई बार उठा चुके हैं। बीजेपी की तरफ से हर बार राहुल गांधी के सवालों पर जवाबी हमला होता है। 2019 में एक बार सर्वदलीय बैठक में भी यह मामला उठा था और तब पूर्व रक्षा मंत्री शरद पवार ने भी आपत्ति जतायी थी। राहुल गांधी की भारतीयता पर सुप्रीम कोर्ट की एक टिप्पणी के बाद वो फिर से निशाने पर आ गये हैं। 2019 में ही राफेल डील के प्रसंग में राहुल गांधी को अपनी एक टिप्पणी के लिए अदालत की अवमानना के मामले में सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगनी पड़ी थी। मई, 2019 राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि अब तो सुप्रीम कोर्ट ने भी मान लिया है कि चौकीदार चोर है। देश में उस वक्त आम चुनाव का दौर था और मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। राहुल गांधी ने अपने माफीनामे में कहा कि अदालत का अपमान करने की उनकी कोई मंशा नहीं थी, न ही जानबूझ कर ऐसा किया... न ही अदालत की न्यायिक प्रक्रिया में वह किसी तरह की बाधा पहुंचाना चाहते थे... भूलवश ये गलती हो गयी। लिहाजा क्षमा चाहता हूं। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी के बिना शर्त माफीनामा को स्वीकार कर लिया था। लेकिन इस बार जब उनकी भारतीयता पर ही सवाल उठे हैं, तो यह राहुल गांधी के लिए आत्मचिंतन का अवसर है। उन्हें समझना होगा कि सेना के खिलाफ बयानबाजी से उनकी मोहब्बत की दुकान नहीं चल सकती है। कांग्रेस नेता को सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद क्या है राहुल गांधी की राजनीति और क्या हो सकता है इस फटकार का असर, बता रहे हैं आजाद सिपाही संवाददाता।

आजाद सिपाही विशेष

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अक्सर अपनी तीखी राजनीतिक बयानबाजी के कारण विवादों में रहते हैं। भारतीय सेना को लेकर दिये गये उनके बयान विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। ऐसा ही एक विवादित बयान देने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को कड़ी फटकार लगाते हुए साफ कहा है कि विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें अपनी बातें संसद के पटल पर रखनी चाहिए, सोशल मीडिया या सार्वजनिक मंचों पर नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को फटकार लगाते हुए कहा कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसी बातें नहीं कहेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी से पूछा है कि उन्हें कैसे पता चला कि दो हजार वर्ग किलोमीटर जमीन चीन ने कब्जा कर ली है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप विपक्ष के नेता हैं, अपनी बात संसद में कहें, सोशल मीडिया पर नहीं। अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज आपराधिक कार्यवाही पर भी रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता उदय शंकर श्रीवास्तव को नोटिस जारी किया है। उदय शंकर श्रीवास्तव की शिकायत पर ही यह मामला दर्ज हुआ था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि राहुल गांधी ने भारत-चीन सीमा विवाद के संदर्भ में भारतीय सेना के खिलाफ कई अपमानजनक बयान दिये थे। राहुल गांधी ने अपने खिलाफ दर्ज शिकायत और सम्मन आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने दलील दी कि यह शिकायत राजनीतिक द्वेष से प्रेरित है और इसे दुर्भावना से दायर किया गया है।

क्या कहा था राहुल गांधी ने

राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा (दिसंबर 2022) के दौरान भारतीय सेना को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया था। राहुल गांधी ने तवांग में हुई झड़प के बाद विवादित बयान देते हुए कहा था कि चीनी सैनिक भारतीय सैनिकों को पीट रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि चीन युद्ध की तैयारी कर रहा है और हमारी सरकार सोयी हुई है। उन्होंने कहा था कि चीन ने हमारी दो हजार वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है। उस समय राहुल गांधी के बयान पर राजनीतिक हंगामा तो हुआ ही था साथ ही सेना के पूर्व अधिकारियों ने भी नाराजगी जताते हुए कहा था कि भारतीय सेना दुश्मन से मुकाबले को हमेशा तैयार रहती है। सेना के पूर्व अधिकारियों ने राहुल गांधी का ध्यान कांग्रेस शासन के दौरान की कमजोरियों की ओर भी दिलाया था। यही नहीं, अरुणाचल प्रदेश का तवांग, जहां भारत और चीनी सैनिकों के बीच झड़प हुई थी, वहां के लोगों ने भी राहुल गांधी के बयान पर नाराजगी जताते हुए कहा था कि हमें भारतीय सेना पर गर्व है और उन पर पूरा भरोसा है।

गलवान घाटी की झड़प पर भी गलतबयानी की

राहुल गांधी ने सिर्फ तवांग ही नहीं, गलवान घाटी में भारत-चीन सैनिकों के बीच हुई झड़प को लेकर भी गलतबयानी की थी। उन्होंने उस समय सरकार से पूछा था कि गलवान घाटी कांड के और उसके पहले चीन ने जो हमारी जमीन छीनी है, उसके बारे में प्रधानमंत्री मोदी चुप क्यों हैं? हालांकि राहुल को शायद पता नहीं कि उनके परनाना नेहरूजी के जमाने में हमारी लगभग 38 हजार वर्ग किमी जमीन पर चीन ने कब्जा कर लिया था और 1962 के युद्ध में भारत को भारी शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी। यही नहीं पांच-छह दशक के शासन-काल में कांग्रेस पार्टी ने उस जमीन की वापसी के लिए कभी कोई ठोस कोशिश ही नहीं की। तवांग घटना के बाद कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी से जो सात सवाल पूछे थे, वे राष्ट्रहित के विरुद्ध तो थे ही, साथ ही हमारी सेना का मनोबल गिराने वाले भी थे।

2007 में संसद में पूछा गया था प्रश्न

राहुल गांधी को यह भी पता होना चाहिए कि साल 2007 में संसद में एक प्रश्न पूछा गया था। तब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बताया था कि कुल 43180 वर्ग किलोमीटर जमीन कांग्रेस शासन के दौरान चीन ने कब्जा की है।

पहले भी राहुल गांधी विवादों में फंस चुके हैं

यह कोई पहला मौका नहीं है, जब राहुल गांधी की टिप्पणी पर न्यायपालिका ने सवाल खड़े किये हों। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ उनकी 'चौकीदार चोर है' वाली टिप्पणी पर भी सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगायी थी। अब तवांग घटना और चीन से जुड़ी सीमा स्थिति पर सेना के शौर्य पर सवाल उठाने वाले उनके बयान ने एक बार फिर राजनीतिक बयानबाजी की सीमाओं पर बहस छेड़ दी है।

यह है तवांग का घटनाक्रम

जहां तक तवांग में घटे घटनाक्रम की बात है, तो इसके बारे में बताया जाता है कि चीनी सेना ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को पार करने का प्रयास किया था, जिसका विरोध किया गया था। हालांकि इस मुद्दे का स्थानीय स्तर पर ही समाधान हो गया था और बुमला में इसको लेकर एक फ्लैग मीटिंग भी हुई थी। इस घटना के बाद एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया था, जिसमें भारतीय सेना चीनी सेना को पीटते और खदेड़ते देखी गयी थी। हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी थी कि वह वीडियो तवांग में हुई झड़प का था या नहीं।

आत्मचिंतन का अवसर

राहुल गांधी को समझना होगा कि भारतीय सेना केवल एक संस्था नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा और सम्मान का प्रतीक है। जब कोई प्रमुख नेता सेना के शौर्य या क्षमता पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाता है, तो यह न केवल सैनिकों का मनोबल प्रभावित कर सकता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी गलत संदेश जाता है। विपक्ष की भूमिका सरकार से सवाल पूछने की है, लेकिन यह प्रक्रिया तथ्यों और जिम्मेदाराना भाषा पर आधारित होनी चाहिए। राहुल गांधी को यह भी समझना होगा कि सोशल मीडिया और जनसभाओं में दिये गये बयान त्वरित राजनीतिक लाभ दे सकते हैं, लेकिन उनके दीर्घकालिक प्रभाव राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से गंभीर हो सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट की ओर से कार्यवाही पर रोक लगाना फिलहाल राहुल गांधी के लिए राहत है, लेकिन अदालत की सख्त टिप्पणी उनके लिए एक स्पष्ट चेतावनी भी है। राहुल गांधी को यह समझना होगा कि विपक्ष के नेता के रूप में उनके हर शब्द का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असर होता है। व्यक्तिगत या दलगत राजनीति के लिए भारतीय सेना के शौर्य पर सवाल उठाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं ठहराया जा सकता।

बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट की फटकार को राहुल गांधी को आत्मचिंतन के अवसर के रूप में लेना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर संवाद और बहस हो सकती है, लेकिन यह तथ्यों पर आधारित और गरिमापूर्ण होनी चाहिए– यही लोकतंत्र और देशहित की सच्ची कसौटी है।

मोदी 22 को गयाजी में जनसभा को संबोधित करेंगे, देंगे सौगात

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लगभग हर महीने राज्य का दौरा हो रहा है। उनके अगले बिहार दौरे की तारीख आ गयी है। पीएम मोदी शुक्रवार, 22 अगस्त को गयाजी में जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे राज्य को कई सौगात देंगे। गयाजी जिले में होने वाले प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल होंगे। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

रिपोर्ट्स के अनुसार प्रधानमंत्री की गयाजी जिले में बेलागंज विधानसभा क्षेत्र के पाली गांव में जनसभा हो सकती है। सरकार के मंत्री और प्रशासनिक पदाधिकारी इसकी तैयारियों में जुटे हैं। जल्द ही आधिकारिक रूप से सभा स्थल की घोषणा की जायेगी।

पीएम मोदी पिछले महीने ही मोतिहारी आये थे। उन्होंने शहर के

गांधी मैदान से लगभग 7200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया था। इसके अलावा उन्होंने पटना और मोतिहारी से नयी दिल्ली समेत कुल 4 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को वर्चुअल हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

बिहार में आगामी अक्टूबर और नवंबर के महीने में विधानसभा चुनाव संभावित हैं। चुनावी साल में लगभग हर महीने पीएम का बिहार दौरा हो रहा है। मोतिहारी से पहले वे जून में सीवान, मई में बिक्रमगंज और अप्रैल में झंझारपुर में जनसभा को संबोधित किया था।

अनंत सिंह ने जेल से निकलते ही किया खुद लड़ने का एलान

पटना (आजाद सिपाही)। बिहार के चर्चित बाहुबली नेता अनंत कुमार सिंह बुधवार को पटना के बेऊर जेल से रिहा हो गये। जेल से निकलते ही उन्होंने मोकामा से विधानसभा चुनाव लड़ने का एलान कर दिया। उन्होंने कहा कि वह जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के टिकट पर लड़ेंगे। इस सीट से अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी अभी विधायक हैं। ऐसे में संभावना है कि वे दोबारा मैदान में नहीं उतरेंगी और आगामी विधानसभा चुनाव में अपने पति के लिए प्रचार करती हुईं नजर आयेंगी। सोनू-मोनू गैंग के साथ फायरिंग केस में जमानत पर रिहा हुए अनंत सिंह को पत्रकारों ने आगामी बिहार चुनाव को लेकर सवाल पूछा। इस पर पूर्व विधायक ने अपने अंदाज में कहा, चुनाव है, तो चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने आगे बताया कि वह जेडीयू के टिकट पर मोकामा से चुनाव लड़ेंगे। अनंत सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने सड़क, बिजली, पानी के सभी काम कराये हैं।

गृहमंत्री अमित शाह आज पटना में

पुनौराधाम में कल माता सीता के मंदिर का शिलान्यास करेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बिहार दौरे पर आ रहे हैं। अमित शाह सात अगस्त की रात 9:30 बजे पटना पहुंचेंगे। अमित शाह रात्रि विश्राम पटना में करेंगे। इसके बाद पटना से वह 8 अगस्त को सीतामढ़ी के लिए रवाना होंगे। सीतामढ़ी के पुरौनाधाम में मां जानकी मंदिर का गृह मंत्री शिलान्यास करेंगे। पुनौराधाम परिसर में मां जानकी के भव्य मंदिर निर्माण के लिए शिलान्यास व भूमि पूजन आठ अगस्त को होना है। जिसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित कई गणमान्य व साधु संत शामिल होंगे। इसको लेकर प्रशासनिक तैयारी काफी तेज कर दी हैं। साज-सज्जा के साथ सुरक्षा व्यवस्था व अन्य व्यवस्था को लेकर पूरा प्रशासनिक अमला लगा है।

अयोध्या राम मंदिर के वास्तुकार चंद्रकांत सोमपुरा को पुनौराधाम मंदिर का वास्तु डिजाइन

तैयार करने की जिम्मेवारी सौंपी गयी थी। डिजाइन बनकर तैयार है। बिहार के पर्यटन मंत्री ने बताया कि सीता मंदिर की ऊंचाई अयोध्या मंदिर से 5 फीट कम रखी गयी है। अयोध्या स्थित राम मंदिर की ऊंचाई 161 फीट और पुनौराधाम स्थित सीता मंदिर की ऊंचाई 156 फीट होगी। मंदिर को 36 महीने में 882 करोड़ रुपये से ज्यादा के बजट से बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि मंदिर को राष्ट्रीय के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर का तीर्थस्थल बनाया जायेगा। यहां मंदिर के साथ-साथ धर्मशाला सहित अन्य धार्मिक पर्यटन सुविधाएं विकसित होगा।

भाजपा कार्यकर्ता दे रहे हैं न्योता

इधर भाजपा के नेता इस शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होने के लिए न्योता देते भी नजर आये हैं। जय-जय सीताराम चलू पुनौरा धाम के जयघोष के साथ सीतामढ़ी में नगर मंडल भाजपा के कार्यकर्ता शहरी क्षेत्र के घरों व दुकानों में अक्षत वितरण कर सीतामढ़ी पुनौरा धाम में सीता माता का भव्य मंदिर निर्माण कार्य हेतु भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होने का न्योता देते दिख रहे हैं।

भीड़ नियंत्रण व पार्किंग के साथ यातायात प्रबंधन पर करें काम : मंगलवार को तैयारी का जायजा लेने के लिए बिहार के मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा एवं पुलिस महानिदेशक विनय कुमार पुनौरा धाम स्थित मां जानकी मंदिर पहुंचे। शिलान्यास कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण किया।

तेजस्वी यादव को चुनाव आयोग का दूसरा नोटिस

दो वोटर आइडी मामले में मांगा जवाब

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को चुनाव आयोग ने दोबारा नोटिस भेजा है। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता से आयोग दो वोटर आइडी रखने के मामले में फिर से जवाब मांगा है। इस संबंध में दीघा विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी की ओर से बुधवार को पत्र लिखा गया। इसमें तेजस्वी द्वारा वोटर लिस्ट में नाम शामिल नहीं किये जाने संबंधी पूर्व के दावे के बारे में जानकारी मांगी है। बीते रविवार को भी तेजस्वी यादव को आयोग की ओर से नोटिस भेजा गया था। बताया जा रहा है कि नेता प्रतिपक्ष की ओर से पहले पत्र जवाब न मिलने के बाद उन्हें दोबारा नोटिस भेजा गया है।

इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव

आयोग द्वारा कराये जा रहे वोटर लिस्ट रिवीजन के घर-घर सत्यापन अभियान के बाद 1 अगस्त को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की गयी थी। इसके तुरंत बाद तेजस्वी यादव ने पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया था कि उनका नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नहीं है। उन्होंने मीडिया के सामने ही अपना इपिक (मतदाता पहचान संख्या) आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर दर्ज करके एसआइआर ड्राफ्ट में अपना नाम सर्च किया था। तेजस्वी ने दावा किया कि उनका नाम ड्राफ्ट में नहीं दिख रहा है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	31.1 °c	23.4 °c
सूर्यास्त (आज) :		18.28 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.21 बजे

झारखंड के कण-कण में बसे हैं गुरुजी उनका संघर्ष प्रेरणा स्रोत: सुदीप गुड़िया

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। झारखंड आंदोलन के प्रणेता, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिशुम गुरु शिबू सोरेन की आत्मा की शांति के लिए बुधवार को तोरपा प्रखंड परिसर में श्रद्धांजलि सह सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इसाई, सरना, मुस्लिम और हिंदू रीति रिवाज से गुरुजी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। ब्लॉक मैदान में विधायक सुदीप गुड़िया की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में गुरुजी को श्रद्धांजलि देने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

झामुमो, कांग्रेस, भाजपा सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक और विद्यार्थी, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन रखकर आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी।

मौके पर विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि गुरुजी हमारे मार्गदर्शक थे, वे पूरे झारखंड के अभिभावक थे। उनके बताये मार्ग पर आगे चलकर झारखंड को आगे ले जाना है। विधायक ने कहा कि गुरुजी झारखंड के कण-कण में बसे हैं। उन्होंने कहा कि गुरुजी कहा करते थे लोगों की आवाज बनो। आज उनकी बतायी एक-एक बात याद आती है। उनका संघर्ष प्रेरणा स्रोत है।

झामुमो जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद ने कहा कि गुरुजी झारखंड के निर्माता थे। उनके संघर्ष और अलग राज्य के लिए उनकी लंबी लड़ाई की बदौलत झारखंड अलग राज्य बना।

श्रद्धांजलि सभा में सर्वधर्म संभाव की मिसाल देखने को मिली। विभिन्न धर्म के पुजारी, धर्म गुरुओं ने एक मंच पर आकर गुरुजी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। पुजारी अनिल मिश्रा, पादरी अमृत भेंगरा, पाहन डुंडा तोपनो, फादर हीरालाल हुनी पूर्ति, मौलाना मो आबिद हुसैन और मो.बजुल्फीकर अली ने प्रार्थना अपने अपने धर्म की रीति के अनुसार प्रार्थना की मौके पर एएसपी क्रिस्तोफर केरकेट्टा, बीडीओ नवीन चंद्र झा, पुलिस इंस्पेक्टर फ्रांसिस जेवियर बाड़ा, सीओ पूजा बिन्हा, तोरपा थाना प्रभारी मुकेश हेमरोम, तपकारा थाना प्रभारी नितेश कुमार गुप्ता, जिप सदस्य सुशांति कोनगाडी, वीरेन कंडुलना,फादर तेजकुमार लिंडा, सिस्टर अलमा बिलूंग, सुशील पाहन, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष रुबेन तोपनो, अमृत हेमरोम, प्रदीप केशरी सहित अन्य उपस्थित थे।

स्वर्गीय हरिनारायण सिंह को समर्पित सर्वधर्म श्रद्धांजलि सभा आज रांची में

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पत्रकारिता के सशक्त आधार स्तंभ और विशेष रूप से झारखंड की पत्रकारिता को एक नयी दिशा और दशा देने के साथ ही अपनी हर एक लेखनी में आम जनता की भावनाओं, आकांक्षाओं और जरूरतों को खूबसूरती के साथ पिरोकर दुनिया के सामने रखनेवाले स्व. हरिनारायण सिंह को समर्पित शोक एवं सर्वधर्म श्रद्धांजलि सभा का आयोजन 7 अगस्त गुरुवार को अपराह्न 3:30 बजे राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान स्थित मान्या पैलेस में आयोजित किया गया है।

स्व. हरिनारायण सिंह, जिन्होंने पत्रकारिता के मूलभूत सिद्धांतों के साथ कभी भी समझौता नहीं किया। साथ ही अपने प्रयोग की रणनीति के तहत पत्रकारिता और इससे जुड़े लोगों के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन किया।

ज्ञातव्य है कि आजाद सिपाही संस्थान के संस्थापक और हिंदी दैनिक आजाद सिपाही के प्रधान संपादक श्री हरि नारायण सिंह का निधन 3 अगस्त 2025 रविवार को हो गया। इस कार्यक्रम का आयोजन सर्वधर्म श्रद्धांजलि आयोजन समिति के द्वारा किया गया है।

रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को बड़ा झटका, हाइकोर्ट ने नहीं दी बेल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लैंड स्कैम के आरोपी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की जमानत याचिका पर झारखंड हाइकोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। हाइकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अदालत ने छवि रंजन की याचिका खारिज करते हुए उन्हें बेल देने से इनकार कर दिया है। हाइकोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने से छवि रंजन को बड़ा झटका लगा है। इससे पहले 25 जुलाई को कोर्ट ने इडी और बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। बता दें कि इससे पहले रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) कोर्ट ने छवि रंजन को बेल देने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद छवि रंजन ने हाइकोर्ट में जमानत देने की गुहार लगायी थी।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष परिस्थिति में सुधार, नौकरी में परिवर्तन होने की संभावना। उच्चस्तरीय लोगों से सम्पर्क बनाने की कोशिश कामयाब होगी।

वृष रोजी-रोजगार के क्षेत्र में सफलता, यशस्वी कार्य करने का अवसर, राजनीतिक लाभ।

मिथुन प्रभावशाली लोगों के सहयोग से रूका हुआ काम पूरा होगा, सुख-सौहार्द्र की वृद्धि।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि,धन-द्रव्य का लाभ शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। नवीन उद्योग-व्यापार की योजनाएं सफल होगी।

सिंह सक्रियता बनाये रखें,सभी काम देरसबेर पूरा होगा, बेरोजगारों को रोजगार के अवसर बनेंगे।

कन्या बहुत दिनों से चली आ रही इच्छाओं की पूर्ति होगी, व्यवसाय में सफलता।

तुला कुछ संघर्षों के बाद नौकरी-सरकारी कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।

वृश्चिक चतुर्दिक हर्ष तथा उल्लास का वातावरण रहेगा, संयम, धैर्य से काम आसान होंगे।

धनु आय के नये स्रोत बनेंगे, प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, षड्यंत्र विफल रहेगा।

मकर नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है, परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा।

कुंभ रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उमंग भरा रहेगा, भ्रमण के साधन बनेंगे,नये लोगों से संपर्क।

मीन किसी नये कार्य आरंभ करने से पूर्व परिवार में विचार-विमर्श करें, कठिनाइयों पर विजय।

अपने पैतृक आवास नेमरा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, माता रुपी सोरेन, भाई बसंत सोरेन और अन्य लोगों के साथ 'तीन नहान, दस कर्म और श्राद्ध कर्म' को लेकर चर्चा करते हुए।

चेक बाउंस मामले में सजायाफ्ता की अपील खारिज, सजा बरकरार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के अपर न्यायायुक्त एके तिवारी की अदालत ने बुधवार को चेक बाउंस मामले में सजायाफ्ता कांके थाना क्षेत्र निवासी लालू जॉब की अपील को खारिज कर दिया है। अदालत ने इसी मामले में निचली अदालत के जरिए सुनायी गयी छह महीने की साधारण कारावास की सजा और जुर्माना को भी बरकरार रखा है। अपर न्यायायुक्त की अदालत ने अपील खारिज करने के साथ ही पहले से मिली जमानत भी रद्द कर दी है। आरोपित लालू को ट्रायल कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया गया है। यह मामला वर्ष 2022 का है, जब लालू ने शिकायतकर्ता मनोज कुमार सिंह को 2,50,000 (ढाई लाख) रुपये का चेक सौंपा था। चेक पंजाब नेशनल बैंक, एचइसी शाखा, धुर्वा से जारी किया गया था। शिकायतकर्ता ने उसे 14 सितंबर 2022 को बैंक में जमा किया, लेकिन अपर्याप्त राशि के कारण चेक 15 सितंबर 2022 को बाउंस हो गया। इसके बाद शिकायतकर्ता ने 22 सितंबर 2022 को नोटिस भेजा, लेकिन आरोपित की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। उल्लेखनीय है कि 04 सितंबर 2024 को न्यायिक दंडाधिकारी एकता सक्सेना ने आरोपित लालू जॉब को दोषी ठहराते हुए छह महीने की सजा सुनायी थी। लालू जॉब पर 3.5 लाख का मुआवजा और 5,000 का जुर्माना भी लगाया था। लालू ने इस सजा के खिलाफ अपर न्यायायुक्त की अदालत में अपील की थी। लेकिन अदालत ने उसकी अपील को खारिज करते हुए सजा के साथ-साथ मुआवजा और जुर्माना भी बरकरार रखा है।

दिशोम गुरु की बालू पर उकेरीं भावुक यादें

शिबू सोरेन को बोकारो के कलाकार ने दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड आंदोलन के प्रखर नेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन को पूरे देश से लोग अपने-अपने अंदाज में श्रद्धांजलि दे रहे हैं। इसी क्रम में बोकारो के प्रसिद्ध सैंड आर्टिस्ट अजय शंकर महतो ने अपनी कला के जरिए उन्हें एक खास और भावुक श्रद्धांजलि दी। उन्होंने चंदनक्यारी के दामोदर नदी के किनारे बालू पर दिशोम गुरु की खूबसूरत आकृति उकेरकर उन्हें नमन किया।

यह कलाकृति न सिर्फ देखने वालों को भावुक कर गयी, बल्कि दिशोम गुरु के संघर्षों और आदिवासी समाज के लिए किये गये योगदान को भी एक नयी पहचान दी। बालू पर उभरी यह छवि, न सिर्फ एक कलाकार की ओर से श्रद्धांजलि है, बल्कि झारखंड के जननेता को जन-जन से जोड़ने वाला एक भावनात्मक माध्यम भी बन गयी है। अजय शंकर महतो ने कहा, दिशोम गुरु न होते तो शायद झारखंड का अस्तित्व न होता। यह मेरी छोटी-सी कोशिश है उन्हें नमन करने की। शिबू सोरेन का जीवन संघर्ष और जनसेवा की मिसाल रहा है। झारखंड और आदिवासी समाज के लिए उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा।

साहिबगंज में जमीन विवाद में तीन लोगों की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

साहिबगंज। झारखंड के साहिबगंज जिले में जमीन विवाद ने एक बार फिर खूनी रूप ले लिया। तालझारी थाना क्षेत्र के दुधकोल गांव में बुधवार को एक ही परिवार के तीन लोगों की धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी गयी। नथानिएल हांसदा, उनकी पत्नी बड़की मुर्मू और वृद्ध मां नौहा मुर्मू को लोहे की रॉड से पीट-पीटकर बेरहमी से मार डाला गया। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान एक ही परिवार के सदस्यों के तौर पर की गयी है।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह हत्याकांड जमीन विवाद को लेकर हुआ। घटना की सूचना मिलते ही तालझारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बॉडी को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस बीच, मुख्य आरोपी बजल हेम्ब्रम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

छापामारी दल में थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय, अनिल कुमार यादव, संजीव मिश्रा सहित पुलिस बल शामिल था।

भाकृअनुप- केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान
कटक-753006, ओड़िशा, भारत
ICAR-CENTRAL RICE RESEARCH INSTITUTE
CUTTACK-753 006, (ODISHA), INDIA

विज्ञापन संख्या / Advt. No. 21/YP-II/YP-1/FA/2025-26 दिनांक/Date: 07.08.2025

प्रत्यक्ष साक्षात्कार हेतु सूचना/Notice for Walk-In-Interview

प्रधान अन्वेषक, **ईएपी-454** योजना के तहत सभी योग्य उम्मीदवारों को एक **(01) यंग प्रोफेशनल-II** एक **(01) यंग प्रोफेशनल I** एवं तीन **(03) फील्ड असिस्टेंट** के चयन हेतु को भाकृअनुप-कें.चा.अनु.सं., कटक, उड़ीसा में **वॉक-इन-इंटरव्यू** हेतु आमंत्रित करते है। अधिक जानकारी के लिए कृपया भाकृअनुप-कें.चा.अनु.सं., की वेबसाइट **https://icar-crri.in/walk-in-interview-3/ पर जाएं।**

PI of the project **EAP-454**, invites all the eligible candidates for **walk-in-interview** for the post of one **(01) Young Professional-II**, one **(01) Young Professional-I** and three **(03) Field Assistant** at ICAR-CRRI, Cuttack, Odisha. For further details please visit to ICAR-CRRI website: **https://icar-crri.in/walk-in-interview-3/.**

प्रधान अन्वेषक/Principal Investigator

सहायक आचार्यों की परीक्षा में सफल 129 अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग कल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 के आधार पर इंटरमीडिएट प्रशिक्षित सहायक आचार्य और स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य के पद पर नियुक्ति के लिए आयोग की ओर से कक्षा छह से आठवीं के सफल घोषित अभ्यर्थियों की जिला स्तरीय काउंसिलिंग आठ अगस्त को दो पालियों में होगी।

रांची के जिला शिक्षा अधीक्षक ने बुधवार को बताया कि अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग समाहरणालय भवन, ए ब्लॉक कमरा संख्या जी-14 और जी-15 में होगी। सफल घोषित और अनुशंसित कुल 129 अभ्यर्थियों की सूची और जांच-पत्रक, दिशा-निर्देश एवं शेडयूल दिया गया है, जो जिले के अधिकारिक बेबसाइट पर भी उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि जिला उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर विभाग की ओर से सफल घोषित 129 अभ्यर्थियों की सूची अधिकारिक बेबसाइट पर उपलब्ध करवा दी गयी है।

जिला शिक्षा अधीक्षक ने सफल अभ्यर्थियों से अपील की है कि जांच-पत्रक को सही-सही भरकर काउंसिलिंग की तिथि और निर्धारित समय पर अपने सभी शैक्षणिक और प्रशैक्षणिक मूल प्रमाण-पत्र सहित (दो प्रति) में स्वः अभिप्रमाणित छायाप्रति के साथ उपस्थित हों। उन्होंने सभी आवश्यक दस्तावेजों को क्रम विन्यास के अनुसार दो फोल्डर के साथ काउसिंलिग में आने का निर्देश दिया है।

उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी फोल्डर के ऊपरी भाग में साफ-साफ बड़े अक्षरों में सफल घोषित और अनुशंसित अभ्यर्थियों का नाम, पिता का नाम, क्रमांक, कोटि और विषय आवश्यक रूप से लिखें। इस संबंध में सफल घोषित अभ्यर्थियों को उनके वाट्सएप, एसएमएस और इ-मेल के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से भी सूचित किया गया है।

सफल अभ्यर्थियों का क्रमांक- एक से 65, गणित एवं विज्ञान, काउंसलिंग की तिथि - 8 अगस्त, सुबह 10.30 बजे से जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय, समाहरणालय भवन- ब्लॉक- ए, कमरा संख्या- जी-14, जी- 15, जबकि क्रमांक- 66 से 129, गणित और विज्ञान के अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 8 अगस्त को दोपहर 2.30 से जिला शिक्षा अधीक्षक के कार्यालय में समाहरणालय भवन- ब्लॉक- ए, कमरा संख्या- जी-14, जी- 15 में होगी।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमण्डल,कोडरमा
06534-2227076 Email Id-eercdkoderma-jhr@nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–12 वर्ष 2025–26

1	विज्ञापन दाता का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल,कोडरमा।
2	परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि	दिनांक 29.08.2025 को 03.00 बजे अपराह्न तक।
3	निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय	दिनांक 01.09.2025 को 03.00 बजे अपराह्न तक।
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 01.09.2025 को 03.30 बजे अपराह्न से।
5	परिमाण विपत्र की विक्री की स्थान	1. मुख्य अभियंता (या०), पथ निर्माण विभाग, अभियंत्रण छात्रावास सं०2 ,धुर्वा, झारखण्ड, राँची । 2. अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, हजारीबाग। 3. कार्यपालक अभियंता ,पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल,कोडरमा।
6	निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान	1. मुख्य अभियंता (या०). पथ निर्माण विभाग, अभियंत्रण छात्रावास सं०2 ,धुर्वा, झारखण्ड, राँची 2. अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, हजारीबाग। 3. कार्यपालक अभियंता ,पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, कोडरमा।

क्र०सं०	अंचल का नाम	प्रमण्डल का नाम	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये लाख में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	हजारीबाग	कोडरमा	पतालडीह–देवरी–गॉवा–सतगॉवा पथ के कि0मी0 16,20 एवं 27 में अवस्थित पुल का रंग–रोगण एवं मरम्मति कार्य वित्तीय वर्ष 2025–26	10.00	20000.00	1250.00	3 माह।

नोट : 1. निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।
2. प्राक्कलन की राशि घटने या बढ़ने पर अग्रधन एवं परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है।
3. कार्य का परिमाण विपत्र के क्रय हेतु पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड का निबन्धन प्रमाण पत्र एवं GST से संबंधित प्रमाण–पत्र की सुस्पष्ट प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा अन्यथा परिमाण विपत्र निर्गत नहीं किया जायेगा।
4. PWD कोड में संशोधन के फलस्वरुप 10 प्रतिशत न्यूनतम दर की अधिसीमा समाप्त कर दी गई है।
5. निविदा प्राप्ति की तिथि को 03.00 बजे अपराह्न तक पथ प्रमण्डल, कोडरमा कार्यालय परिसर के अन्दर संवेदकों द्वारा समूह में अथवा गुट बनाकर वार्त्तालाप करने, शोर–गुल करने या अनावश्यक समय व्यतीत कर निविदा प्रक्रिया को प्रभावित करने पर इस निविदा को रद्द किया जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
प०नि०वि०पथ प्रमण्डलकोडरमा।

PR 358939 (Road) 25-26 (D)

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
200000 Subscribers
YouTube Channel
Channel Subscribe NOW

स्व. हरिनारायण सिंह को सुदेश महतो, महेश पोद्दार समेत कई लोगों ने दी श्रद्धांजलि

बुधवार को वरिष्ठ पत्रकार और आजाद सिपाही के प्रधान संपादक स्व. हरिनारायण सिंह के आवास पर पहुंचकर आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो, देवशरण भगत, पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार, आरके गाड़ोदिया, सूर्यभान सिंह, केके गोयनका, विनय अग्रवाल, केके गुप्ता, शिवपूजन पाठक, प्रतुल नाथ शाहदेव और विश्वजीत सिंह सहित अन्य लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस दुख की घड़ी में परिजनों को ढांढ़स बंधाया।

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने जनजातीय संग्रहालय का शैक्षणिक भ्रमण किया

रांची (आजाद सिपाही)। बुधवार को समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट कि ओर से आदिवासी दिवस के पूर्व उलगुलान कार्यक्रम के तहत कैंब्रियन पब्लिक स्कूल कांके रोड के 200 विद्यार्थियों ने जनजातीय संग्रहालय का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर बच्चों ने भ्रमण के दौरान दो मिनट का मौन धारण कर झारखंड राज्य के पुरोधा दिशोम गुरु शिबू सोरेन को याद किया। ज्ञात हो कि 2008 में झारखंड राज्य के पुरोधा व पूर्व मुख्यमंत्री स्व शिबू सोरेन जी ने ही इस जनजातीय संग्रहालय की स्थापना किया था। विद्यार्थियों ने यहां भ्रमण कर झारखंड के 32 जनजातीय समाज की विस्तृत जानकारी संग्रह किया और उनकी सभ्यता संस्कृति और इतिहास को भी नजदीक से देखा और समझा। विद्यार्थियों ने यहां दुर्लब वस्तुएं, सहित अलग-अलग जनजातियों के मॉडल, आदिवासियों का रहन सहन पहनावा, बोली एवं उनके द्वारा किये गये कार्यों को भी पढ़ा और जाना। विद्यार्थियों ने सभी मूर्तियों के मॉडल के माध्यम से प्राचीन काल से अब तक के पूरे जीवन यात्रा को समझा और जाना। वहीं विद्यार्थियों ने कांस्य युग से आधुनिक युग के पारंपरिक हथियार, खान पान से रु-ब-रु होने का मौका मिला। यही नहीं प्राचीन काल के आभूषण, वाद्ययंत्र व हस्तशिल्प और हथियार को भी देखा। बच्चों ने इस शैक्षणिक भ्रमण से झारखंड के संस्कृति और इतिहास को बखूबी समझा और जाना। इस अवसर पर मुख्य रूप से स्कूल कि प्राचार्या प्रेमलता कुमारी, समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी आनंद केडिया, उमेश केडिया, स्मिता केडिया रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, मंजुला बेरा, रश्मि प्रसाद, निहारिका निर्मल, मोनिका कुमारी समेत कई शिक्षक शिक्षिकाएं और सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित थे।

लोक सेवा समिति परिवार ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुःख जताया

रांची (आजाद सिपाही)। लोक सेवा समिति के अध्यक्ष मो नौशाद एवं समस्त लोक सेवा समिति परिवार ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दु:ख जताया। कहा कि यह बहुत बड़ी क्षति है झारखंड का स्तंभ और दिशोम गुरु, महान आंदोलनकारी, आदिवासी समाज के बड़े नेता, अभिभावक झारखंड राज्य एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक आजीवन सेवा के लिए झारखंड रत्न से लोक सेवा समिति द्वारा सम्मान से चयनित कर सम्मानित किया गया। झारखंड रत्न शिबू सोरेन जी को श्रद्धांजलि और परिवार के सभी सदस्य शुभ चिंतक को सब्र सहन शक्ति ईश्वर / अल्लाह प्रदान करे इसकी कामना करता हूं। झारखंड में अब ऐसा संघर्षशील ईमानदार आंदोलनकारी नेता अभिभावक खो दिया जिसका मलाल हमेशा रहेगा और कभी भुलाया नहीं जा सकता गुरु जी को। भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

सखी मंडल की महिलाएं बना रही हैं आकर्षक राखियां

'आदिवा' ब्रांड के तहत तैयार की जा रही है चांदी की राखी

किफायती दामों में बिक्री के लिए विभिन्न पलाश मार्ट में उपलब्ध हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर झारखंड की ग्रामीण महिलाएं पारंपरिक और जैविक सामग्रियों से सुंदर राखियां तैयार कर रही हैं, जो इस बार विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। राज्य के विभिन्न जिलों–रांची, हजारीबाग, पलामू, गिरिडीह, धनबाद, कोडरमा और खूंटी में जेएसएलपीएस के सहयोग से सखी मंडल की महिलाएं राखी निर्माण कर रही हैं। उन्हें प्रशिक्षण देकर पलाश ब्रांड के तहत अपने उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने का मंच प्रदान किया गया है। इससे न केवल उन्हें स्वरोजगार का अवसर मिल रहा है, बल्कि आत्मनिर्भरता और आर्थिक मजबूती की ओर भी एक ठोस कदम उठाया गया है।

इन महिलाओं द्वारा बनायी जा रही राखियां पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल और पारंपरिक सामग्रियों से बनी होती हैं। धान, चावल, मौली, सूती और रेशमी धागे, बुरादा, हल्दी, मोती आदि जैसी सामग्रियों से तैयार की गयी 20 से 25 तरह की हस्तनिर्मित राखियां स्थानीय बाजारों में विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। पलाश ब्रांड के जरिए इन महिलाओं को एक नयी पहचान मिली है और उनकी आय में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी जा रही है। यह पहल पारंपरिक शिल्प को जीवित रखने और ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम है।

खूंटी जिले की सखी मंडल से जुड़ी महिलाएं इस वर्ष अदिवा ब्रांड के तहत विशेष प्रकार की चांदी और ऑक्सीडाइज्ड राखियां बना रही हैं। इन राखियों की कीमत 150 से 200 रुपये (ऑक्सीडाइज्ड) और 800 से 1200 (चांदी) तक है। इन डिजाइनों में पारंपरिक कला और आधुनिक आकर्षण का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है, जिससे ये राखियां उपभोक्ताओं के बीच खासा पसंद की जा रही हैं। ये राखियां रांची के हेहल स्थित जेएसएलपीएस कार्यालय में संचालित पलाश मार्ट और राज्य के अन्य जिला मुख्यालयों में विशेष स्टॉल के माध्यम से बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

पलाश ब्रांड को ग्रामीण उत्पादों के लिए एक मजबूत पहचान के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा सितंबर 2020 में लॉन्च किये गये इस ब्रांड के अंतर्गत अब तक 30 से अधिक उत्पाद बाजार में लाये जा चुके हैं।

पिछले वर्ष गोड्डा, पलामू, बोकारो, सिमडेगा और धनबाद जिलों की 115 सखी मंडल इकाइयों ने राखियों की बिक्री से लगभग 10 लाख रुपये की आमदनी की थी। इस वर्ष भी महिलाओं को बेहतर बिक्री और आमदनी की आशा है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिला भागीदारी को नयी दिशा दे रही है।

श्री श्याम प्रभु को खीर चूरमा का भोग लगाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री श्याम मंडल, रांची द्वारा अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में बुधवार को खाटू नरेश श्याम बाबा को चांदन द्वादशी के पावन अवसर पर संध्या 6:30 बजे से 9 बजे तक श्री श्याम प्रभु को खीर चूरमा का भोग अर्पित किया गया। भोग के मुख्य यजमान शिबू शर्मा ने अपने पूरे परिवार के साथ जिनमें गायत्री देवी शर्मा, ममता शर्मा त्रयंबिका शर्मा ने श्याम बाबा को खीर चूरमा का भोग अर्पित किये।

सर्व प्रथम मंडल के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश बागला, मंत्री धीरज बंका एवं शर्मा परिवार द्वार गणेश पूजन कर मंदिर में विराजे वीर बजरंगबली एवं शिव परिवार का भी पूजन कर विभिन्न प्रकार के फल एवं मिष्ठान अर्पित कर श्री श्याम प्रभु को खीर चूरमे का भोग अर्पित किया। इस अवसर पर पूरा मंदिर परिसर हारे के सहारे की जय - लखदातार की जय जयकारों के गूंज उठा। श्री श्याम प्रभु का प्रिय भोग खीर चूरमा को लेने भक्तगण कतारबद्ध होकर प्राप्त कर रहे थे। साथ ही श्री श्याम मंडल के कार्यकर्ता आये हुए भक्तजनों को शुद्ध पेयजल का वितरण कर रहे थे। उनकी चरण पादुका को रखने की उत्तम व्यवस्था बना हुआ थी। खीर चूरमा का भोग श्री श्याम मंदिर में ही निर्मित किया गया था। 350 से ज्यादा भक्तजनों प्रसाद प्राप्त किया। इमीडिया प्रभारी सुमित पोद्दार ने बताया किस कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेश सारस्वत, प्रियांश पोद्दार, विकास पाड़िया, प्रदीप अग्रवाल, अजय साबू का सहयोग रहा।

एसएस मेमोरियल कॉलेज में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी गयी

गुरुजी की रात्रि पाठशाला सामाजिक बदलाव की थी मिसाल : डॉ बीपी वर्मा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के एसएस मेमोरियल कॉलेज, रांची में बुधवार को स्वर्गीय शिबू सोरेन की स्मृति में शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने दो मिनट का मौन रखा और शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ बीपी वर्मा ने इस मौके पर शिबू सोरेन के संघर्षपूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरुजी द्वारा शुरू की गयी रात्रि पाठशाला केवल एक शैक्षणिक पहल नहीं थी, बल्कि वह सामाजिक बदलाव की मशाल थी। शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने का उनका वह प्रयास आज भी हमारे लिए एक मार्गदर्शक है।

उन्होंने कहा कि गुरुजी अलग झारखंड राज्य आंदोलन के पुरोधा थे। उन्होंने अपने सामाजिक जीवन की शुरूआत साधारण जनसेवा से

शुरू की, जो आगे चलकर एक ऐतिहासिक राजनीतिक आंदोलन में परिवर्तित हुआ। आज भले ही वे शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं। लेकिन उनके विचार, उनका संघर्ष और उनके सिद्धांत झारखंड की आत्मा में सदा जीवित रहेंगे।

प्राचार्य ने कहा कि गुरुजी ने आदिवासी मूलवासियों के अधिकारों और अस्तित्व की लड़ाई जिस निष्ठा और दृढ़ता से लड़ी। वह अतुलनीय है। शायद ही किसी नेता ने आदिवासियों के लिए इतनी लगातार, निर्भीक और जमीनी लड़ाई लड़ी हो। उन्होंने कहा कि गुरुजी का जीवन केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, आत्मबल और जननायकत्व की गाथा है। उनके जीवन पर एक प्रेरणादायक बायोपिक अवश्य बननी चाहिए, जिससे नयी पीढ़ी उनके संघर्षों और विचारों से प्रेरणा ले सके।

श्रद्धांजलि अर्पित करनेवालों में डॉ रानी प्रगति प्रसाद, एनके पांडेय, आरएन सिंह, डॉ सावित्री कुमारी, डॉ सीमा सुरीन, डॉ अनुपमा सिंह, डॉ तनुज खत्री, शिबली अख्तर, डॉ अभिषेक, डॉ मानकी, डॉ रवि दास, मुकेश उरांव, डॉ उषा कीड़ो, डॉ लक्ष्मी कुमारी, रुकैया रसूल, जितेंद्र सिंह, जावेद, अभिषेक, विजय, सुशील सहित अनेक शिक्षकगण एवं कर्मचारी शामिल रहे।

कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के लिए भूमि पूजन 10 को

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति, रांची के सानिध्य में मेन रोड स्थित अलबर्ट एक्का चौक पर 16 और 17 अगस्त को श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया जायेगा। बुधवार को समिति के अध्यक्ष मुकेश काबरा ने बताया कि जन्माष्टमी महोत्सव पर होने वाली दही हांडी फोड़ो प्रतियोगिता के लिए मटकी माखन भरकर हांड़ी को आयोजन स्थल पर लगाया जायेगा।

रंग विरंगी फूलों की लड़ी से सजी यह हांडी 10 अगस्त को लोगों के अवलोकन के लिए लगायी जायेगी। संरक्षक अजय मारु और अध्यक्ष मुकेश काबरा ने बताया कि इसके पूर्व समिति की ओर से 14 बार यह महोत्सव मनाया जा चुका है। प्रथम दिन 16 अगस्त श्री कृष्ण के बाल गोपाल प्रतियोगिता और झांकी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। वहीं दूसरे दिन 17 अगस्त को दही हांडी- फोड़ो प्रतियोगिता सह भजन संध्या सहित नृत्य नाट्य के मंचन सहित देशभक्ति गीत की प्रस्तुति दी जायेगी। उन्हों ने बताया कि दही हाडी प्रतियोगिता में रजिस्ट्रेशन के साथ कुछ नियम और शर्तें भी रखी गयी हैं। विजेता पुरुष गोविंदा और महिला गोविंदा के बीच प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार के रूप में नगद राशि दी जायेगी। दही हांडी प्रतियोगिता के लिए 14 अगस्त रजिस्ट्रेशन किया जायेगा। आयोजन में 18 वर्ष से कम उम्र के पुरुष और महिला गोबिंदा भाग नहीं ले सकेंगे। साथ ही कोई भी प्रतिभागियों के मादक पदार्थ के सेवन पर पाबंदी होगी। वहीं बाल गोपाल झांकी में भाग लेने वाले बच्चे और बच्चियों की उम्र 12 वर्ष से कम रखा गया है। मुकेश काबरा ने बताया कि माहेश्वरी सभा की ओर से बाल राधा-कृष्ण-गोविन्दा कांवड़ यात्रा का आयोजन 16 अगस्त को किया जायेगा। यह कार्यक्रम दोपहर तीन बजे से शुरू होगा। इसमें पांच से 12 वर्ष के बाल कांवड़िये हिस्सा ले सकेंगे। बाल कांवड़ यात्रा शहीद स्मारक (जिला स्कूल), शहीद चौक, दुर्गा बाड़ी, अल्बर्ट एक्का चौक (फिरायालाल), मेन रोड होते हुए श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समिति के मंच तक जायेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के मुख्य संरक्षक संजय सेठ, संरक्षक विधायक सीपी सिंह, संरक्षक अजय मारू, अध्यक्ष मुकेश काबरा, महासचिव रविंद्र मोदी, सचिव रमेंद्र कुमार, कुणाल अजमानी सहित अन्य लोग लगे हैं।

झारखंड सचिवालय सेवा संघ ने शोक सभा का आयोजन कर दिशोम गुरु को दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सचिवालय सेवा संघ की ओर से स्वर्गीय शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु बुधवार को एक शोक सभा का आयोजन किया गया। यह सभा झारखंड की राजधानी रांची स्थित प्रोजेक्ट भवन एवं नेपाल हाउस में आयोजित की गयी। इस अवसर पर झारखंड सचिवालय सेवा संघ ने सभी संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे दिवंगत आत्मा को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करें और उनकी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना करें।

रिजनल एथलेटिक मीट में पांच किमी पैदल रेस में अमृत प्रथम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। खेलगांव में चल रहे छठे सीआइएससीइ रिजनल एथलेटिक मीट के दूसरे दिन बुधवार को कई प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने पूरी जोर आजमाइश करते हुए जीत हासिल की। जहां एक तरफ डिस्कस थ्रो, लॉन्ग जंप, हाई जंप और हर्डल रेस में ऊंची छलांग लगायी। वहीं दूसरी ओर विभिन्न प्रकार की दौड़ प्रतियोगिता में कीर्तिमान स्थापित किये। पांच किलोमीटर पैदल रेस अंडर-17 ब्यॉज में अमृत राज तिवारी ने 32:16.6 सेकंड में और अंडर-19 ब्यॉज में अश्रित कच्छप ने 200 मीटर रेस को मात्र 22.2 सेकंड में पूरी कर कीर्तिमान स्थापित किया। ब्यॉज (अंडर - 14) 80 मीटर हर्डल्स में रांची जोन के अंकुर उरांव ने केवल 12.3 सेकंड में सभी बाधाओं को पार कर सबको हैरत में डाल दिया। अंडर 19 गर्ल्स 100 मीटर हर्डल्स में रांची जोन की अराधना पूर्ति ने 18.8 सेकंड में जीत हासिल की। सभी विजेताओं को सेंट एंथोनी स्कूल डोरंडा के प्राचार्य सीए फ्रांसिस, सेंट जेवियर्स स्कूल, डोरंडा के प्राचार्य फादर फूलदेव और बिशप स्कूल, बहूबाजार के प्राचार्य आइए जैकब ने पुरस्कृत किया। खेलगांव में चल रहे इस एथलेटिक मीट का समापन सात अगस्त को होगा। इसमें रांची, धनबाद, जमशेदपुर, देवघर, भागलपुर और पटना जोन (बिहार-झारखंड रिजन) के लगभग 900 सौ प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल, डोरंडा की प्राचार्या जे एडविन सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण खबरें

इग्नू ने शुरू की बहु-प्रवेश और बहु-निकास योजना

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जुलाई 2025 सत्र से चार वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में बहु-प्रवेश और बहु-निकास (एमईएमई) योजना शुरू की है। यह योजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनइपी) 2020 के तहत लागू की गयी है, जिसका उद्देश्य छात्रों को विभिन्न स्तरों पर प्रवेश और निकास की सुविधा प्रदान करना है। इस योजना के तहत, छात्र चार वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रम में विभिन्न स्तरों पर प्रवेश और निकास कर सकते हैं। छात्र पहले दो सेमेस्टर के बाद अंडरग्रेजुएट सर्टिफिकेट, चार सेमेस्टर के बाद अंडरग्रेजुएट डिप्लोमा, छह सेमेस्टर के बाद बैचलर डिग्री और आठ सेमेस्टर के बाद बैचलर ऑनर्स डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। इग्नू के चार वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रम में हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, लोक प्रशासन, नृविज्ञान, संस्कृत, उर्दू, दर्शनशास्त्र, शिक्षा, गृह विज्ञान, गणित, जैव रसायन, समाज कार्य, पत्रकारिता और डिजिटल मीडिया, वाणिज्य, पर्यटन और यात्रा प्रबंधन जैसे विभिन्न विषयों में कार्यक्रम शामिल हैं। जुलाई 2025 सत्र के लिए सभी कार्यक्रमों में प्रवेश जारी हैं। इच्छुक उम्मीदवार विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। अन्य संस्थानों से आने वाले छात्रों के लिए दूसरे वर्ष में प्रवेश की अनुमति दी जायेगी, यदि वे अंडरग्रेजुएट सर्टिफिकेट के आधार पर अन्य पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं। लैटरल एंट्री समान स्ट्रीम में समान मेजर और माइनर विषयों के साथ दी जायेगी।

टीआरएल संकाय में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय में बुधवार झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। संकाय के नौ भाषाओं के शिक्षकों, कर्मचारियों, शोधार्थियों एवं छात्र छात्राओं ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी व आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रख ईश्वर से प्रार्थना की। मौके पर नागपुरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ उमेश नंद तिवारी ने कहा कि गुरुजी का निधन सोमवार सुबह दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज के दौरान हुआ था वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनके निधन से पूरा झारखंड शोकाकुल है। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे। वे राज्य के गरीबों, आदिवासियों और वंचितों के लिए मसीहा थे। उन्होंने कहा कि जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग से उनका विशेष लगाव था। नौ भाषा विभाग के साथ अक्सर बैठक कर अद्यतन जानकारी व दिशा निर्देश दिया करते थे। उन्होंने कहा कि स्व सोरेन हमेशा अपनी भाषा को संरक्षण व संवर्धन की बात किया करते थे। उनका जाना पूरे झारखंड के साथ साथ टीआरएल संकाय के लिए बहुत बड़ी क्षति है, जिसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती है।

कुएं से 50 वर्षीय सुरेंद्र महतो का शव बरामद

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। बड़कागांव पुलिस तसलवार पंचायत के पतरा गांव के मेलाटांड़ के समीप पतरा- बरतुआ जाने वाली कच्ची सड़क के बगल स्थित इंद्रपाल महतो के पुराने कुएं से 50 वर्षीय अधेड़ सुरेंद्र महतो की शव बरामद किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया।

डिफेंस एक्सपो राज्य के व्यापारियों के लिए सुनहरा अवसर : चेंबर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की उद्योग उप समिति की बैठक बुधवार को चेंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी की अध्यक्षता में चेंबर भवन में हुई। बैठक में 17 से 19 सितम्बर को रांची में होने वाले डिफेंस एक्सपो पर चर्चा की गई। कहा गया कि एक्सपो में ज्यादा से ज्यादा व्यापारियों के शामिल होने का प्रयास करने की जरूरत है। चेंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी और महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने संयुक्त रूप से कहा कि झारखंड में डिफेन्स एक्सपो पहली बार होने जा रहा है। यह झारखंड के व्यापारियों के लिए बेहद ही सुनहरा अवसर है। व्यापारियों को इस अवसर का लाभ अवश्य उठाना चाहिए। बैठक में उपाध्यक्ष राहुल साबू, ज्योति कुमारी, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य रोहित पोद्दार उपस्थित थे।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने दिव्यांग बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा मुस्कान क्लासेस कार्यक्रम के तहत क्षितिज डेफ एंड डंब मिडिल स्कूल, निवारणपुर में एक विशेष आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों ने दिव्यांग बच्चों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया और उन्हें आवश्यक शैक्षणिक सामग्री और खाद्य पदार्थ प्रदान किये। रक्षाबंधन के अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवकों ने बच्चों की कलाई पर राखी बांधकर एक भावनात्मक जुड़ाव बनाया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने बच्चों के साथ क्रिकेट और फुटबॉल जैसे खेल खेले और संकेत भाषा भी सीखी। एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ अनिर्बान गुप्ता ने स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की और कहा कि यह पहल समाज में समान अधिकार और अवसरों के महत्व को दशार्ती है। यह पहल युवाओं की भागीदारी के साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का एक शानदार उदाहरण है। मुस्कान क्लासेस कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को आवश्यक शैक्षणिक सामग्री और समर्थन प्रदान करना है। इस कार्यक्रम के तहत एनएसएस स्वयंसेवक नियमित रूप से बच्चों के साथ समय बिताते हैं और उन्हें पढ़ाते हैं।

सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसादी का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम (सत्य-प्रेम सभागार) रांची में बुधवार को कुसुम तुलस्यान के सौजन्य से आश्रम में रह रहे 37 मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रित प्रभुजी एवं आश्रम में रहकर उनकी सेवा करने वाले सेवादार साथियों के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसादी का भोग आश्रम के किचन में बनवाकर कराया गया।

अपना घर आश्रम के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि 18 जुलाई से 6 अगस्त तक तक 20 दिनों में 3580 निराश्रित प्रभुजी एवं उनकी देखभाल करने वाले सेवादार साथियों के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसाद का वितरण किया गया।

मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम सदगुरु कृपा अपना घर (सत्य-प्रेम सभागार) में-जानवी कुमारी, संतोष कुमार, दिलीप कुमार गुप्ता, दीपांजलि कुमारी, संतोष शर्मा, स्वाति कुमारी, मुकुल कुमार, बृजेश सिमरन, निर्मल छावनिका, सिमरन अग्रवाल, गौतम ओझा, जितेंद्र कुमार, नवीन मोदी,पंकज पोद्दार, विजय कुमार सिंह, अलका रंजन, सोनू कुमार, रितिका खेतान, अरुण बाजोरिया के सौजन्य से सभी निराश्रित प्रभुजी को भोजन प्रसादी खिला कर सेवा की गयी।

OFFICEOFTHE DEPUTY COMMISSIONER, LATEHAR
District Panning Office, Latehar, 829206
Website: www.latehar.nic.in

RATE CONTRACT FOR "SUPPLY OF ELECTRICAAL &ELECTRONICS ITEMS AT VARIOUS LOCATION OF DISTRICT LATEHAR"

The District Planning office Latehar,Jharkhandinvites Online bidsfor "supply ofElectrical & Electronics items for SLRM project at various location of District Lateharon rate contract" as detailed below in accordance with enclosed tender document.

1. The salient terms & conditions of the bid are stated below:

Description	Rate contract for supply of Electrical &Electronics items at various location of District Latehar.
Mode of Tender	Online tender (Rate Contract)
Type of Bid	**Cost-Based Selection (CBS) Method**; Stage 1: The eligibility criteria documents, Bid Fee EMD submitted by the bidders will be evaluated in the first stage. The bidders meeting the technical evaluation criteria only will be shortlisted for further financial bid valuation. Stage 2: Out of the technically eligible bidders, the agency submitting the lowest financial bid will be awarded the project. The rates quoted by the agencies should be valid for 1 year from the issue of the RFP.
Tender Publishing Date	04/08/2025
Last date and time for submission of Technical Bid	19/08/2025upto05.00PM
Date and time for opening of Technical Bid	21/08/2025 at 11:00 AM
Date and time for opening of Financial Bid	21/08/2025 at11:30 AM
EMD (No exemption)	Rs. 10000/-
Period of Contract	One Year from the date of Supply Order and extendable further with the same terms and conditions.
Address at which the tenders are to be submitted	Online via: https://jharkhandtenders.gov.in
Place of opening tenders	Online via: https://jharkhandtenders.gov.in
Mode of submission	Online via: https://jharkhandtenders.gov.in
For viewing, quoting the detailed NIC and Qualifying Requirement, bidders may also visit our website	Online via: https://latehar.nic.in/ https://jharkhandtenders.gov.in

PR 358960 (Planning and Development) 25-26 (D)

DISTRICT PLANNING OFFICER, LATEHAR

डोरंडा प्रधान डाकघर में लिंक फेल! बहनों को हुई राखी भेजने में मुश्किल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इस साल 9 अगस्त 2025 को रक्षाबंधन का पर्व मनाया जायेगा। बहनों की भावनाएं राखी के धागों में बंधकर भाई तक पहुंचने को बेताब हैं लेकिन इस पावन पर्व से पहले, रांची का डोरंडा प्रधान डाकघर तकनीकी विफलता की वजह से लोगों की उम्मीदों पर पानी फेरता दिख रहा है। बीते दिनों डाकघर में नेटवर्क फेल रहा, जिससे डाक की अधिकांश सेवाएं ठप रहीं। लिंक फेल होने के चलते, डाकघर में न तो पार्सल बुकिंग हो सकी और न ही रजिस्ट्री या स्पीड पोस्ट की सेवाएं उपलब्ध रहीं। इस स्थिति से सबसे ज्यादा प्रभावित वे महिलाएं हुई हैं, जो भाई को समय पर राखी पहुंचाने के लिए डाकघर पहुंच रही हैं। बुधवार सुबह से ही डाकघर में भीड़ जमा होने लगी। कई महिलाएं झुंझलाते हुए नजर आयीं। एक महिला ने कहा, मैं तीन दिन से रोज यहां आ रही हूं, लेकिन काम नहीं हो रहा है। अब तो डर लगने लगा है कि राखी समय पर पहुंचेगी या नहीं।

डिजिटल युग में ठप हुई डाक सेवाएं

21वीं सदी में जहां अधिकांश सेवाएं डिजिटल हो चुकी हैं, वहीं डाकघर की प्रणाली अब भी तकनीकी रूप से पीछे है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल रक्षाबंधन या दिवाली जैसे त्योहारों के पहले, यह समस्या सामने आती है, लेकिन डाक विभाग कोई स्थायी समाधान नहीं कर पाता है। एक युवक ने कहा, कितनी अजीब बात है कि हम चंद्रयान भेजने वाले देश हैं लेकिन एक डाकघर का लिंक तीन दिन तक नहीं सुधर सका, लोग घूम-घूमकर थक गये हैं। हालांकि डाक विभाग की ओर से इसे तकनीकी सुधार की प्रक्रिया बताया है। नये सॉफ्टवेयर अपडेट की वजह से बीते दो-तीन दिन तक नेटवर्क में परेशानी थी। अब सभी सेवाएं सामान्य कर दी गयी हैं और प्रक्रिया को पहले से अधिक सरल और सुगम बनाया गया है: शिवकुमार सिंह, निदेशक, तकनीकी सहायक तकनीकी सहायक निदेशक ने दावा किया है कि अब डाकघर की प्रणाली पहले से ज्यादा तेज और सुरक्षित होगी।

न्यायालय, उपायुक्त –सह– जिला दण्डाधिकारी, लातेहार

अनुमति वाद संख्या–128/2025

आम इस्तेहार

आवेदक आवेदक मो0 राशिद आलम वो नौशाद आलम दोनों के पिता–मो0 हदीश मियां उर्फ अदीश आलम, निवासी ग्राम+पो0–चकला, थाना+अंचल–चन्दवा, जिला–लातेहार द्वारा मेसर्स हिण्डाल्को इण्डस्ट्री लि0, 21वीं मंजिल प्रथम अंतराष्ट्रीय केन्द्र टॉवर–4, प्रभादेवी, प्रभादेवी रेलवे स्टेशन के पास सेनापति बापत मार्ग, मुम्बई–400013 वर्तमान पता–ग्राम+पो0–चकला, थाना–चन्दवा, जिला– लातेहार के साथ भूमि बिक्री हेतु अनुमति के लिए छोटानागपुर कास्तकारी अधिनियम की धारा–49 के अंतर्गत आवेदन पत्र दाखिल किया है।

भूमि का विवरण

मौजा	खाता	प्लॉट	रकबा (एकड़)
चकला	07	1271	1.25

एतद् द्वारा हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि इस भूमि अंतरण के विरूद्ध किसी को आपत्ति हो, तो स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी के न्यायालय में आम–इस्तेहार निर्गत की तिथि से एक पक्ष (15 दिनों) के अंदर आपत्ति दायर कर सकते है। समय सीमा समाप्ति के बाद प्राप्त आपत्ति आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

प्रभारी उप समाहर्त्ता,
जिला विधि शाखा, लातेहार

PR 359023 (District)25-26*D

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 07 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in
06

आपदा या कुदरत की चेतावनी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में आई आपदा प्रकृति की एक और गंभीर चेतावनी है। यह बताती है कि पर्यावरण और विकास के बीच संतुलन साधने की कितनी जरूरत है। देश के पहाड़ी राज्यों, खासकर उत्तराखंड को लेकर ऐसी नीति चाहिए, जिससे पहाड़ और इंसानों के बीच संतुलन बना रहे।

बड़ी हानि : उत्तरकाशी के धराली गांव में खीरगंगा नदी के ऊपरी क्षेत्र में बादल फटा और फ्लैश फ्लड ने रास्ते में आने वाली हर चीज को अपनी चपेट में ले लिया। प्रभावित इलाके से आ रहे विडियो दिल दहलाने वाले हैं। अभी चारधाम यात्रा सीजन चल रहा है और यह गांव गंगोत्री वाले रास्ते पर पड़ता है। श्रद्धालुओं के रुकने का यह एक अहम पड़ाव है। ऐसे में जानमाल की बड़े पैमाने पर हानि की आशंका है।

लगातार आफत : हाल के बरसों में उत्तराखंड इस तरह की प्राकृतिक आपदाओं के केंद्र में रहा है। 2021 में चमोली जनपद में, नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के पास एक ग्लेशियर टूटकर गिर गया था। इसकी वजह से धौलीगंगा नदी में अचानक बाढ़ आ गयी और तपोवन विष्णुगाड पनबिजली परियोजना में काम करने वाले कई श्रमिकों को जान गंवानी पड़ी। इसी तरह, 2023 की शुरुआत में एक और धार्मिक पर्यटन स्थल जोशीमठ में भूस्खलन ने एक बड़ी आबादी को विस्थापित कर दिया।

उत्तरकाशी के धराली गांव में खीरगंगा नदी के ऊपरी क्षेत्र में बादल फटा और फ्लैश फ्लड ने रास्ते में आने वाली हर चीज को अपनी चपेट में ले लिया। प्रभावित इलाके से आ रहे विडियो दिल दहलाने वाले हैं।

खतरनाक स्थिति: साल 2013 में केदार घाटी में मची भयानक तबाही से लेकर अभी तक, छोटी-बड़ी ऐसी कई प्राकृतिक आपदाएं आ चुकी हैं। सवाल यहां आकर रुकती है कि पहाड़ से छेड़छाड़ कब रुकेगी? आरोप है कि उत्तराखंड में चल रहे बेशुमार पावर प्रॉजेक्ट्स ने पहाड़ों को खोखला कर दिया है। इसमें बढ़ती आबादी, लाखों पर्यटकों के बोझ, अनियंत्रित निर्माण और घटती हरियाली को मिला दीजिए तो स्थिति विस्फोटक बन जाती है।

अनियंत्रित निर्माण : बादल फटना प्राकृतिक घटना है, जिस पर इंसानों का जोर नहीं। लेकिन, यह भी तथ्य है कि पानी निकलने के रास्तों, नालों-गदेरों के मुहानों पर कंक्रीट के बड़े-बड़े स्ट्रक्चर खड़े हो चुके हैं। तमाम जगहों पर, जिन रास्तों से पानी को बहना था, वहां इंसान बस चुका है। यह जानबूझकर आफत बुलाने जैसा है।

संभलने की जरूरत : उत्तराखंड को लेकर यह बहस करीब 5 दशक पुरानी है कि विकास किस कीमत पर होना चाहिए। साल 1976 में, गढ़वाल के तत्कालीन कमिश्नर एमसी मिश्रा की अध्यक्षता में गठित कमिटी ने जोशीमठ को बचाने के लिए फौरन कुछ कदम उठाने की सिफारिश की थी- इनमें संवेदनशील जोन में नए निर्माण पर रोक और हरियाली बढ़ाना प्रमुख था। 49 साल बाद आज वह रिपोर्ट पूरे पहाड़ के लिए प्रासंगिक हो चुकी है।

अभिमत
आजाद सिपाही

असम का मैनचेस्टर कहा जाने वाला सुआलकुची, पारंपरिक बुनाई उत्कृष्टता का प्रमाण है, जबकि धेमाजी जिले में मचखोवा जैसे विकासशील केंद्र इस क्षेत्र को और बढ़ावा देते हैं। इसके सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए, पूर्वोत्तर के लिए सरकार का समर्पित मिशन आदिवासी बुनाई को बढ़ावा देने, हथकरघा पर्यटन को प्रोत्साहित करने, निर्यात को सुविधाजनक बनाने और युवाओं को प्रशिक्षित करने पर केंद्रित है। इस क्षेत्र को एक वैश्विक डिजाइन केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है, जहां प्राकृतिक रेशे, प्राचीन ज्ञान और आधुनिक उद्यमिता का संगम होता है।

भारत के हथकरघा: विरासत बुन रहे हैं, भविष्य को सशक्त बना रहे हैं

पबित्रा मार्गेरिटा

हर साल 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस एक ऐसे क्षण का प्रतीक है जो भारत के अतीत को उसके भविष्य से धागे-दर-धागा, कहानी-दर-कहानी जोड़ता है। यह दिन 1905 के स्वदेशी आंदोलन का स्मरण कराता है, जब हाथ से बुना कपड़ा न केवल एक वस्त्र के रूप में, बल्कि प्रतिरोध, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पहचान के एक सशक्त प्रतीक के रूप में उभरा। एक नयी शुरुआत के रूप में प्रारंभ हुआ यह प्रतीक विरासत, कला और सामुदायिक अभिव्यक्ति के ताने-बाने में बदल गया। हथकरघा क्षेत्र आज ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में 35 लाख से अधिक बुनकरों और संबद्ध श्रमिकों को रोजगार देता है, जिनमें से 72% महिलाएं हैं। अपनी समृद्धि के कारण, यह क्षेत्र अब एक ऐसे दौर में खड़ा है, जहां इसे बिना किसी कमी के नवाचार, बिना किसी अभाव के तकनीक और बिना किसी हाशिए के आधुनिकीकरण की आवश्यकता है।

एक स्थायी विरासत : भारत में हथकरघा बुनाई की समृद्ध विरासत हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की प्राचीन सभ्यताओं से जुड़ी है। सहस्राब्दियों से, यह शिल्प फलता-फूलता रहा है और प्रत्येक क्षेत्र ने बुनाई, विशिष्ट तकनीकों, रूपांकनों और अर्थों का अपना तौर-तरीका विकसित किया है। असम के मुगा रेशम की सुनहरी चमक से लेकर प्रसिद्ध बनारसी रेशमी साड़ियों तक; कश्मीर की पश्मीना से लेकर तमिलनाडु की चमकदार कांजीवरम साड़ियों तक, भारत की हथकरघा परंपराएं उतनी ही विविध हैं, जितने इसके लोग। एक बुनकर के घर में, जहां करघा अक्सर रसोई या एक तरफ के आंगन के साथ जगह साझा करता है, प्रत्येक साड़ी या शॉल एक अनोखी कथा को संप्रेषित करने के लिए तैयार की जाती है। न्यूनतम तकनीक, लेकिन अधिकतम रचनात्मकता के साथ, बुनकर धागों को विरासत में बदल देते हैं।

असम 12.83 लाख से अधिक बुनकरों और 12.46 लाख करघों के साथ देश में अग्रणी है।

बिना सिले हुए कपड़े, जो भारतीय परिधानों के प्रतीक हैं, क्षेत्रीय अभिव्यक्ति, अनुष्ठानों और कहानी कहने के कैनवास बन गए हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों में, हथकरघा भारत की विविधता और अनगिनत बुनकरों व कारीगरों की कुशलता को दर्शाता है।

पूर्वोत्तर: अवसरों का एक करघा : देश के कुल हथकरघा श्रमिकों में से लगभग 52% पूर्वोत्तर क्षेत्र में निवास करते हैं और 2019-20 की हथकरघा जनगणना के अनुसार, असम 12.83 लाख से अधिक बुनकरों और 12.46 लाख करघों के साथ देश में अग्रणी है।

असम का मैनचेस्टर कहा जाने वाला सुआलकुची, पारंपरिक बुनाई उत्कृष्टता का प्रमाण है, जबकि धेमाजी जिले में मचखोवा जैसे विकासशील केंद्र इस क्षेत्र को और बढ़ावा देते हैं। इसके सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए, पूर्वोत्तर के लिए सरकार का समर्पित मिशन आदिवासी बुनाई को बढ़ावा देने, हथकरघा पर्यटन को प्रोत्साहित करने, निर्यात को सुविधाजनक बनाने और युवाओं को प्रशिक्षित करने पर केंद्रित है। इस क्षेत्र को एक वैश्विक डिजाइन केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है, जहां प्राकृतिक रेशे, प्राचीन ज्ञान और आधुनिक उद्यमिता का संगम होता है। राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) के अंतर्गत, पूर्वोत्तर राज्यों के 123 छोटे समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान की गयी है।

शिवसागर में एक बड़ा हथकरघा समूह स्थापित किया गया है तथा इंफाल पूर्व और सुआलकुची में ऐसी दो परियोजनाएं चल रही हैं। इस क्षेत्र में लगभग 3.08 लाख बुनकरों ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाइ) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाइ) के अंतर्गत सार्वभौमिक एवं किफायती सामाजिक सुरक्षा के लिए नामांकन कराया है, जिनमें असम के 1.09 लाख बुनकर शामिल हैं।

पुनरुद्धार से पुनरुत्थान तक : पिछले 11 वर्षों में, वस्त्र मंत्रालय के कई विशिष्ट कार्यक्रमों के जरिये भारत के हथकरघा उद्योग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। समूह विकास पहलों, आधुनिक उपकरणों और ऋण तक पहुंच ने बुनायी को घरेलू गतिविधियों से सूक्ष्म उद्यमों में बदलने में मदद की है। राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और कच्चा माल आपूर्ति योजना (आरएमएसएस) ने सूत की आपूर्ति, करघा उन्नयन, कार्य शेड निर्माण से लेकर आधुनिक उपकरणों तक पहुंच प्रदान करके शुरू-से-अंत तक सहायता सुनिश्चित की है। पीएमजेजेबीवाइ और पीएमएसबीवाइ जैसी योजनाओं से अत्यंत आवश्यक वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा मिली है। बुनकरों की मुद्रा योजना के तहत रियायती ऋण और अतिरिक्त राशि (मार्जिन मनी) सहायता ने कार्यशील पूंजी तक पहुंच का विस्तार किया है। बुनकरों और उद्यमियों के लिए लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से, उच्च क्षमता वाले क्षेत्रों में हथकरघा पार्क स्थापित करने की योजना है। इन एकीकृत स्थानों में रंगाई इकाइयां, तुरंत शुरू करने योग्य (प्लग-एंड-प्ले) कार्यशालाएं, डिजिटल प्रयोगशालाएं, शोरूम तथा सौर ऊर्जा एवं अपशिष्ट पुनर्चक्रण जैसी सतत संरचनाएं शामिल होंगी। साथ ही, निफ्ट, एनआइडी और अन्य डिजाइन संस्थानों के साथ साझेदारी में क्षेत्रीय स्तर पर डिजाइन और नवाचार केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जहां डिजाइनर और बुनकर बुनाई के पारंपरिक सार का सह-निर्माण, संरक्षण और दस्तावेजीकरण करेंगे, और सांस्कृतिक डिजाइनों का ऑनलाइन संग्रह तैयार करेंगे। ये अभिनव कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर भारतीय हथकरघा के सौंदर्य और व्यावसायिक आकर्षण, दोनों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। तकनीक को अपनाना जरूरी है, लेकिन हथकरघा की आत्मा अक्षुण्ण रहनी चाहिए।

अब एआइ का उपयोग रुझानों की भविष्यवाणी और डिजिटल रंग चयन के लिए किया जा रहा है, जबकि ब्लॉकचेन उत्पाद का पता लगाना सुनिश्चित करता है और जालसाजी का मुकाबला करते हुए इस क्षेत्र को नए डिजिटल युग में ज़िम्मेदारी से आगे बढ़ाता है।

संयोजन की पुनर्कल्पना: ई-कॉमर्स और बाजार पहुंच : विपणन और ई-कॉमर्स गेम-चेंजर के रूप में कार्य करेंगे। रणनीति सरल लेकिन क्रांतिकारी है: बिचौलियों को खत्म करना, प्रचार के माध्यम से उपस्थिति बढ़ाना और बुनकरों को प्रारंभ से ही मंचों, प्रदर्शनियों और बाजारों से सीधे जोड़ना। इसी क्रम में, हथकरघा बुनकरों को सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) से जोड़ा जा रहा है और indiahandmade.com एक पारदर्शी, शून्य कमीशन वाला मंच प्रदान कर रहा है, जो उचित पारिश्रमिक, वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने की निःशुल्क व्यवस्था, आसान वापसी और सुरक्षित भुगतान विकल्प सुनिश्चित करता है। इन प्रयासों के पूरक के रूप में, 106 हथकरघा उत्पादों को पहले ही भौगोलिक संकेत (जीआइ) टैग प्रदान किए जा चुके हैं, जो उनकी अनूठी क्षेत्रीय विरासत और शिल्प कौशल का सम्मान करते हैं। 'हथकरघा चिह्न' और 'भारतीय हथकरघा ब्रांड' के साथ, ये उपाय हाथ से बुने हुए उत्पादों की विशिष्ट पहचान को मजबूत करते हैं, और खरीदारों को उनकी प्रामाणिकता, गुणवत्ता और पर्यावरण-अनुकूलता का आश्वासन देते हैं।

कौशल, सुरक्षा और स्थायित्व : आने वाला कल समावेशी क्षमता निर्माण पर निर्भर करता है। विशेष रूप से पारंपरिक तकनीकों के संरक्षण की दृष्टि से युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम, वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के साथ जोड़े गए हैं - जिनमें स्वास्थ्य बीमा, शैक्षिक छात्रवृत्ति और बुनकरों के लिए पेंशन लाभ शामिल हैं।

साथ ही, पर्यावरण-अनुकूल रंग, कार्बन उत्सर्जन न करने वाले उत्पादन मॉडल और जीवन-चक्र मूल्यांकन इस क्षेत्र की स्थायित्व के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हैं और भारतीय हथकरघा को वैश्विक हरित आंदोलन के साथ जोड़ते हैं। वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से आईआईटी दिल्ली द्वारा तैयार की गयी भारतीय हथकरघा क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन आकलन: विधियां और केस स्टडीज शीर्षक वाली नयी रिपोर्ट, एक संदर्भ और मार्गदर्शिका दोनों का काम करती है, जो भारत के लिए अधिक स्थायी संस्करण का मार्ग प्रशस्त करती है।

(नोट : वस्त्र राज्य मंत्री द्वारा 11वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर लिखा गया लेख।)

कोल्हान की खबरें

सरायकेला में 44.5 किलो आइइडी बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। सरायकेला-खरसावां पुलिस ने चाईबासा पुलिस, झारखंड जगुआर, सीआरपीएफ और एसएसबी को नक्सलियों के खिलाफ अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल की है। बुधवार को संयुक्त अभियान में कुचाई थाना अंतर्गत दलभंगा ओपी क्षेत्र से नक्सलियों द्वारा छिपाए गए 44.5 किलो आईईडी पुलिस ने बरामद कर लिया। सुरक्षा कारणों को देखते हुए बम निरोधक दस्ते के द्वारा इसे नष्ट किया गया। इस कार्रवाई से नक्सलियों के मंसूबों पर करारा प्रहार हुआ है। साथ ही क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है। फिलहाल आगे की कार्रवाई के लिए विधि-सम्मत प्रक्रिया जारी है।

जेएनएसी को 10 अगस्त तक का अल्टीमेटम 11 को कूड़े के साथ प्रदर्शन की चेतावनी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। विधायक सरयू राय के बिष्टुपुर स्थित कार्यालय में कदमा,सोनारी और बिष्टुपुर के प्रमुख कार्यकताओं ने बैठक कर जेएनएसी को 10 अगस्त तक साफ-सफाई और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने का अल्टीमेटम दिया। चेतावनी दी गई यदि तय समय तक व्यवस्था दुरुस्त नहीं हुई तो 11 अगस्त को सुबह 10 बजे जेएनएसी कार्यालय पर कूड़े के साथ प्रदर्शन किया जाएगा।बैठक में कहा गया कई बार जेएनएसी के उप नगर आयुक्त को ज्ञापन देने और मुलाकात के बावजूद केवल आश्वासन मिले, जबकि हालात पहले से बदतर हो गए हैं। बरसात के मौसम में फॉगिंग और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव नहीं होने से संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। प्रतिभागियों ने डोर-टू-डोर कचरा उठाव में अव्यवस्था, गंदगी के बढ़ते ढेर, स्ट्रीट लाइटों की खराबी और सफाई कर्मियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी जतायी। उन्होंने कहा एक ओर जेएनएसी सफाई के पुरस्कार ले रही, वहीं दूसरी ओर उसके क्षेत्र की जनता नारकीय जीवन जी रही है। बैठक में मुकुल मिश्रा, ललन द्विवेदी, भीम सिंह, राकेश सिंह, नीरज सिंह, धर्मेंद्र प्रसाद, तारक मुखर्जी, मुन्ना सिंह, अजीत सिंह, अनुज चौधरी, रवि ठाकुर सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

न्यू बार मिल के 45 मजदूरों का फाइनल वेतन भुगतान की मांग को लेकर प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। टाटा स्टील के न्यू बार मिल में विवेक कंस्ट्रक्शन वेंडर के तहत कार्यरत मजदूरों ने फुल एंड फाइनल सेटलमेंट में गड़बड़ी, ओवरटाइम बकाया और श्रमिक शोषण के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया।बुधवार को प्रदर्शन का नेतृत्व जोहार झारखंड श्रमिक महासंघ के महामंत्री एवं यूथ इंटक के राष्ट्रीय सचिव राजीव पांडेय ने की।श्रमिकों का आरोप है 4 वर्ष 4 माह की सेवा के बाद उन्हें बेहद कम राशि का सेटलमेंट दिया गया, जबकि उन्हें 65,000 या अधिक मिलना चाहिए था। साथ ही, चार साल तक ओवरटाइम का डबल रेट भुगतान नहीं हुआ। उन्होंने प्रबंधन पर गुमराह करने का भी आरोप लगाया।राजीव पांडेय ने कहा यह श्रमिकों के खून-पसीने की कमाई पर डाका है। उन्होंने कहा जल्द 45 मजदूरों के वेतन का समाधान नहीं हुई तो उग्र आंदोलन होगा। मौके पर मजदूरों ने अपनी मांगों का एक मांग पत्र डीएलसी, श्रमायुक्त, टाटा स्टील प्रबंधन और एथिक्स विभाग को भेजा।

तेजस्विनी संगठन ने मनाया सावन समारोह

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। तेजस्विनी संगठन ने वार्ड 17 स्थित प्रभात पार्क के सामुदायिक भवन में सावन समारोह का आयोजन किया। बुधवार को कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और केक काटकर किया गया। इस दौरान सभी ने एक-दूसरे को सावन की शुभकामनाएं दीं और अनुभव साझा किए। समारोह में बैलून फुलाने, बिंदी लगाने, मेहंदी रचाने और पाइप से चॉकलेट खींचने जैसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेताओं में पूनम कौर, सविता कीर्तनिया और रूमा सिंह को पुरस्कृत किया गया। पूनम कौर को सावन क्वीन का ताज पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन खीर वितरण के साथ हुई।

राजनगर सड़क हादसे में युवक की मौत

राजनगर (आजाद सिपाही)। टाटा-चाईबासा मुख्य मार्ग पर सड़क हादसे में जंबानी गांव निवासी खकन महतो की मौत हो गई। बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार वे मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। तभी तेज रफ्तार पिकअप वैन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में खकन महतो की मौके पर ही मौत हो गई।सूचना मिलते ही पहुची पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर पिकअप वैन को जब्त कर कार्रवाई शुरू कर दी। घटना से परिजनों और रिश्तेदारों में शोक का माहौल है।

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन ने शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन परिसर में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन को यूनियन के पदाधिकारी ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।बुधवार को श्रद्धांजलि सभा में अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद, महामंत्री आर.के. सिंह,यूनियन पदाधिकारी,कमेटी मेंबर और आर.के. सिंह फैंस क्लब के सदस्यों ने पुष्प अर्पित कर एक मिनट का मौन रखा और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद ने कहा गुरुजी सर्वमान्य नेता थे और झारखंड स्थापना में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। महामंत्री आर.के. सिंह ने कहा वे पूरे राज्य के आदरणीय नेता थे और गरीबों के लिए संघर्षरत रहे। उन्होंने गरीबों के अधिकारों की रक्षा को ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताया।

पेड़ में लटकते मिला प्रेमी युगल का शव

पटमदा (आजाद सिपाही)। पोकलाबेड़ा गांव के पास जंगल में एक प्रेमी युगल के शव पेड़ से लटके मिलने पर पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई।बताया जारहा है दोनों बीते तीन माह से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। मृतकों की पहचान पोकलाबेड़ा निवासी जामिनी सिंह और गाड़ीग्राम निवासी महिला के रूप में हुई। सूचना मिलने पर पहुची पुलिस जांच के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आशंका है घटना दो दिन पहले की है।स्थानीय लोगो के अनुसार युवक के परिजनों ने महिला को बहू के रूप में स्वीकार नहीं किए थे। दोनों मानसिक तनाव में थे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

झामुमो कार्यकर्ताओं ने शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड मुक्ति मोर्चा छोटा गोविंदपुर इकाई ने वरिष्ठ झामुमो नेता नारायण सोरेन के नेतृत्व में बाबा तिलका मांझी चौक पर झारखंड के जनक, महान क्रांतिकारी एवं जन नेता स्व. दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। बुधवार को झामुमो कार्यकर्ताओं ने उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। मौके पर जाकता सोरेन, समीर दास, पंकज गोप, रजनी दास, तापस दास, जितेंद्र ठाकुर, धीरेन मार्डी, दुखीराम मुर्मू, बबलू, प्रवीण दास, बप्पा, ललित कुमार, विशाल दास, आनंद, रामचंद्र सोरेन, जय भगत, जीतेन्द्र भगत और महिला नेत्री सुभाषिनी बास्के सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्रवाई : रक्षाबंधन के पूर्व नकली मिठाइयों को लेकर एसडीएम की ताबड़तोड़ छापेमारी

पांच कुंतल से अधिक मिठाई को करवाया नष्ट

मंगलवार शाम को 50 कुंतल और बुधवार को पौने दो कुंतल मिलावटी मिठाई पकड़ी

एसडीएम ने प्राथमिकी, जुर्माना लगाया, कार्रवाई एवं लैब टेस्टिंग के लिए फूड सेफ्टी अफसर को दिये निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। रक्षाबंधन एवं अन्य त्योहारों के मद्देनजर एहतियातन गढ़वा सदर एसडीएम संजय कुमार ने नकली मिठाइयों की खोज में तीन व्यवसाईयों के यहां छापामारी की। छापामारी के दौरान दो कारोबारियों से मिली प्रथम दृष्टया मिलावटी या नकली मिठाइयों एवं खाद्य पदार्थों के संदेह में टीम बनाकर जांच करवाई गयी, जिसमें से लगभग सभी जांचों में प्राथमिक जांचों में नमूने फेल हो गये। जिन मिठाइयों को प्रथम दृष्टया स्वास्थ्य के लिए खतरनाक पाया गया, उन्हें मौके पर ही विनष्ट करवा दिया गया। संजय कुमार ने कहा कि उक्त कार्रवाई आगे भी सतत रूप से जारी रहेगी।

क्या है मामला : गोपनीय सूचना प्राप्त होने पर एसडीएम संजय कुमार ने मंगलवार शाम लगभग 8:00 बजे मैन रोड स्थित परमपुरी प्लास्टिक दुकान में छापेमारी की, जहां मौके पर लगभग 2 कुंतल मिठाई मिली, जब उनसे इस संबंध में कागज और लाइसेंस आदि मांगे गये तो वे नहीं दिखा पाये, संदेह बढ़ने पर उनसे गहन पूछताछ की गयी। पूछताछ के क्रम में मालूम चला कि कमलापुरी मोहल्ले में एक आवासीय भवन के भूतल में बने चार कमरों में उनका गोडाउन है, जब मौके पर जाकर देखा गया तो वहां बड़ी मात्रा में मिठाई भंडारित की गयी थी। इनमें से कुछ मिठाइयां बदबू भी मार रही थीं, मामले को संदिग्ध मानते हुए मौके पर इन सभी कमरों को बंद करवा दिया गया। अग्रेतर पूछताछ करने पर पता चला कि इनका एक गोडाउन सरस्वती चिकित्सालय वाली गली के अंत में नदी किनारे भी बना हुआ है, जब वहां मौके पर जाकर देखा गया तो वहां भी कई कुंतल मिठाइयों का भंडार रखा हुआ पाया गया इस पर एहतियात के तौर पर एसडीएम ने इस गोदाम में भी ताला लगवा दिया।

एक कुंतल से अधिक एक्सपायरी डेट वाला सॉस भी मिला : मंगलवार की छापेमारी के दौरान परमपुरी प्लास्टिक के नदी किनारे वाले गोदाम में पांच-पांच किलो की गैलन वाली 26 गैलन सॉस मिला। उक्त सभी गैलन में एक्सपायरी डेट 4 महीने पूर्व की लिखी हुई थी।

अनुज्ञप्ति भी त्रुटिपूर्ण : अनुज्ञप्ति की जांच के क्रम में फूड सेफ्टी ऑफिसर अंजना मिंज ने बताया कि जो लाइसेंस व्यवसायी ने प्रस्तुत किया है उसमें मिठाईयां आदि के आइटम शामिल नहीं है, इसलिए उनकी विज्ञप्ति पर्याप्त नहीं है। एसडीएम ने उनके फूड लाइसेंस को नियमानुसार प्रक्रिया अपनाकर रद्द करने का निर्देश दिया।

क्रय एवं परिवहन के कागजात नहीं दिखा पाये : संबंधित व्यवसायी अजय कुमार से जब इतनी बड़ी मात्रा में मिठाई के स्रोत के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि वे यह मिठाई उत्तर प्रदेश के फूलपुर, बनारस और बिहार के औरंगाबाद, गया आदि से मंगवाते हैं किंतु वे इस संबंध में परिवहन और क्रय आदि के पर्याप्त दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा पाये।

500 किलो से अधिक मिठाइयां और खाद्य सामग्री विनष्ट करवाई गई : जांच के दौरान बिना पैकिंग डेट, एक्सपायरी डेट तथा निर्माता के नाम लिखे संदिग्ध पैकेट बंद मिठाइयों को प्राथमिक तौर पर रासायनिक जांच की गयी, जांच में फेल होने पर उन्हें मौके पर ही नष्ट करने का निर्णय किया गया।

मंगलवार की छापेमारी के बाद रात में ज्यादातर नकली मिठाई के अवैध कारोबारी भाग खड़े हुए थे और प्राप्त जानकारी के अनुसार उन्होंने बड़े शातिर तरीके से अपना भंडार भी यहां वहां शिफ्ट कर दिया था। इस क्रम में बुधवार दोपहर को संजय कुमार ने मनीष प्लास्टिक एवं एक अन्य प्लास्टिक दुकान के यहां छापेमारी की, जहां मनीष प्लास्टिक के बाजार समिति स्थित गोदाम में एक कुंतल व 80 किलो नकली मिठाई मौके पर मिली। इस गोदाम का भी सैंपल परीक्षण करवाया गया जो कि फेल हो गया। इस पर विस्तृत जांच तथा विधिक कार्रवाई हेतु खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है।

ज्यादातर मिठाइयां बनारस की एक कंपनी की हैं : जांच के दौरान जो मामला सामने आया उसके अनुसार लगभग 40 कुंतल मिठाइयां डिब्बा बंद हैं, और उनमें फूड लाइसेंस भी अंकित है, एक्सपायरी डेट भी अंकित है, निर्माण करने वाली कंपनी का नाम पता ईमेल आदि भी अंकित है, इसलिए उसकी प्रथम दृष्टया नष्ट नहीं करवाया गया है, यद्यपि उसके सैंपल जांच करवाई गयी नमूने प्राथमिक जांच में फेल हो गये। उनके विस्तृत जांच के लिए नमूने ले लिये गये हैं। जिनकी गुरुवार को रांची में लैब टेस्टिंग की जानी है। यदि वहां भी नमूने फेल होते हैं तो बनारस की उस कंपनी पर भी विधिक कार्रवाई करने हेतु खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है।

अधिकारियों से अरहर बीज गमन के आरोपियों पर कार्रवाई करने की मांग

अधिकारियों ने दोषियों पर कार्रवाई करने का दिया आश्वासन

आजाद सिपाही संवाददाता

बीडीओ को आवेदन देकर निकलते उप प्रमुख, विधायक प्रतिनिधि और अन्य।

मेराल। प्रखंड के उप प्रमुख निजामुद्दीन खां और ओखरगाड़ा पश्चिमी की मुखिया मनरावती देवी ने ग्रामीणों के आवेदन के साथ बुधवार को गढ़वा डीसी दिनेश कुमार यादव एवं सदर एसडीओ संजय कुमार पांडेय से उनके कार्यालय में मिलकर अरहर बीज गमन करने वाले जनसेवक एवं पैक्स अध्यक्ष पर कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में उप प्रमुख निजामुद्दीन खां ने कहा कि आरोपियों पर कार्रवाई के लिए जिला अधिकारियों के साथ-साथ मेराल के प्रभारी बीडीओ सह सीओ यशवंत नायक एवं थाना प्रभारी से ग्रामीणों तथा विधायक प्रतिनिधि डॉ लालमोहन के साथ मिलकर पैक्स अध्यक्ष और जन सेवक द्वारा अरहर बीज गमन का लिखित आवेदन दिया।

अधिकारियों ने दोषियों पर कार्रवाई करने का दिया आश्वासन : उप प्रमुख द्वारा बताया गया कि आवेदन के साथ अधिकारियों से मिलने पर अधिकारियों ने दोषियों पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया है।

दो बोडा अरहर बीज के साथ दोनों आरोपियों को ग्रामीणों ने पकड़ा था : बता दें कि मंगलवार को जनसेवक कुणाल गौरव एवं पैक्स अध्यक्ष दिवाकर यादव को दो बोडा अरहर बीज के साथ ग्रामीणों ने पकड़ा था, ग्रामीणों के हंगामा के बीच पहुंचे उप प्रमुख निजामुद्दीन खां के द्वारा पदाधिकारीयों को सूचित करते हुए अरहर बीज को जब्त किया गया था। अधिकारियों को दिये गये आवेदन पर बीडीसी खुर्शीद आलम, कंचन पांडेय, उदय कुमार चंद्रवंशी, भागीरथी चंद्रवंशी, खुर्शीद खां, शंकर प्रसाद चंद्रवंशी, सत्यप्रकाश, देवचरण, जोखू, सोनू, मुन्ना सहित चार दर्जन लोगों का हस्ताक्षर शामिल था।

गुरुजी के निधन पर एसपीडी कॉलेज में शोक सभा

गढ़वा (आजाद सिपाही)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्य सभा सांसद शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर स्थानीय सूरत पांडेय डिग्री कॉलेज, गढ़वा में बुधवार को प्राचार्य डॉ हिमांशु भूषण जारुहार की अध्यक्षता में शोक सभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजली अर्पित किया गया। इस मौके पर उनके आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन भी धारण किया गया। प्राचार्य डॉ. जारुहार ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन एक युग, एक विचार, एक आंदोलन, एक पीढ़ी के साहस, संघर्ष और चेतना का अवसान है। शिबू सोरेन झारखंड की मिट्टी से उपजे वह बीज थे जिन्होने जल, जंगल, जमीन की रक्षा में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। शोक सभा में प्रो विवेकानंद उपाध्याय, प्रो अखिलेश पाठक, प्रो बिरेंद्र पांडेय, प्रो अर्जुन प्रसाद, प्रो परवेज आलम, प्रो कमलेश सिन्हा, डॉ उमेश सहाय, डॉ सत्यदेव पांडेय, प्रो संजय केशरी, प्रो अखिलेश शुक्ला, प्रो राजीव रंजन मिश्रा, प्रो अजय कुमार सिंह, डॉ संजीव मिश्रा, प्रो. नीलम गुप्ता, प्रो किरण कुमारी, समेत विभिन्न शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा का जिला स्तरीय कार्यशाला

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजपा युवा मोर्चा राष्ट्रीय कार्यक्रम हर घर तिरंगा अभियान को लेकर जिला कार्यालय गढ़वा पिंडरा में जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न हुआ। कार्यक्रम का अध्यक्षता एवं संचालन भाजयुमो जिलाध्यक्ष रामशीष तिवारी ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष विकास प्रितम ने कहा कि भाजपा राष्ट्रीय नेतृत्व एवं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आहवान पर पुरे देश में बुथ स्तर पर हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 10 से 14 अगस्त तक बुथ स्तर पर तिरंगा अभियान चलाया जायेगा, 13 से 15 अगस्त तक तिरंगा फहराया जायेगा। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस मनाया जायेगा। कार्यक्रम के दौरान मौन जुलूस, प्रभावित लोगों को सम्मानित करना है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से गढ़वा जिला प्रभारी बिपीन बिहारी सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रसाद महतो, लातेहार जिला प्रभारी मुकेश निरंजन सिन्हा, विधायक प्रतिनिधि विवेकानंद तिवारी सांसद प्रतिनिधि प्रमोद चौबे भाजपा नेता अरविंद तुफानी बिनय चौबे भाजपा जिला मीडिया प्रभारी रितेश चौबे, रामसरीख चंद्रा, अजय तिवारी सहित अन्य कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

डीसी ने स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का किया औचक निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दिनेश कुमार यादव द्वारा जिले के तीनों सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (बालिका उच्च विद्यालय, रामा साहू +2 उच्च विद्यालय एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय) का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शैक्षणिक गुणवत्ता, संसाधनों का उपयोग, छात्राओं की उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन एवं विद्यालय परिसर की साफ-सफाई सहित अन्य की समीक्षा की गयी।

निरीक्षण की शुरूआत बालिका उच्च विद्यालय, गढ़वा से की गयी, जहां उपायुक्त ने प्रभारी प्राचार्य से शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कंप्यूटर लैब, साइंस लैब व कक्षाओं का अवलोकन किया और स्वयं विद्यार्थियों को एक पाठ पढ़ाकर शिक्षण की गुणवत्ता परखा। साइंस लैब में प्रयोगात्मक गतिविधियों की कमी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु सभी शैक्षणिक गतिविधियां नियमित रूप से संचालित की जायें। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में लापरवाही पाये जाने पर संबंधित पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। इसके उपरांत रामा साहू +2 उच्च विद्यालय का निरीक्षण किया गया। जहां पर विज्ञान प्रयोगशाला का समुचित उपयोग नहीं हो रहा था।

अंत में उपायुक्त ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में यह पाया गया कि झारखंड बालिका विद्यालय, डंडा की छात्राएं भी इस विद्यालय में पढ़ रही हैं, जिससे कक्षाओं में भीड़ की स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने जिला शिक्षा अधीक्षक अनुराग मिंज को निर्देश दिया कि डांडा विद्यालय के अधूरे भवन कार्य को शीघ्र पूर्ण कर छात्राओं को उनके विद्यालय में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए।

गुलाब इंटरनेशनल विद्यालय में गुरुजी को दी गयी श्रद्धांजलि

केतार (आजाद सिपाही)। गुलाब इंटरनेशनल विद्यालय में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद रहे दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार एवं छात्राओं ने दो मिनट का मौन रखकर गुरूजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय के निदेशक शैलेंद्र सिंह छोटन ने कहा कि शिबू सोरेन का झारखंड राज्य के गठन और विकास में अतुलनीय योगदान रहा है। उनकी सेवाओं को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस शोकसभा में विद्यालय, शिक्षकगण, कुणाल गोरीई, रूवान मंडल, सिद्धार्थ सिंह शिक्षिका आस्था सिंह, रिया सिंह, मनीष, अशोक, आशा देवी आदि छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

डंडई में दो दुकानों से डेढ़ लाख के सामान की चोरी

डंडई (आजाद सिपाही)। डंडई प्रखंड क्षेत्र के रारो गांव तथा बेलवाटीकर का है, जहां मंगलवार की देर रात अज्ञात चोरों ने दो दुकानों को निशाना बनाते हुए करीब डेढ़ लाख रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। रारो गांव निवासी अनुप्रिया डिजिटल स्टूडियो के संचालक शशिकांत ठाकुर ने बताया कि बीती रात उनकी दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने लैपटॉप, प्रिंटर, इनवर्टर, बैटरी और पंखा समेत करीब एक लाख रुपये मूल्य के सामान की चोरी कर ली। वहीं, बेलवाटीकर निवासी मां दुर्गा इलेक्ट्रॉनिक एंड टेलीकॉम प्रो. मनीष कुमार साह की दुकान से चोरों ने करीब 50 हजार के सामान पर हाथ साफ कर दिया। मामले में थाना प्रभारी अनिमेष शांतिकारी ने बताया कि प्राप्त आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है और मामले की जांच शुरू कर दी गयी है। उन्होंने कहा कि जल्द ही चोरों को पकड़ लिया जायेगा।

आरके पब्लिक स्कूल के पूर्व छात्र सुधांशु रंजन को जेपीएससी परीक्षा में सफलता पर किया सम्मानित

गढ़वा (आजाद सिपाही)। आरकेवीएस बीएड कॉलेज, गढ़वा के सभागार में आरके पब्लिक स्कूल, गढ़वा के पूर्व छात्र सुधांशु रंजन तिवारी को जेपीएससी 2024 परीक्षा में 162वीं रैंक हासिल करने के उपलक्ष्य में सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में सुधांशु रंजन तिवारी के साथ उनके पिता अरुण तिवारी भी उपस्थित रहे। दोनों को विद्यालय के निदेशक अलखनाथ पांडेय ने शॉल एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर निदेशक श्री पांडेय ने कहा कि आरके पब्लिक स्कूल गढ़वा शिक्षा की गुणवत्ता, अनुशासन और संस्कार के साथ बच्चों के उज्ज्वल भविष्य हेतु समर्पित है। आज सुधांशु की सफलता यह प्रमाणित करती है कि हम सही दिशा में कार्य कर रहे हैं। हमें गर्व है कि हमारे विद्यालय से निकले छात्र आज समाज और देश के लिए मिसाल बन रहे हैं। सुधांशु के पिता अरुण तिवारी ने कहा कि गढ़वा जिले में यदि अनुशासन, संस्कार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बात करें तो आरके पब्लिक स्कूल का कोई मुकाबला नहीं है। गढ़वा जिले में इस स्कूल जैसा अनुशासन, संस्कार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कहीं और नहीं है। यही कारण है कि मेरे बेटे को इस मुकाम तक पहुंचने में स्कूल की भूमिका सर्वोपरि रही है। मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं सभी शिक्षकों का। विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी इस उपलब्धि पर अपने प्रिय छात्र को हृदय से बधाई दी।

निष्ठा, लगन और कर्तव्य के प्रति इमानदारी ही सफलता का मूलमंत्र है : अलखनाथ

आरके ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस का 'एक्टिव लर्निंग' विषय पर तीसरा इनहाउस कार्यशाला संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। आरके ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के तत्वावधान में आगामी शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए शिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु आयोजित इनहाउस कार्यशालाओं की श्रृंखला में तीसरा सत्र बुधवार को आरकेवीएस सभागार, गढ़वा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आरके ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक एवं प्रख्यात शिक्षाविद् अलखनाथ पांडेय ने कहा कि आज शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव की आवश्यकता है। नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति बच्चों के समग्र विकास को बढ़ावा देती है। एक्टिव लर्निंग एक ऐसी पद्धति है, जो छात्रों को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उन्हें सोचने, समझने और स्वयं सीखने के लिए प्रेरित करती है।

इस कार्यशाला में आरके ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अंतर्गत संचालित सभी विद्यालयों - आरके पब्लिक स्कूल गढ़वा, श्री बंशीधर नगर, उंचरी (मंझिआंव) और हूर - के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

बारिश से खपड़ैल का मकान ध्वस्त

श्री बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। नगर ऊंटरी प्रखंड के भोजपुर पंचायत के टिकुलडीहा ग्राम निवासी प्रभु प्रसाद गुप्ता का खपड़ैल मकान वर्षा से जर्जर होकर पूर्ण रूप से ध्वस्त हो गया। घर ध्वस्त होने से घर के अंदर रखे सभी सामग्री घर के अंदर ही दब गया। प्रभु प्रसाद गुप्ता ने बताया कि 5 लाख तक की संपत्ति का नुकसान बरसात में घर गिरने से हो गया और हम बाल-बाल बचे, सभी फैमिली बेघर हो गये। इस संबंध में पंचायत की मुखिया ओमप्रकाश कुमार ने बताया कि आबुआ आवास मे इनका नाम सूचीबद्ध है। लक्ष्य के अनुसार इन्हें सरकारी आवास योजना की लाभ दिया जायेगा। इस संबंध में बीडीओ रौशन कुमार ने बताया कि तत्काल भुक्तभोगी को सहायता प्रदान की जायेगी।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची।

अति अल्पकालिन निविदा सूचना –13/2025–26

1) विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वचछता विभाग, झारखण्ड, रॉची ।
2) विज्ञापन दाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल, रॉची पूर्व रॉची ।
3) परिमाण विपत्र की बिकी की अंतिम तिथि एवं समयः– 18.8.2025 अपराह्न 5 बजे तक।
4) निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 19.8.2025 अपराहन 3:30 बजे तक।
5) निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 19.8.2025 अपराह्न 4 बजे।
6) परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थानः– 1) कार्यपालक अभियंता, का कार्यालय,पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रॉची पूर्व, रॉची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता, राँची अंचल, राँची।
7) निविदा प्राप्ति का स्थान :– 1) कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व, राँची।
8) कार्य विवरणी :–

क्र0	कार्य का नाम	प्रा० राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रु० में)	परिमाण वि० का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Seepage repair and Renovation , improvement of water suplly and sewarage with changing of all fittings at MLA residence Room no 203,204 and 205 at Old Vidhansabha campus dhurwa Under D. W. & S. Division Ranchi East, Ranchi.	685056.00	13800.00	1250.00	15 Days
2	Seepage repair and Renovation of toilet and bathroom , improvement of water suplly and sewarage with changing of all fittings at police barreck of Gents situated near the pump house inside the campus of Jharkhand New Vidhansabha Kute dhurwa Under D. W. & S. Division Ranchi East, Ranchi.	1151890.00	23100.00	2500.00	1 Months
3	Provision of water supply by construction of 1Nos. HYDT with Installation 1Nos of 2.00 H. P. Submersible Pump Motor and necessary water supply pipe line, & Its allied works pipe line, valve chamber etc at Jharkhand Government Press Doranda, Ranchi D. W. & S. Division, Ranchi East, Ranchi.	890999.00	17900.00	1250.00	15 Days
4	Repairing/Renovation of sewer line, construction of inspection chamber and cleaning of sewer line and its allied works at different locations of High court pool quarters situated at Hinoo, Doranda and behind Indira palace Ranchi under D.W. & S. Division, Ranchi East, Ranchi.	831426.00	16700.00	1250.00	15 Days
5	Imorovement of water supply and outer misc. works at staff quarter NO. 04 (Near A.G More) Doranda Under D. W. & S. Division, Ranchi East, Ranchi.	1038964.00	20800.00	2500.00	30 Days
6	Seepage repair and Renovation , improvement of water supply and sewarage work with changing of all fittings at Quarter no. ,A-4 13 set pucca doranda ,B-39 Block-7 , near seth sitaram school C-23 Block-4 , Behind Indira palace and Other High court quarters Under D. W. & S. Division Ranchi East,Ranchi.	835823.00	16800.00	1250.00	15 Days
7	Seepage repair and Renovation of girls toilet situated at ground floor, first floor, second floor , supplying of overhead water tank and Improvement of W/S and sanitary fittings & Sewerage Work at state library, Ranchi Under D. W. & S. Division Ranchi East, Ranchi.	1670241.00	33500.00	5000.00	30 Days
8	Overhauling of 2000 LPH Iron and Turbidity Removal filtration plant with multiple valve, & necessary water supply pipe line and its allied work at Quarter no.-9/19 and Other Officers Quarter Doranda Ranchi under D.W. & S. Division, Ranchi East Ranchi.	903656.00	18100.00	1250.00	15 Days

आवश्यक शर्तो के लिए देखें www.jharkhand.gov.in
Email ID- eedwsd.ranchieast@gmail.com
PR.NO.358981 Drinking Water and Sanitation(25-26):D

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्व० प्र० रॉची पूर्व रॉची ।

मानकों के अनुरूप अल्ट्रासाउंड सेवाएं न होना जन-स्वास्थ्य के लिए खतरनाक : एसडीएम

‘कॉफी विद एसडीएम’ में अल्ट्रासाउंड केंद्र संचालकों के साथ हुआ संवाद

सिविल सर्जन ने सभी केंद्र संचालकों को नियम पालन करने का निर्देश दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। बुधवार को सदर एसडीएम संजय कुमार के नियमित संवाद कार्यक्रम ‘कॉफी विद एसडीएम’ में अनुमंडल क्षेत्र के लगभग दो दर्जन अल्ट्रासाउंड केंद्र संचालकों के साथ अनौपचारिक संवाद किया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. जॉन एफ कैनेडी भी उपस्थित रहे। सिविल सर्जन ने सभी केंद्र संचालकों को स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिया कि सभी लोग अल्ट्रासाउंड संचालन के लिए निर्धारित नियमों का कठोरता से पालन करेंगे। उल्लंघन की स्थिति में कार्रवाई तय है।

कार्यक्रम के दौरान अल्ट्रासाउंड केंद्र संचालकों से उनकी व्यावहारिक समस्याओं की जानकारी ली गयी तथा प्रशासन की अपेक्षाओं से उन्हें अवगत कराया गया।

एसडीएम संजय कुमार ने पीसीपीएनडीटी अधिनियम का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। दोनों अधिकारियों ने यह स्पष्ट किया कि बिना योग्य चिकित्सक कोई भी अल्ट्रासाउंड जांच नहीं की जायेगी, क्योंकि यह आमजन के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ प्रत्यक्ष विषय है इसमें खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं होगा।

यथासंभव चिकित्सक के परामर्श पर ही करें अल्ट्रासाउंड : सिविल सर्जन डॉक्टर जॉन एफ कैनेडी ने सभी केंद्र संचालकों से कहा कि वे सेल्फ या मौखिक अनुरोध पर किसी मरीज का अल्ट्रासाउंड करने से बचें, विशेष कर गर्भवती महिलाओं के मामले में तो चिकित्सीय परामर्श पर्चे के बाद ही अल्ट्रासाउंड करें।

रजिस्टर और फॉर्म एफ का नियमित संधारण करें : एसडीएम तथा सिविल सर्जन ने उपस्थित सभी सदस्यों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने अल्ट्रासाउंड केंद्र में आये मरीजों की विवरणी का समुचित संधारण करें, गर्भवती महिलाओं से संबंधित अल्ट्रासाउंड के लिए निर्धारित फार्म एफ का प्रेषण भी समय-समय पर सिविल सर्जन कार्यालय को करते रहें।

एक डॉक्टर दो केंद्रों से ज्यादा में सेवायें न दें : सिविल सर्जन ने कहा कि नियमानुसार एक चिकित्सक को अधिक से अधिक दो केंद्रों में अपनी अल्ट्रासाउंड संबंधी सेवाएं देनी चाहिए किंतु धरातल में इसका अनुपालन नहीं हो पा रहा है और कई बार तो देखने में आ रहा है कि एक-एक डॉक्टर कई अल्ट्रासाउंड केंद्रों में अपना नाम दिए हुए हैं। और तो और अन्य जिलों में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं, ऐसा मामला सामने आने पर ऐसे लोगों पर कार्रवाई की जा सकती है।

लिंग परीक्षण नहीं करने की शपथ ली गयी : कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने शपथ ली कि वे समाज हित में किसी भी गर्भवती महिला के भ्रूण का लिंग परीक्षण नहीं करेंगे न ही ऐसी जानकारी देंगे। उक्त के संदर्भ में सिविल सर्जन ने सभी को सामूहिक शपथ दिलवायी।

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 07 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in

अर्जुन मुंडा ने बाबा आम्रेश्वर धाम में की पूजा-अर्चना

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। पूर्व केंद्रीय मंत्री और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने बुधवार को अपनी धर्मपत्नी मीरा मुंडा के साथ जिले के प्रसिद्ध बाबा आमरेश्वर धाम, अंगराबारी में पूजा-अर्चना की। दोनों ने विधि विधान से भगवान भोलनाथ की पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मौके बाबा आमरेश्वर धाम प्रबंध समिति के महामंत्री मनोज कुमार और अन्य पदाधिकारियों ने अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर अर्जुन मुंडा और उनकी धर्मपत्नी का स्वागत किया। पूजा के बाद अर्जुन मुंडा ने कहा कि बाबा आमरेश्वर धाम का धार्मिक महत्ता अपार है। यहां आकर आत्मिक शांति का अनुभव होता है। उन्होंने राज्यवासियों के कल्याण और विकास के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान मंदिर परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये थे। मंदिर समिति के सदस्यों ने पूजा संपन्न कराई और उन्हें प्रसाद भी भेंट किया। मौके पर अनूप साहू, संतोष जायसवाल, आनंद राम सहित काफी संख्या में भाजपा समर्थक और प्रबंध समिति के सदस्य उपस्थित थे।

डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में मनाया गया रक्षाबंधन का त्योहार

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में मंगलवार को सीआईएसएफ जवानों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम सीआईएसएफ के जवानों का तिलक लगाकर एंव मंत्रोच्चारण के साथ स्वागत किया गया। स्कूल की प्राचार्या डॉ आर चौधरी ने सीआईएसएफ इंस्पेक्टर सुमन तिवारी को प्राकृतिक पौधा प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर सीआईएसएफ जवानों के द्वारा सभी बच्चों के बीच चॉकलेट बांटी गयी। इस अवसर पर स्कूल के सभी शिक्षक व बच्चे मौजूद थे।

मोहन नगर में शिबू सोरेन को दी गयी श्रद्धांजलि

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी मोहन नगर चौक मे बुधवार को स्व दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी गयी। मौके पर ग्रामीण, समाज सेवी एवं जनप्रतिनिधियों ने शिबू सोरेन की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वहीं वक्ताओं ने बारी बारी से स्व सोरेन की जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन एवं राजनीतिक संघर्षों के बारे में बताया। सभी ने उनकी आत्मा की शांति के लिए मौन रखा। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से कृष्ण चौहान (मुखिया जी), राम बली चौहान, रमेश चौहान, बूटन चौहान, सुधीर कुमार चौहान, रविंद्र चौहान, सतीश चौहान, दीपक चौहान, सूरज चौहान, नसीब चौहान, पंकज कुमार, विक्की कुमार, कुंदन चौहान सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

एससी-एसटी-ओबीसी एकता मंच ने गुरुजी को दी श्रद्धांजलि

खलारी (आजाद सिपाही)। एससी एसटी ओबीसी एकता मंच डकरा के द्वारा अंबेडकर पार्क डकरा में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। शिबू सोरेन की तस्वीर पर माल्यार्पण कर एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी, साथ ही उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। वक्ताओ ने कहा कि शिबू सोरेन ने झारखंड अलग राज्य दिलाने में अहम भूमिका निभायी। उनके निधन से झारखंड को अपूरणीय क्षति हुई है। इस शोकसभा में देवपाल मुंडा, अमृत भोगता, कमल मुंडा, राम लखन गंझू, प्रभाकर गंझू, अनीता एक्का, बिरजू लोहार, रामेश्वर शर्मा, राम परीखा राम, बालमुकुंद पांडेय, रमेश गंझू, रमेश तुरी, कन्हाई पासी, अशर्फी राम, आनंद तुरी, जगदीश गंझू एवं अमर लाल सतनामी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सांसद और विधायक की पहल पर पिपरवार के आठ जगहों पर बनेगा पुल

रांची से आयी टीम ने स्थल का निरीक्षण कर किया सर्वे का कार्य

आजाद सिपाही संवाददाता

पुल बनाने को लेकर सर्वे करती रांची से आयी टीम।

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के किचटो और बचरा उतरी पंचायत के कुल आठ जगहों के नाला पर हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल और बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी के पहल पर पुल का निर्माण कराया जायेगा। चतरा जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट डीएमएफटी फंड से उक्त पुल का निर्माण कराया जायेगा। जिसको लेकर मंगलवार को रांची से आयी टीम के द्वारा सभी नदी नालों के स्थल का निरीक्षण कर सर्वे का कार्य किया गया। जानकारी के अनुसार किचटो पंचायत और बचरा उतरी पंचायत के ग्रामीणों ने विभिन नालों में पुल निर्माण को लेकर बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी से मुलाकात का समस्या से अवगत कराया था। ग्रामीणों ने किचटो पंचायत के बड़कीटांड़ नाला, पैंसराटांड़ नाला, करमटांड़ नाला, हफुआ के सताकि नाला, तरवां के सरोना नाला, बचरा उतरी पंचायत के हठुआदाह नाला, पारटांड़ नाला, हेमनदाग नाला में बाढ आने से आवागमन बंद होने की जानकारी दी थी, जिसे गंभीरता से लेते हुए विधायक रोशनलाल चौधरी ने चतरा जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की बैठक में उक्त सभी पुल का प्रताव पारित कराया। इसके बाद पुल बनाने के लिए टीम के द्वारा सर्वे का कार्य किया गया। इधर सर्वे कराने के बाद ग्रामीणों में काफी खुशी देखी गयी और सभी ने सांसद मनीष जायसवाल और विधायक रौशनलाल चौधरी के प्रति आभार प्रकट किया है। सर्वे टीम के साथ सहयोग करने वालो में मुख्य रूप से पिपरवार सासंद प्रतिनिधि लक्ष्मण मंडल, मोहन कुमार, अर्जुन महतो, आदेश महतो, किचटो मुखिया प्रतिनिधि अंगद महतो, पंसस प्रतिनिधि कीर्तन महतो, मणिलाल महतो सहित अन्य लोगों की सराहनीय भूमिका रही।

राणाडीह गांव में डायरिया से एक की मौत, तीन पीड़ित

आजाद सिपाही संवाददाता

सोनाहातू। प्रखंड के हेसाडीह पंचायत अंतर्गत राणाडीह गांव में डायरिया बीमारी से एक महिला सोमवारी देवी 75 वर्षीय की मौत हो गयी। पीड़िता की इलाज मिलन चौक के निजी अस्पताल में चल रही थी। डायरिया से गांव में दर्जनों लोग पीड़ित हैं। ग्रामीणों ने चिकित्सा प्रभारी डॉ जयराम शर्मा को गांव में डायरिया बीमारी का प्रकोप होने की सूचना दिया। सूचना मिलते ही चिकित्सा प्रभारी डॉ जयराम शर्मा के निर्देश पर चिकित्सा टीम गांव पहुंची। जिसमें डायरिया से पीड़ित राजेंद्र महतो 18 वर्षीय, श्रीमती देवी 55 वर्षीय, कल्पना देवी 23 वर्षीय आदि लोग शामिल हैं। गांव में पीड़ित लोगों के ईलाज के लिए चिकित्सक टीम में डॉ शोभा कुमारी, डॉ शांति, एएनएम बसंती टोप्पो, एमपीडब्ल्यू गुरूचरण गोंझू समेत स्वास्थ्य सहिया आदि ने गांव जाकर उपचार किया। शिविर लगाकर गांव के हर घर परिवार के बीच दवा का वितरण किया गया। चिकित्सकों की टीम ने बताया कि दूषित पानी पीने से लोग डायरिया बीमारी के प्रकोप में आये हैं। गांव में बीमारी को नियंत्रण में लाया गया है, हर परिवार को दवा दे दी गयी है। गांव में हमेशा निगरानी में रखी गयी है। हालांकि डायरिया से पीड़ित कुछ लोगों ने निजी अस्पताल माधुरी नर्सिंग होम मिलन चौक में भी इलाज कराया है। जिसमें रमनी देवी 35 वर्षीय, बुधनी देवी 65 वर्षीय, रायमनी देवी 35 वर्षीय, फुलकेश्वर महतो 32 वर्षीय शामिल हैं। राणाडीह गांव में डायरिया बीमारी के प्रकोप से लोग चिंतित हैं। इधर चिकित्सा प्रभारी डॉ जयराम शर्मा का कहना है कि चिकित्सकों की टीम ने गांव जाकर बीमारी से पीड़ित लोगों का इलाज के साथ-साथ दवा दी जा रही है। गांव में चिकित्सक टीम कैंप कर रही है।

सारजमडीह हजाम टोली में डायरिया से कई पीड़ित

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड़ प्रखंड के सारजमडीह हजाम टोली में दो तीन दिनों से डायरिया का प्रकोप बढ़ गया है। गांव के संजु प्रमाणिक 12 को रांची ले जाया गया है। वहीं भुमिका प्रमाणिक 22 का इलाज बुंडू के एक निजी अस्पताल में भर्ती चल रहा है। गांव के अमर प्रमाणिक की पत्नी स्व. कमलाकांत प्रमाणिक की पत्नी का इलाज चल रहा है। एक दो लोगों का इलाज गांव में ही किया जा रहा है। समाजसेवी नीतीश पांडे ने बुधवार को तमाड़ बीडीओ से बात कर चिकित्सा का दल भेजने की मांग की है।

खूंटी क्लब में शिबू सोरेन को दी गयी श्रद्धांजलि

झारखंड अलग राज्य के निर्माण में गुरुजी के भूमिका को कभी भुलाया नहीं जा सकता : रंजीत और राजकुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। झारखंड निर्माण और सामाजिक न्याय के नायक पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देने व शोक व्यक्त करने वालों का सिलसिला तीसरे दिन भी जारी रहा। उसी कड़ी में बुधवार को शहर के खूंटी क्लब में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर बड़ी संख्या में सदस्यों ने गुरुजी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। क्लब अध्यक्ष रंजीत प्रसाद की अध्यक्षता एवं उपाध्यक्ष राजकुमार गुप्ता के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में कहा गया कि झारखंड अलग राज्य के निर्माण में उनकी भूमिका को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर अध्यक्ष रंजीत प्रसाद, उपाध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, पूर्व सचिव प्रदीप भगत, कृष्णचंद्र मिश्र, श्याम किशोर भगत, किशोर साहू, प्रदीप पांडेय, मनान अंसारी, राजू गुप्ता, सुदामा साहू, सतीश गुप्ता, प्रेम तिवारी, मनोज लाल, अशोक गुप्ता, अरूण महतो आदि उपस्थित थे।

न्यू उदयन पब्लिक स्कूल में शोकसभा

श्रद्धांजलि सह शोकसभा में मौजूद शिक्षक और बच्चे।

शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देते पुलिस पदाधिकारी और जवान।

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के न्यू उदयन पब्लिक स्कूल कल्याणपुर में मंगलवार को श्रद्धांजलि सह शोकसभा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक प्रकट किया गया। पिपरवार थाना प्रभारी अभय कुमार भी शामिल होकर गुरु जी को श्रद्धांजलि दी। पिपरवार थाना प्रभारी अभय कुमार ने कहा कि दिशोम गुरू शिबू सोरेन ने झारखंड राज्य को अलग करने के लिए बड़ा योगदान है। इस मौके पर थाना प्रभारी अभय कुमार, रेहाना प्रवीण, मो शाहिल, अब्दुल अंसारी, गौरव कुमार सहित स्कूल के सभी शिक्षक और बच्चे मौजूद थे।

मैं ये पीड़ा कैसे भुला पाऊंगा सर: स्वरूप भट्टाचार्य

आजाद सिपाही संवाददाता

तमाड़। पिछले दिनों मेरे गुरु व आजाद सिपाही के प्रधान संपादक हरिनारायण सिंह हमलोगों को छोड़कर परलोक चले गये। इतनी जल्दी भी क्या थी सर जी जो बिना कुछ कहे सुने ही चले गये। आपसे और बहुत कुछ सिखना बाकी था। पत्रकारिता के बारे में आप ही से सिखा था सर। आपके जाने के बाद कुछ मन ही नहीं कर रहा है। मन उदास और कुंठित भाव से एक किनारे पड़ी है सर, मैं ये पीड़ा कैसे भुला पाऊंगा। आपके रहने से मेरे कलम को एक अलग ताकत मिलती थी, जिस ताकत के बल पर लेखनी से कई पराक्रम को झेला है और उसमें जीत हासिल हुई थी। आपके साथ बिताये हर पल की याद हमारे आंखों के सामने बराबर आ रहे हैं। आपके साथ हमारा अखबार आजाद सिपाही पुरी ताकत के साथ आगे बढ़ रहा था कि आप बिना कहे बिना बताये चले गये। आपने अपने दिल की बातों को हर समय शेयर करते थे अब कौन करेगा। आप हमारे दिलों में हमेशा-हमेशा एक अदृश्य शक्ति के रूप में ताकत देते रहेंगे।

एक दिन दो साल पहले ठंडे मौसम में सुबह-सुबह आप टाटा जा रहे थे। उसी समय तमाड़ के एक होटल में बैठकर चाय पी रहे थे कि आपने हमें फोन किया, कहां हो मैं बोला तमाड़ में, हम भी तो तमाड़ के फलना होटल में बैठे हैं। बहुत बोलते हो, इस होटल में कहां आजाद सिपाही अखबार है, सर मैं तुरंत आता हूं, मेरे मन में डर के भाव थे कि अखबार नहीं मिलने से आज तो सामंत आ जायेगी। मैं तुरंत आकर उनसे बात किया। सर ने कहा, चाय पी लो, फिर बोले अखबार कहां, मैं तुरंत होटल मालिक को बुलाया और कहा, आज का अखबार कहां है। सर को पहचानते हो, यही हैं आजाद सिपाही अखबार के प्रधान संपादक। फिर होटल में अखबार की खोज शुरू की गयी, तो एक ड्राइवर अखबार पढ़ रहा था। मैं तुरंत अखबार लाकर सर को दिया। वे बहुत संतुष्ट हुए और कहने लगे, लगे रहो और हमें भी साथ लेकर जमशेदपुर चले गये। अब ये यादें, यादें बनकर रह जायेंगी।

मैं किसे बताऊं, एक बार कुछ अड़की के शिक्षक मेरे एक प्रकाशित खबर की शिकायत लेकर आजाद सिपाही के मेन ब्रांच कोकर रांची दफ्तर में पहुंच कर सर से शिकायत कर रहे थे कि यह खबर (अड़की के विद्यालय में फर्जी शिक्षक पढ़ा रहे हैं) गलत छपा है। सर ने हमें फोन किया किया कि कोई खबर छापे हो, उस समय शिक्षक वहीं बैठे हुए थे। सर को मैं कहा कि सर मैं तुरंत रांची पहुंच रहा हूं। शिक्षकों को बैठा के रखें, मैं एक घंटे में पहुंच गया। सारे कागजात दिखाया। सर बोले उस स्कूल में जाकर एपीसोड छापों पुरी जांच हुई, शिक्षकों की नौकरी चली गयी। ऐसे थे हमारे अभिभावक गुरुजी हरिनारायण सिंह जी। आजादी सिपाही अखबार के सफर में आज तक सर ऊंचा उठा कर ही लेखनी किये हैं और करते रहेंगे। सर आपने जो बीज छोड़ कर चले गये हैं वह निरंतर आगे बढ़ता रहेगा, यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सर तमाड़ की वो मछली जन्मों जन्मांतर तक याद हमारे दिलों में हमेशा-हमेशा रहेगी। मैं सर आपका एक फोटो मेरे टेबल में मढाकर रखा हूं, जिसे देखकर आंखों से आंसु बहाते हुए लिखा हूं। आपके जैसे हर दिल अजीज लोग कम मिलते हैं, लेकिन सर आप हमारे दिलों में हर समय रहेंगे।

पत्रकार मुजफ्फर हुसैन को दी गयी श्रद्धांजलि

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिले के वरिष्ठ पत्रकार मुजफ्फर हुसैन प्रिंस के असामयिक निधन पर बुधवार को सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, खूंटी में शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में मुख्य रूप से जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, सैयद राशिद अख्तर, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार और कार्यालय के अन्य कर्मी उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की एवं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मुजफ्फर हुसैन प्रिंस ने अपना समस्त जीवन पत्रकारिता, सामाजिक सरोकारों एवं जनहित के लिए समर्पित किया। उनके निधन से पत्रकारिता जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। शोक सभा के उपरांत उपस्थित लोगों ने मुजफ्फर हुसैन 'प्रिंस' के परिजनों से भेंट कर उन्हें सांत्वना दी।

नटराज कला केंद्र चोगा के कलाकारों ने थाइलैंड में छऊ नृत्य की प्रस्तुति से लहराया परचम

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। सरायकेला-खरसावां जिला के ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के नटराज कला केंद्र चोगा के छऊ कलाकार प्रभात कुमार महतो के नेतृत्व में थाईलैंड के लिए रवाना हुए थे। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में 1 से 6 अगस्त तक आयोजित इंटरनेशनल मास्क कार्निवल 2025 में छऊ नृत्य का अपना परचम लहराया। दल में प्रभात कुमार महतो, सुचांद महतो, जगदीश चंद्र महतो, जयराम महतो, सीताराम महतो, अजीत कुमार महतो गणेश चंद्र महतो, मंटू महतो एवं जटल कालिंदी शामिल है।

हर घर तिरंगा को लेकर बीजेपी की बैठक

मुरी (आजाद सिपाही)। बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रधान कार्यालय में कार्यशाला रखा गया। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि रांची जिला ग्रामीण उपाध्यक्ष मनोज चौधरी उपस्थित हुए। कार्यशाला का अध्यक्षता सिल्ली मंडल अध्यक्ष अंबुज रजक ने की। 12 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा यात्रा के विषय में विचार विमर्श किया गया। इस बैठक की उपस्थिति में उन्होंने हर घर तिरंगा यात्रा के माध्यम से सभी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित किए। इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री हरिहर महतो, ललित प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद साईं, कंचन सोनार, शिबू हजाम, राजेंद्र हजाम बसंत, सुंडी हरे राम लोहार, कृष्णा रविदास, राम चरण बेदिया, करण महतो, श्रीपद महली आदि उपस्थित हुए।

जाड़ेया मोड़ में शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा का कल होगा अनावरण

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। आठ अगस्त को शहीद निर्मल महतो का पुण्यतिथि के अवसर पर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के द्वारा सोनाहातू के जाडेया मोड़ में शहीद निर्मल महतो के आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो जी के द्वारा शुक्रवार को अनावरण किया जाएगा।संगठन के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो के नेतृत्व में झारखंड मेला मैदान सोनाहातू से बाइक रैली निकाला जाएगा। शहीद निर्मल महतो के आदमकद विधिवत अनावरण के बाद टाइगर जयराम महतो श्रद्धांजलि सभा को संबोधन करेंगे।संगठन रांची जिला अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए कहा कि कार्यक्रम की संपूर्ण तैयारी संपन्न कर लिया गया है।

नवनियुक्त रांची रेल मंडल प्रबंधक करुणा निधि सिंह का पदभार ग्रहण करने पर स्वागत

मुरी (आजाद सिपाही)। दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस, रांची मंडल के एक प्रतिनिधि मंडल अपने सक्रिय सदस्यों एवं पदाधिकारियों के साथ 6 अगस्त 2025 को नवनियुक्त मंडल रेल प्रबंधक रांची रेल मंडल करुणा निधि सिंह के पदभार ग्रहण करने पर गर्मजोशी के साथ झारखंड के राजधानी भगवान बिरसा मुंडा की धरती पर स्वागत किया गया। पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र से सम्मानपूर्वक अभिनंदन करते हुए संगठन के और से कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने एवं उचित सुविधा प्रदान करने की बाते रखी गयी। इस मौके पर दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस की ओर से प्रतिनिधि नित्यलाल कुमार, मनोज कुमार राय, नील कुसुम खलखो, पीए कुजूर, बरिया कच्छप, प्रियदर्शी तिवारी, सच्चिदानंद शर्मा, बैद्यनाथ मंडल, दिनेश, धनंजय, रूस्तम, धर्मेद्र, मुनील, विजय, रूपक के साथ अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सितु बाजार में कीचड़ और जल जमाव से ग्राहक परेशान

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के सितु मिलन चौक में बुधवार और शनिवार को लगने वाली सप्ताहिक बाजार कीचड़ और जल जमाव से ग्राहक परेशान है। विगत डेढ़ माह से रुक-रुक कर हो रही बारिश से बाजार परिसर में पानी भर गया है, जिससे जगह-जगह जल जमाव हो गया है और कीचड़ में तब्दील हो गया है। वहीं ग्राहक निमाई चंद्र महतो ने बताया कि इस क्षेत्र में बुधवार और शनिवार को लगने वाली हाट में कीचड़ और जल जमाव होने के कारण बाजार में खरीदारी करने के लिए काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जनप्रतिनिधि से मांग किया है कि बाजार परिसर में मिट्टी मुरुम डाला जाये। उन्होंने कहा कि यदि गंदगी को हटाया नहीं जायेगा, तो बीमारी फैलने में देर नहीं लगेगी।

डॉन बॉस्को एकेडमी में 30 को रक्तदान शिविर

मैक्लुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। रांची के सदर अस्पताल में इलाजरत थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के सहायतार्थ सिविल सोसायटी खलारी-डकरा का 27वां रक्तदान शिविर 30 अगस्त शनिवार को डॉन बॉस्को एकेडमी मैक्लुस्कीगंज में लगाया जायेगा। इसको लेकर एकेडमी के सहायक प्राचार्य जोशी टीडी के साथ बुधवार को सिविल सोसायटी सदस्यों की एक बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से शिविर 30 अगस्त को आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस शिविर में विद्यालय परिवार के साथ-साथ आसपास के प्रबुद्ध नागरिक, हॉस्टल प्रबंधन एवं विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले लोग भी शामिल होंगे। बैठक में केपी मोहंती, भोला साहू, चंदन कुमार, राजीव चटर्जी, कमलेश प्रसाद, प्रवीण, सुनील, अवधेश, कुलदीप, भरत, डब्लू आदि मौजूद थे।

त्रिपक्षीय बैठक में भाड़ा बढ़ोतरी पर बनी सहमति

खलारी (आजाद सिपाही)। चूरी में रैयत विस्थापित ग्रामीण, ट्रक मालिक और कोयला लिफ्टरो के बीच भाड़ा बढ़ोतरी को लेकर त्रिपक्षीय बैठक नागेश्वर महतो की अध्यक्षता में हुई। जिसका संचालन सुनील सिंह ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से भाड़ा बढ़ाने के साथ कई जगह का भाड़ा तय किया गया। बैठक में निर्णय के अनुसार चिंतपूर्णी, गोला, हजारीबाग का 1100, बालीडीह का 1300, गिरिडीह 1500, भुरकुंडा 950, बड़बिल 1800, टाटा 1350 और रामगढ़ का 1000 रुपया प्रति टन भाड़ा निर्धारित किया गया। नया कोयला बिडिंग से इस रेट पर भाड़ा देने पर सहमति बनी। बैठक में नागेश्वर महतो, सुनील सिंह, सोनू पांडे, अशोक महतो, मनोज महतो, राजा खान, राजेश महतो, विकास दुबे, गौतम सिंह, आदित्य कुमार, जुबेर अंसारी, विकेश सिंह विक्की, रणविजय सिंह, पप्पू यादव, अजय सिंह, गुड्डू सिंह, सचिन बनर्जी, एजाजुल अंसारी, अजय सिंह, सुनील गिरी, भोला सहित कई लोग मौजूद थे।

बचपन प्ले स्कूल में लगा आधार शिविर

नामकुम (आजाद सिपाही)। रांची के हरमू हाउसिंग कॉलोनी स्थित बचपन प्ले स्कूल में बुधवार को चार साल से कम उम्र के बच्चों का आधार पंजीयन कराने के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इसे लेकर अभिभावकों में काफी उत्साह देखा गया। शिविर का मुख्य आकर्षण आवश्यक दस्तावेजों और इसकी प्रक्रिया के लिए माता-पिता को जागरूक करना था। वहीं, शिविर में लगभग 10 अभिभावकों को वापस जाना पड़ा। क्योंकि उनके पास जन्म पंजीकरण संख्या नहीं था। इस दौरान पूरे शिविर में कुल 15 बच्चों का आधार पंजीयन किया गया। उक्त जानकारी संस्थान के निदेशक अनुपम श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने सभी के आधार को अपडेट कराने की अपील की।

रातू के धनई सोसो के एक घर में लूटपाट का हुआ उद्भेदन

लूट के आभूषण और देसी कट्टा के साथ दो गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के चटकपुर स्थित नवासोसो बाजार टांड में अपराधियों ने रबिता देवी नामक महिला के घर में लूटपाट की थी। महिला के घर से अपराधियों ने दो चांदी का सिक्का, एक जोड़ा चांदी के पायल, चांदी का एक बजरंगबली का लॉकेट, एक सोने का मंगटीका, एक जोड़ा सोने का कान की झाली एवं एक जोड़ा सोने का कान का टॉप्स लूटकर फरार हो गये। घटना मंगलवार की रात 12.15 बजे की बताई जा रही है। उधर, लूटपाट की सूचना किसी ने पुलिस को दी। वरीय पुलिस के निर्देश पर पीसीआर 29 की टीम को घटना स्थल पर पहुंचने के निर्देश मिला। जिसके पुलिस बल की एक टीम का गठन किया गया। डीएसपी अरविंद कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से लूटपाट कर भाग रहे एक अपराधी को दबोच लिया। जबकि दूसरा अपराधी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया। पकड़े गये अपराधी की पहचान अभिषेक कुमार महतो (22) के रूप में हुई है। वह रातू थाना क्षेत्र के झिरी कमड़े का रहने वाला है। वहीं, अभिषेक के पूछताछ के बाद फरार अपराधी आशिष गाड़ी को भी पकड़ लिया गया। वह भी झिरी कमड़े का ही रहने वाला है। पुलिस ने दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस गिरफ्त में आये अपराधी के पास से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस के साथ ही स्कूटी भी बरामद की गयी है। इसके अलावा लोहे का एक शाबल भी जब्त किया गया। आरोपी अभिषेख के निशानदेही पर पकड़े गये आशीष गाड़ी के घर से लूट के आभूषण भी बरामद कर लिया गया है।

पकड़े गये अपराधियों की जानकारी देती पुलिस।

अभिषेक का रहा है आपराधिक इतिहास

पुलिस की मानें तो अभिषेक कुमार महतो के खिलाफ रातू थाने में विभिन्न धाराओं के तहत कई आपराधिक मामले दर्ज है। उधर, छापामारी दल में डीएसपी 2 अरविन्द कुमार, रातू थाना प्रभारी रामनारायण सिंह, पुअनि अनुरंजन कुमार, नवीन शर्मा, महेश प्रसाद कुशवाहा, सअनि सुधीर कुमार, श्यामल कुमार पीसीआर 29, साआ 374 देवराज राम आदि शामिल थे।

झारखंड आंदोलनकारियों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड मुख्यालय स्थित पुराने प्रखंड कार्यालय परिसर में बुधवार को झारखंड आंदोलकारी संघर्ष मोर्चा ने की ओर से श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गयी। जिसमें दिशोम गुरु शिबू सोरेन की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी। शोक सभा में गुरुजी के आदर्श पर चलने और उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। वहीं झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा के अध्यक्ष जुगेश उरांव ने कहा कि राज्य ने एक महान नेता खो दिया। वह हम सभी के मार्गदर्शक थे। उनके निधन से झारखंड को अपूर्णीय क्षति हुई है। उन्होंने जल, जंगल, जमीन एवं जनजातीय अस्मिता को लेकर आजीवन संघर्ष किया। उनकी राजनीतिक यात्रा और सामाजिक योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। महामंत्री धनंजय कुमार राय ने कहा कि गुरुजी का चला जाना राज्य ही नहीं, देश के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का पूरा जीवन आदिवासियों, गरीबों, दलितों एवं कमजोर वर्ग के लोगों के जीवन स्तर को बढ़ाने और उसे शिक्षित करने से जुड़ा है। ऐसे कमजोर वर्ग के लोगों को शिक्षा से जोड़ने के साथ ही उनके हक एवं अधिकार के लिए लड़ते रहे। यहां के लोगों को मिले अलग राज्य भी गुरुजी के संघर्षों से ही मिला है। सचिव शाहिन्द्र लकड़ा ने कहा क शिबू सोरेन के निधन पर पूरा झारखंड शोक में है। उनका संघर्षपूर्ण राजनीतिक सफर, आदिवासी समाज के उत्थान के प्रति उनका समर्पण और जनसेवा के प्रति उनकी निष्ठा आज भी प्रेरणा का स्रोत है। इस मौके पर करमा उरांव, सुका उरांव, मनोज भगत, पीटर तिर्की, प्रदीप कुमार, प्रशांत कच्छप, सुनील तिग्गा, बुदु उरांव, बंधना उरांव, सुकरा, हिंदू उरांव, उरांव, जयराम कच्छप, प्रदीप कुमार, मुन्ना बड़ाइक देवनिश तिग्गा, गुजरी उरांव, नितेश लकड़ा, समुएल केरकेट्टा, गुलाम मुस्तफा चिश्ती सहित दर्जनों आंदोलनकारी मौजूद थे।

झारखंड के मसीहा थे दिशोम गुरु शिबू सोरेन: बैजनाथ पांडे

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। प्रखंड के यूनिवर्सल पब्लिक स्कूल डडिया में दिशोम गुरु स्व शिबू सोरेन के निधन पर शोकसभा आयोजित कर श्रद्धांजलि दी गयी। विद्यालय के निदेशक बैजनाथ कुमार पांडे ने उनके जीवन पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन न केवल झामुमो और आदिवासियों के ही नेता नहीं, बल्कि झारखंड

के मसीहा थे। इन्हीं की बदौलत आज महाजनी कुप्रथा खत्म हुआ। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं सहित दर्जनों बच्चे शामिल थे। इसके बाद विद्यालय में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इससे बच्चों में उत्साह का माहौल था। विजेता 10 बच्चों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय परिवार की सराहनीय भूमिका रही।

भाजपा 10 से 14 अगस्त तक निकालेगी हर घर तिरंगा यात्रा

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। भाजपा की ओर से रांची जिले के सभी मंडलों में 10 से 14 अगस्त तक तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इसे लेकर बुधवार को जोन्हा में भाजपा कार्यकर्ताओं की तैयारी बैठक हुई। जिसमें भाजपा के जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान एवं तिरंगा यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वसंत साहू ने किया। बताया गया कि 10 से 14 अगस्त तक जोन्हा सहित जिले के सभी मंडलों में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इस मौके पर लालू उरांव, बाबूलाल बड़ाइक, रामदयाल बेदिया, भानू भोक्ता, महेंद्र महतो, मानकी जगन्नाथ शाही मुंडा, बुधराम बेदिया आदि उपस्थित थे।

बीएसएफ 26 वीं वाहिनी का अंतर-वाहिनी कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। बीएसएफ 26वीं वाहिनी का रांची परिसर में बुधवार को अंतर-वाहिनी कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इसका उद्घाटन कमांडेंट राजीव भट्ट ने किया। इस अवसर पर 26वीं वाहिनी के सभी अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे। प्रतियोगिता में क्षेत्रीय मुख्यालय (स्पेशल ऑप्स), गया के अंतर्गत आने वाली 32वीं वाहिनी (लातेहार), 16वीं वाहिनी (जमुई), 29वीं वाहिनी (गया), 35वीं, वाहिनी (चतरा) एवं 26वीं वाहिनी (रांची) की टीमें भाग ले रही हैं। यह प्रतियोगिता बुधवार से शुरू हुआ, जो गुरुवार तक चलेगा। कमांडेंट राजीव भट्ट ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता को शुरू कराया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सभी खेल भावना और अनुशासन के साथ अपना बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करें। प्रतियोगिता का पहला मुकाबला 26वीं वाहिनी बनाम 16वीं वाहिनी के बीच हुआ जिसमें 26वीं वाहिनी ने 55 अंक प्राप्त किए। जबकि 16 वाहिनी 15 अंक ही जुटा सकी। इस तरह 26 वाहिनी ने 40 अंकों से जीत दर्ज की। दूसरा मुकाबला 32 वाहिनी और 29 वाहिनी के बीच हुआ जिसमें 32 वाहिनी ने 3 अंकों से जीत हासिल की। तीसरे मुकाबले में 35 वाहिनी ने 16 वाहिनी को 39 अंकों से पराजित किया। चौथा मुकाबला 26 वाहिनी और 29 वाहिनी के बीच हुआ जिसमें 26 वाहिनी ने 41 अंकों की बढ़त से मुकाबला जीता। पांचवां मुकाबला 35 वाहिनी और 32 वाहिनी के बीच खेला गया। जिसमे 35 वाहिनी ने 33 अंकों से मुकाबला अपने नाम किया। इस तरह 26 वाहिनी और 35 वाहिनी फाइनल में प्रवेश किए। फाइनल मुकाबला 07 अगस्त, 2025 को 26 वाहिनी एवं 35 वाहिनी के बीच खेला जाएगा।

रामशोभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन में दिशोम गुरु को दी गयी श्रद्धांजलि

रांची (आजाद सिपाही)। चुटुपालु के रामशोभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बुधवार को को महान जननायक शिबू सोरेन जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। इस अवसर पर कॉलेज परिसर में एक शोक सभा आयोजित हुआ। जिसमें उनकी आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के प्रणेता, आदिवासी समाज के सशक्त स्वर और गरीबों के अधिकारों की बुलंद आवाज थे। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका निधन राज्य और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। इस शोक सभा में कॉलेज की प्राचार्या डॉ ज्योति वालिया ने उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कहा कि शिबू सोरेन जी का जीवन संघर्ष और सेवा की मिशाल है, जिससे आज की पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर कॉलेज के समस्त शिक्षकगण, गैर-शिक्षक कर्मचारीगण, प्रशिक्षणार्थी विद्यार्थीगण आदि उपस्थित रहे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी गयी श्रद्धांजलि

मांडर (आजाद सिपाही)। ऑक्सब्रिज स्कूल परिसर में दिशोम गुरु स्व शिबू सोरेन को भावभीनी श्रद्धांजली दी गई। उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर कुछ समय के लिए मौन रखा गया। शिक्षक जितेंद्र सिंह ने उनकी जीवनी का उल्लेख करते हुए बताया कि किस तरह महाजन और सूदखोरों के खिलाफ आंदोलन करते हुए उन्होंने राजनीतिक सफर शुरू किया। वर्ष 1972 में बिनोद बिहारी महतो के साथ मिलकर झामुमो का गठन किया। उनका आदिवासियों के उत्थान और झारखंड को अलग राज्य बनाने में अहम योगदान रहा।

अपने राजनैतिक जीवन में वे मुख्यमंत्री के अलावा केंद्रीय मंत्रिमंडल में कोयला मंत्री और राज्यसभा के सदस्य भी रहे। इस भावभीनी श्रद्धांजली में विद्यालय परिवार के सभी लोग उपस्थित रहे।

हरे राम, हरे कृष्णा के उद्घोष के साथ दुर्गा महादेव मंदिर में शुरू हुआ अखंड हरि कीर्तन

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। दुर्गा महादेव मंदिर में हरे राम, हरे कृष्णा के उद्घोष के साथ 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन शुरू हुआ। आचार्य नीरज पंडित और उपासक अशोक नारायण तिवारी ने विधिवत पूजन के साथ हरि कीर्तन का शुभारंभ किया। सुबह से ही कीर्तन मंडलियों की टोली समय से कीर्तन में अपना योगदान दे रहे थे। शाम में महिलाओं की टोली ने कीर्तन में चार चांद लगा दिया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद राम टहल चौधरी, बीडीओ कामेश्वर बेदिया, जिपपू सरिता देवी, पूर्व उप प्रमुख जय गोविंद साहू, पंसस शशि मिश्र, ललिता देवी आदि भी हरे राम, हरे कृष्णा के रंग में रंग गये। कीर्तन में ओरमांझी पूजा समिति के मुख्य संरक्षक नंद गोपाल साहू, अध्यक्ष राम कुमार महतो, सचिव दीपक बड़ाईक, कोषाध्यक्ष दुर्गा शंकर साहू, नंद किशोर साहू, पूर्व अध्यक्ष संतोष कुशवाहा, सत्य नारायण तिवारी, गिरधारी महतो, उमा शंकर साहू, सीता राम महतो, शंकर लाल गुप्ता, सीता राम गुप्ता उप मुखिया संतोष कुमार गुप्ता, शशि मेहता, आनंद मेहता, पवन साहु, सतीश बड़ाइक, सुंदर नायक, ललित ठाकुर, सुधीर ठाकुर, गोपाल महतो, राजेश गुप्ता, कुंदन साहू, प्रदीप साहू, अमर साहू, आशीष साहू, विक्रांत तिवारी, शंकर गुप्ता, नीरज सोनी, योगेंद्र मुंडा, रंजीत बैठा, विजय पांडे, मुकेश पांडे, नीरज पांडे, सीता देवी, किरण देवी, मुन्नी देवी, रीना साहू, दीपा चौरसिया, मनीषा मेहता, रूपा तिवारी, राधिका देवी, उषा देवी, सोनी देवी आदि योगदान दे रहे हैं।

हाथी से प्रभावित 15 ग्रामीणों को मिला मुआवजा

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के डोरंडा पंचायत में बुधवार को डोरंडा पंचायत के विभिन्न गांवों में जंगली हाथी से प्रभावित 15 ग्रामीणों के बीच वन विभाग की ओर से मुआवजा का वितरण किया गया। उप प्रमुख मुदस्सिर हक ने 15 ग्रामीणों को मुआवजा का चेक दिया। इस मौके पर वन विभाग के वनरक्षी सुभाष प्रमाणिक एवं भूपेंद्र प्रसाद ने बताया कि हाथियों से घर और फसल को हुए नुकसान की भरपाई के लिए यह मुआवजा दिया गया है। इसके तहत डोरंडा पंचायत के प्रभावित किसानों को चेक मिलने से राहत मिली है। इस मौके पर पंचायत अध्यक्ष अर्जुन मुंडा, वन विभाग के वनरक्षी सुभाष प्रमाणिक भूपेंद्र प्रसाद, सभी लाभुक एवं वन विभाग के पदाधिकारी मौजूद थे।

जिला स्तरीय कंसलटेशन जागरूकता के तहत कार्यशाला आयोजित

अदालत-जिला प्रशासन का काम केवल न्याय नहीं, कल्याण करना भी है: अनिल

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। रांची जिला विधिक सेवा प्राधिकार एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को व्यवहार न्यायालय परिसर के कॉन्फ्रेंस हॉल में नया आपराधिक कानून, आपराधिक न्यायशास्त्र-रूझान और चुनौतियां पर नालसा की योजना साथी, डॉन, आशा, जागृति एवं अन्य योजना पर 'मल्टी स्टेक होल्डर कंसलटेशन' का जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में न्यायायुक्त अनिल कुमार मिश्रा-1, रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री, एसएसपी चन्दन सिन्हा, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, एसएस फातमी, अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय रमेश चन्द्र, एजेसी-1, योगेश कुमार, पीओ एमएसीटी मनीष, मुख्य

न्यायिक दंडाधिकारी, चंदन, डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शम्भू प्रसाद अग्रवाल, सचिव संजय कुमार विद्रोही आदि मौजूद रहे। उद्घाटन भाषण न्यायायुक्त अनिल कुमार मिश्रा-1 ने दिया। कहा कि अदालत एवं जिला प्रशासन का काम केवल न्याय नहीं कल्याण करना भी है। वहीं, प्रथम सत्र में एजेसी -1 योगश ने नए आपराधिक कानून - भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के अंतर्गत साक्ष्य ढांचा, जांच अधिकारियों, फॉरेंसिक विशेषज्ञों और चिकित्सा पेशेवरों की भूमिका, रिमांड वकीलों, एलएडीसी और कानूनी सहायता अधिवक्ताओं के कर्तव्य आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा किये। द्वितीय सत्र में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी चंदन ने जमानत न्यायशास्त्र - वर्तमान रुझान और चुनौतियों पर नए प्रावधानों के तहत जमानत प्रथाएं, झारखंड में जमानत के आंकड़े और चिंतायें, समय पर जमानत सुनिश्चित करने में विधिक सेवा संस्थानों की भूमिका आदि विषयों पर चर्चा किये।

प्रशिक्षण के लिए मत्स्य कृषक हैदराबाद रवाना

बेड़ो (आजाद सिपाही)। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) झारखंड सरकार के निर्देश पर राष्ट्रीय मत्स्यिकी विकास बोर्ड के सौजन्य से झारखंड के मत्स्य कृषक हैदराबाद के आंध्रप्रदेश में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सह स्थल भ्रमण में भाग लेने के लिए बुधवार को रवाना हुए। इसमें प्रखंड के ईंटा पंचायत से सोमरा उरांव, घाघरा से मंटू उरांव, खुखरा से पवन लकड़ा, हरिहरपुर जामटोली पंचायत के धनेश्वर उरांव, राजेंद्र धान, दिघिया से अनतुनी खेस, जरिया से फागुवा उरांव शामिल हैं। ये सभी मत्स्य प्रशिक्षण केंद्र शालीमार से हैदराबाद के लिए रवाना हुए।

चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार, गये जेल

चान्हो (आजाद सिपाही)। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चोरी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस की मानें तो इमरोज अंसारी पर चोरी का आरोप है। उसके पास से चार एल्यूमीनियम के बड़े टब बरामद किये गये हैं। वहीं अरबाज खान

अंजुमन इस्लाह-ए-मुआशरा कमेटी का पुनर्गठन, परवेज खान बने अध्यक्ष

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। अंजुमन इस्लाह ए मुआशरा कमेटी की बैठक बुधवार को जामा मस्जिद चिलदाग में हुई। जिसकी अध्यक्षता हासीम अंसारी ने किया। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के बाद कमेटी का पुनर्गठन किया गया। इसमें सर्वसम्मति से सदर परवेज खान, सचिव साकीर अंसारी, संयुक्त सचिव एजाज अंसारी, खजांची जमील अख्तर, नायब सदर युनूस अंसारी, अब्बास अंसारी, सिकंदर अंसारी, इमरान अंसारी, रज्जाक अंसारी, आलम अंसारी, शफीक अंसारी, सरफराज अंसारी, फारूक खान तथा मीडिया प्रभारी मिन्हाज आलम बनाए गए। जबकि मुख्य संरक्षक के तौर पर मुस्तफा अंसारी, संरक्षक एवं सलाहकार मौलाना अबुल कलाम, मौलाना असजद मदनी, मुस्तफा अंसारी, अनवर खां, सरूफ खान, जाकीर खान, मुमताज खान, सलीम अंसारी, शमशाद अंसारी एवं सिद्दीक अंसारी का चुनाव किया गया। बैठक में सिकंदर अंसारी, रुस्तम खान, रब्बानी राज, मुस्लिम अंसारी, सत्तार अंसारी, इमरान अंसारी आदि मौजूद थे।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में मार्टिन ढेर

हिमांशु रंजन/ विकास वर्मा

कामडारा / बसिया। गुमला पुलिस को एक बार फिर बड़ी सफलता मिली है। इस बार पीएलएफआइ के सुप्रीमो मार्टिन केरकेट्टा को पुलिस ने मार गिराया है। मंगलवार की रात्रि पुलिस मुठभेड़ में यह वांछित अपराधी मारा गया। इसके नाम की दहशत इतनी थी कि उसके मारे जाने के बाद भी कोई उसके बारे में मुंह खोलने को तैयार नहीं था। पुलिस ने इस पर 15 लाख का इनाम रखा था।

मंगलवार की दोपहर पारही गांव के साप्ताहिक बाजार में दस्ते के साथ देखा गया था मार्टिन : मार्टिन अक्सर चंगाबारी विश्वाटोली में आया करता था। मंगलवार की दोपहर पारही गांव के साप्ताहिक बाजार में मार्टिन दस्ते के साथ देखा गया था। यह भी बताया जा रहा है कि बाजार से इन लोगों ने मशरूम यानी खुखरी खरीदी थी। इसके बाद मार्टिन अपने दस्ते के साथ चंगाबारी विश्वाटोली आया था। दोपहर में वह गांव में ही आकर रुका था और दोपहर को ही मशरूम यानी खुखड़ी की सब्जी और भात खाया। अपुष्ट सूत्र बताते हैं कि पुलिस को पारही बाजार से ही ये सूचना मिल गयी थी कि मार्टिन दस्ते के साथ क्षेत्र में मौजूद है। इसके बाद पुलिस ने मार्टिन की पूरी सूचना देने के लिए अपने आदमी लगा दिये। पुलिस को सूचना मिल रही थी कि मार्टिन अपने कुछ साथियों के साथ चंगाबारी विश्वाटोली गांव में रुका हुआ है। वहीं उनके खाने की व्यवस्था हो रही है। इसी सूचना के बाद शाम ढलते ही कामडारा बसिया और पालकोट थाना के टीम उस गांव को घेरने लगी। जैसे ही पुलिस गांव के समीप पंहुची गांव के कुत्ते भोंकने लगे। इस पर दस्ता के लोगों को शक हुआ तो मार्टिन केरकेट्टा के दस्ता के लोग टॉर्च लेकर मुआयना करने लगे। टार्च की रौशनी से बचने के लिए पुलिस के जवान जमीन पर लेट गये। जब कोई नहीं दिखा तो मुआयना करने वाले ने सोचा कि किसी जंगली जानवर के कारण कुत्ते भौंक रहे होंगे। ये सोच कर मुआयना करने वाले वापस लौट गये। अब पुलिस और कन्फर्म हो चुकी थी कि उनका टारगेट किधर है। नक्सलियों को पकड़ने की रणनीति बनाते हुए पुलिस दो टुकड़ी में बंट गयी। एक टुकड़ी ने उत्तर दिशा से जबकि दूसरा पूर्व दिशा से घेराबंदी शुरू की। वहीं एसडीपीओ नाजिर अख्तर एक ओर से दबिश बनाने के लिए आगे बढ़ रहे थे। जब वे लोग लक्ष्य के काफी करीब आ गये तो दूसरी बार कुत्ते भोंकने लगे। इस बार फिर पीएलएफआइ के उग्रवादी गांव से निकल कर टॉर्च जलाने लगे। तभी कामडारा थाना प्रभारी के टीम को पर उग्रवादियों के टार्च की लाईट पड़ी। पुलिस को देखते ही उग्रवादी फायरिंग करने लगे तब पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। थोड़ी देर में एक व्यक्ति चिल्लाता हुआ गांव की तरफ भागने का प्रयास किया, मगर वह वहीं गिर गया।

पुलिस को पता नही था कि मार्टिन मारा गया : फायरिंग के उपरांत हल्ला सुनकर पुलिस ने अंदाजा लगाया कि कोई व्यक्ति गोली का शिकार हुआ है' लेकिन पुलिस के लोग कन्फर्म नही थे कि कौन मारा गया था। पुलिस आशंकित थी कि इस गोलीबारी में कहीं कोई निर्दोष ग्रामीण न मारा गया हो। गोली लगने के थोड़ी देर बाद जैसे सब शांत हो गया। करीब आधा घंटे के बाद अंधेरे का फायदा उठाकर मार्टिन के साथी वहां से निकलने में कामयाब रहे। गोलीबारी के लगभग आधा घंटा बाद पुलिस ने गोली लगने मृत व्यक्ति का फोटो लेकर पता कराया गया तब पुलिस को पता चला कि इस पुलिस मुठभेड़ में पीएलएफआइ सुप्रीमो का मार्टिन केरकेट्टा मारा गया है।

मार्टिन के गांव के अधिकतर युवा पुरुष का दूसरे शहरों में करते हैं काम

मार्टिन केरकेट्टा के मारे जाने के बाद घटनास्थल चंगाबारी विश्वाटोली और उसके गांव रेडवा चुवाटोली के ग्रामीणों में एक अजीब खामोशी छाई हुई है। यहां के लोग कुछ भी बोलने से कतरा रहे थे। मार्टिन या उसके परिवार के बारे कुछ भी जानकारी देने से बचना चाहते थे। अधिकतर पुरुषों और युवाओं ने कहा कि वे दिल्ली मुंबई गोवा जैसे शहरों में रोजगार के लिए जाते है और अभी कृषि कार्य के लिए लौटे है। घटना के संबंध में उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

ओझा पाहन और अमृत होरो उर्फ मैचो के पास था आधुनिक बड़ा हथियार

फायरिंग के दौरान पीएलएफआइ सुप्रीमो मार्टिन के शव के साथ हथियार में पिस्टल बरामद हुआ है। पुलिस की मानें तो अमृत होरो उर्फ मैचो के पास एके 47 हथियार था। जो अंधेरे का फायदा उठा कर भाग निकला। जानकार बताते हैं कि पीएलएफआइ सुप्रीमो तीन लेयर की सुरक्षा दस्ते के साथ रहता था। लेकिन घटना वाले दिन उसका दुर्भाग्य था कि वह अपने चंद साथियों के साथ गांव में था। यह सूचना पुलिस के लिए बहुत उपयुक्त निकली।

बारिश से मेराल के पास सड़क क्षतिग्रस्त

आजाद सिपाही संवाददाता

जारी। भीखमपुर से मेराल तक बने 25 किलोमीटर और लगभग 2.045 करोड़ रुपये की लागत से बने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बन रहे मेराल गांव स्थित बारिस का ढंस नही झेल पाया और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार मेराल से भीखमपुर तक बने सड़क कई जगह पर क्षतिग्रस्त हो गया है। कई ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि संवेदक के द्वारा किसी तरह की कोई अभी तक टूटे हुए सड़कों की मरम्मत नहीं की जा रही है। साथ ही ग्रामीणों का यह भी कहना है कि संवेदक शुरू से ही सड़क निर्माण में घटिया किस्म का कार्य करते आ रहे थे। सड़क निर्माण के समय भी ठेकेदार के कर्मचारी के साथ किताम गांव के ग्रामीणों के साथ तू तू मैं मैं हुआ था। यहां तक कि कई दिनों तक कार्य को भी बंद करा दिया गया था। वही मेराल के समीप सड़क तो टूट गयी है। लेकिन कलभट्ट भी क्षतिग्रस्त हो गयी है। जिसे अभी तक बनाया नही गया है। यदि टूटी हुई जगह को जल्द से जल्द नहीं बनाया गया तो। सड़क का और भी भाग पानी के कारण टूट जाएगा। जिससे राहगीरों को सड़क में आने जाने के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। ज्ञात होगी भीखमपुर से मेराल तक सड़क निर्माण स्वर्णिम कंस्ट्रक्सन के द्वारा कराया गया था।

फुटबॉल टूर्नामेंट में गांधी ग्रुप ने पटेल ग्रुप को 1 गोल से हराया

घाघरा (आजाद सिपाही)। चिल्ड्रन एकेडमी +2 स्कूल रन्हें घाघरा में हाउस फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। टूर्नामेंट का पहला मैच जूनियर ग्रुप के बच्चों के बीच खेला गया, जिसमें सुभाष ग्रुप, गांधी ग्रुप, पटेल ग्रुप तथा नेहरू ग्रुप शामिल रहे। उद्घाटन मैच गांधी ग्रुप और पटेल ग्रुप के बीच हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के डायरेक्टर विजय कुमार साहू एवं विद्यालय प्रबंधन समिति की सदस्य सिमलटोपे तथा विद्यालय की प्राचार्या मीना देवी ने संयुक्त रूप से फुटबॉल किक मारकर किया। इस अवसर पर सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए विद्यालय के सभी शिक्षकों द्वारा बच्चों को प्रोत्साहित किया गया। बच्चों ने खेल के प्रति अनुशासन एवं अपनी टीम भावना से रूचिपूर्वक खेल का प्रदर्शन किया। पहले मैच में गांधी ग्रुप ने पटेल ग्रुप को 1-0 से हराकर जीत हासिल की। इस मैच में विद्यालय के शिक्षकों प्रेम कुमार एवं अमित सूर ने निर्णायक की भूमिका निभायी। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षकों अरुणी तिर्की, अविका उरांव, रिहानी सिंह, रीना, मिंज, अंजू कुजूर, रेशमा कुजूर, तरामणि देवी, सुसन मुरमु, माइकल उरांव, वीमा लकड़ा, निधि लकड़ा, निबा तिग्गा का विशेष सहयोग रहा।

टेंडर होने के बाद भी पुल निर्माण में धीमी गति

जारी (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी स्थित सीकरी पंचायत के पाकरटोली गांव व लाहटोली गांव है इन दोनों गांव में लगभग 100 परिवार निवास करते हैं। इस गांव में पहुंचने से पहले एक छोटी नदी को पार कर गांव पहुंचना पड़ता है। कुछ सालों पहले इस छोटी नदी में एक पुल हुआ करती थी। जो कुछ दिन के बाद ही ध्वस्त हो गयी। इसके बाद ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए सरकार के द्वारा इस छोटी नदी में एक पुल के निर्माण के लिए टेंडर निकाला गया और टेंडर हो भी गया। लेकिन काम कछुए की गति के साथ चल रही थी। ज्यादा बारिश होने के कारण संवेदक के द्वारा कार्य को फिलहाल के लिए रोक दिया गया है। यदि ज्यादा बारिश होने पर छोटी नदी भर जाती है। तो ग्रामीणों को पानी कम होने का इंतजार घंटों भर करना पड़ता है। हाई स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राएं के साथ कई बार ऐसा होता है कि पानी भर जाने के कारण स्कूल तक नहीं जा पाते हैं। अगर कोई व्यक्ति गंभीर रूप से बीमार हो जाये तो उसे भी पानी कम होने का इंतजार करना पड़ता है। पाकर टोली व लाहटोली गांव के सैकड़ों ग्रामीणों का दर्द को समझ नही पा रहा है। राम प्रसाद गोप,अजय तिर्की,शुशील लकड़ा,भदरू दास, दसरथ खेरवार,राजू दास,कैलास खेरवार,मारियानुस खलखो,संजय एक्का ने कहा कि यदि जल्द से जल्द इस नदी में पुल का निर्माण हो जाता। तो हमारे गांव वासियों को भारी सुविधा होती। वैसे भी हम लोग कई सालों से बिना पुल के कारण भारी परेशानियों का सामना किये है। खासकर बरसात के दिनों में भारी समस्या होती है।

शिबू सोरेन के निधन पर डीएवी में शोकसभा

गुमला (आजाद सिपाही)। डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला में बुधवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। विद्यालय प्रधानाचार्य, शिक्षकों तथा सभी विद्यार्थियों ने गुरुजी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। प्रधानाचार्य डॉ रमाकांत साहु ने कहा कि गुरुजी शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे और उन्हें राज्य के गरीबों, आदिवासियों और वंचितों का मसीहा माना जाता था। शिबू सोरेन का निधन केवल झारखंड ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से राज्य ने एक ऐसे नेता को खो दिया, जो हमेशा जनता के बीच रहे और उनकी आवाज बने। उनके संघर्ष और सादगी भरे जीवन ने लाखों लोगों को प्रेरित किया। आज उनकी विरासत को संजोए रखने का संकल्प लेते हुए पूरा झारखंड उन्हें नमन कर रहा है।

चैनपुर मनोरमा सरस्वती शिशु मंदिर के पास बारिश से सड़क कीचड़ में तब्दील

आजाद सिपाही संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर मुख्यालय के मनोरमा सरस्वती शिशु मंदिर जाने वाली पीसीसी सड़क की जर्जर स्थिति ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। बरसात के कारण सड़क कीचड़ में तब्दील हो गयी है जिससे आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। थाना रोड से लेकर एमएलए रोड तक सड़क जर्जर हो चुका है। इस सड़क से होकर प्रत्येक दिन 500 से अधिक संख्या में स्कूली बच्चे सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल आना-जाना करते हैं। कीचड़ भरे रास्तों से पैदल जाने वाले बच्चों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। ज्यादा बारिश होने पर सड़क में जलजमाव के कारण अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल भेजने से भी कतराते हैं। सड़क में भरे पानी में घुसकर बच्चे प्रत्येक दिन स्कूल जाते हैं। ग्रामीण श्याम साहू और पोखन साहू ने बताया कि बरसों पहले पीसीसी सड़क का निर्माण हुआ था जो अब टूट कर जर्जर हो चुका है। सड़क की जर्जर स्थिति के कारण बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क का निर्माण कराया जाए ताकि लोगों को आवागमन में सुविधा मिल सके। इस संबंध में जीप सदस्य मेरी लकड़ा ने कहा कि सड़क काफी जर्जर हो चुका है और छोटे-छोटे बच्चे पैदल इसी रास्ते से स्कूल आना-जाना करते हैं। कहा कि सड़क निर्माण को लेकर वह विभाग से बात करेंगी और प्रशासन को अवगत करायेंगी। उन्होंने कहा कि सड़क की जर्जर स्थिति को देखते हुए निर्माण की आवश्यकता है। इससे न केवल स्कूली बच्चों को बल्कि स्थानीय लोगों को भी राहत मिलेगी। सड़क निर्माण से आवागमन में सुविधा होगी और लोगों को परेशानी से निजात मिलेगा। जिला प्रशासन से मांग की जा रही है कि जल्द से जल्द सड़क का निर्माण कराया जाये ताकि लोगों को राहत मिल सके।

प्रधान डाकघर में लिंक फेल होने से कार्य बाधित, लोग परेशान

गुमला (आजाद सिपाही)। प्रधान डाकघर गुमला का लिंक फेल होने के कारण सभी प्रकार के कार्य बाधित है। विशेष कर जरूरी जो रजिस्ट्री डाकघर के माध्यम से भेजा जा रहा था वह फिलहाल बंद पड़ गया है। लगभग 7 दिनों से लिंक फेल की समस्या से डाकघर के उपभोक्ता परेशान है। फेडरेशन झारखंड ऑफ चेंबर के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सह प्रदेश कांग्रेस के सचिव रमेश कुमार चीनी ने कहा कि डाकघर की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गयी है। एक सप्ताह से उपभोक्ताओं का कार्य घर में नहीं हो रहा है। लिंक फेल की समस्या से डाकघर का सारा कार्य बाधित है। विशेष कर जरूरी रजिस्ट्री का कार्य प्रभावित होने से कई आवश्यक दस्तावेज भेजने में लोगों को परेशानी हो रही है। श्री कुमार ने कहा की डाकघर प्रबंधन जल्द व्यवस्था में सुधार करें और जनता को सहूलियत प्रदान करें। ऐसी व्यवस्था में दुरदराज से आने वाले लोगों को भारी परेशानी झेलना पड़ रहा है।

सड़क चौड़ीकरण में लोगों ने घटिया सामग्री के इस्तेमाल का लगाया आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। घाघरा प्रखंड के मुख्यालय स्थित चांदनी चौक क्षेत्र में बीकेएस कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा किए जा रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य को लेकर लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। मिट्टी युक्त गिट्टी बिना डस्ट मिलाये डाली जा रही है, साथ ही रोलिंग कंपैक्ट के दौरान पानी के भी छिड़काव नहीं की जा रही है। जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जबकि मानक के अनुसार गिट्टी में पत्थर का डस्ट मिलाना आवश्यक होता है, जिससे सड़क मजबूत और टिकाऊ बन सके। इतना ही नहीं, यह कार्य सुरक्षा मानकों की भी खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए किया जा रहा है। भीड़भाड़ वाले बाजार क्षेत्र में बिना किसी बैरिकेडिंग या सावधानी के काम चालू है, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों ने निर्माण एजेंसी और प्रशासन से मांग की है कि इस कार्य की गुणवत्ता की जांच करायी जाये और कार्यस्थल पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाये, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस पूरे मामले में कंपनी के कनिय अभियंता दीपंकर दास से जब पूछा गया तो उन्होंने बताया कि गिट्टी में पत्थर का डस्ट डाला गया है, बारिश के कारण गंदा हो गया जिसके कारण मिट्टी जैसा दिख रहा है निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की धांधली नहीं की जा रहीहै। सुरक्षा मानको पर उन्होंने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया।

डूमरडीह से भटकी महिला कामडारा के रामतोल्या पहुंची

कामडारा (आजाद सिपाही)। गुमला के डूमरडीह गांव से भटककर एक विक्षिप्त वृद्ध महिला कामडारा के रामतोल्या गांव पहुंची।

इस मामले में रामतोल्या, पोकला तथा बाम्हनी गांव की आंगनवाड़ी सेविकाओं ने विक्षिप्त महिला को कामडारा थाना लेकर आई। इन्होंने बताया कि बीते रविवार से ही विक्षिप्त महिला रामतोल्या गांव में भटक रही है पता पूछने पर गुमला के डूमरडीह बताती है साथ अपने बेटे का नाम सुदामा सिंह तथा प्रदीप कुंवर बता रही है। इधर कामडारा पुलिस ने इस महिला की पहचान और पता ढूंढने में लगी हुई है।

गुमला चैंबर ने दिशोम गुरु को दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। 06 अगस्त दिन बुधवार को गुमला चैंबर ऑफ कॉमर्स ने एक शोक सभा आयोजित कर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्य सभा सांसद झारखंड के जन नेता दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित किया। दिवंगत श्री सोरेन की चित्र पर माल्यार्पण किया गया और उनको श्रद्धांजलि देते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी। मौके पर अध्यक्ष राजेश ने कहा के दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड के एक जन नायक थे और वह हम सबके प्रेरणा स्त्रोत भी हैं उनका निधन झारखंड के लिए अपूर्व क्षति है। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश कुमार चीनी ने कहा कि हमने झारखंड के एक कर्मठ आंदोलनकारी नेता को खोया है जिसकी कभी पूर्ति नहीं हो सकती है। निवर्तमान अध्यक्ष दामोदर कसेरा ने कहा के दिवंगत श्री सोरेन हम सब के अभिभावक स्वरूप पूरे झारखंड वासियों को बहुत कुछ दिया है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। शोक प्रकट करने वालों में चेंबर अध्यक्ष राजेश सिंह जी के साथ क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश कुमार चीनी, चेंबर उपाध्यक्ष अभिजीत जायसवाल, राजेश लोहानी, सचिव बब्लू वर्मा, सह सचिव प्रणय साहू, कोषाध्यक्ष अमित मंत्री गोलू, पी आर ओ आदित्य गुप्ता व प्रतीक अग्रवाल, मीडिया प्रभारी इम्तेयाज मिनी, निवर्तमान अध्यक्ष दामोदर कसेरा, पूर्व अध्यक्ष अशोक जैसवाल, पवन अग्रवाल, विनोद केसरी, विजय द ग्रेट, दिलीप कुमार मंत्री, ओम प्रकाश साहू, सोहन लाल अग्रवाल, अमित पोद्दार, दीपक कुमार गुप्ता, रमेश कुमार चीनी, शशि प्रिया बंटी, पदम साहू, दामोदर कसेरा डीके आदि शामिल हैं।

सांसद सुखदेव भगत ने दी अंतिम श्रद्धांजलि, कहा शिबू सोरेन आदिवासी अस्मिता की धरोहर थे

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। सांसद सुखदेव भगत ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। सांसद सुखदेव भगत मंगलवार को रामगढ़ जिले के नेमरा गांव पहुंचे, जहां शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और विभिन्न दलों के वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

सुखदेव भगत ने पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर अंतिम जोहार किया। उन्होंने कहा कि झगुरुजी ने आदिवासी समाज को नई पहचान और गरिमा दी। उनका संघर्ष हम सबको प्रेरित करता रहेगा। आज हमने केवल एक नेता को नहीं, बल्कि एक युग को विदा किया है। बतौर आदिवासी सांसद, मैं आदिवासी समाज की बेहतरी और गुरुजी की आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए संकल्पित हूं। मुखाग्नि उनके पुत्र हेमंत सोरेन ने दी, और पूरे गांव में गुरुजी अमर रहें के नारों के बीच हजारों लोगों ने भावभीनी विदाई दी। श्री भगत ने अंत में कहा कि गुरुजी का जीवन अन्याय और शोषण के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक रहा है। आज इस दुखद क्षण में पूरा झारखंड सोरेन परिवार के साथ खड़ा है। आदिवासी समाज की उन्नति और उनके आदर्शों को आगे ले जाना ही मेरी ओर से उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यालय - उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, लातेहार
(जिला ग्रामीण विकास शाखा)

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक–1423 दिनांक–29.07.2025 (PR358514 Rural Devlopment (25-26)_D द्वारा जिला ग्रामीण विकास शाखा, लातेहार अन्तर्गत कुल 05 छोटे वाहन का नीलामी दिनांक–07.08.2025 को अपराहन् 03:00 बजे से किया जाना था। जिसे अपरिहार्य कारणों से नीलामी की तिथि में परिवर्तन करते हुए दिनांक–13.08.2025 को 03:00 बजे अपराहन को निर्धारित किया जाता है।

उप विकास आयुक्त, लातेहार

PR 358931 Rural Development(25-26)#D

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED
(GOVERNMENT OF JHARKHAND UNDERTAKING)
(CIN – U40108JH2013SGC001704)
OFFICE:
General Manager, Contracts & Materials, Multi-Lateral Funding Projects, JUSNL Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi – 834002 (Jharkhand)
Email: piujusnl@gmail.com Visit us on: www.jharkhandtenders.gov.in

e-Tender

Jharkhand Urja Sancharan Nigam Limited invites Bids (to be submitted in the e-Procurement Portal) for the following works:-

NIT No.	Name of work (Request for Bid (RfB))	Date of publishing e-NIT	Last date of submission/ uploading bid by the bidder	Date of Opening of technical part of Bid
307/PR/ JUSNL/ 2024-25	Design, Supply, Installation, Testing & Commissioning of 132/33kV GIS Substations at Chhatarpur (Leftover Work)	04.08.2025	03.09.2025 upto 16:00 Hrs	04.09.2025 at 16:30 Hrs
308/PR/ JUSNL/ 2024-25	Design, Supply, Installation, Testing & Commissioning of 132/33kV GIS Substations at Sundarnagar (Leftover Work)	04.08.2025	03.09.2025 upto 16:00 Hrs	04.09.2025 at 16:30 Hrs

Detailed Invitation of Bids which includes instructions for submission of Bids and all other relevant information are available on http://www.jharkhandtenders.gov.in along with Bidding Documents. Any details required in this regard can also be obtained from the office of the undersigned (+91-7070348841) during office hours.

The firms that technically qualify will be informed for date of opening for financial part of Bid.

Bidders are advised to note the minimum qualification criteria specified in the bidding document. Interested bidders may participate in the bidding process as per the instructions given in the bidding document.

Sanjeev Kumar Burnwal, General Manager, Contracts & Materials, Multi-Lateral Funding Projects, JUSNL Address – JUSNL Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi – 834002, Jharkhand, India Mobile: +91-7070348841 Email: piujusnl@gmail.com

स्वस्थ एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें। कृपया अपनी शिकायतें को 18003456570(कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager,
C&M, MLFP, JUSNL, Ranchi

PR.NO.358916 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(25-26):D

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 07 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in

बोकारो, गिरिडीह, रांची, हजारीबाग और जमशेदपुर की टीमों का शानदार प्रदर्शन

बोकारो (आजाद सिपाही)। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), बोकारो की मेजबानी में चल रही सीबीएसई क्लस्टर 3 अंतर विद्यालय टेबल टेनिस प्रतियोगिता बुधवार को संपन्न हुई। प्रतियोगिता का समापन दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। इसके पूर्व, आरंभ में सभी प्रतिभागी टीमों के खिलाड़ियों, उनके शिक्षकों, अभ्यागत विशिष्टजनों एवं डीपीएस बोकारो परिवार के सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर नमन किया गया। प्राचार्य एवं प्रतियोगिता आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ एएस गंगवार ने शिबू सोरेन के निधन को झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया। इसके बाद उन्होंने प्रतियोगिता की विजेता एवं उपविजेता टीमों को इसी प्रकार आगे भी खेल-भावना एवं जोशो-खरोश से खेलने की प्रेरणा दी। साथ ही, आगामी 03-08 अक्टूबर को गुजरात के सूरत में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। प्राचार्य के साथ ही मौजूद बोकारो जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष राजेश रंजन, सीबीएसई के प्रतिनियुक्त प्रतियोगिता-पर्यवेक्षक असीम प्रियदर्शी एवं चीफ रेफरी संदीप साहा ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को मेडल व ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया। प्राचार्य ने तकनीकी दल के सभी सदस्यों एवं विशिष्ट अभ्यागतों को स्मृतिचिह्न भेंट कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में झारखंड-बिहार के 18 विभिन्न विद्यालयों की 41 टीमों के लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उधर, प्रतियोगिता में विभिन्न आयुवर्गों के टीम मैचों एवं व्यक्तिगत मुकाबलों में झारखंड से बोकारो, गिरिडीह, रांची, हजारीबाग व जमशेदपुर के खिलाड़ियों ने भी अपने दमखम दिखाए। साथ ही, सर्वश्रेष्ठ तीन में अपनी जगह पक्की की। डीपीएस बोकारो का विभिन्न वर्गों में शानदार प्रदर्शन रहा। वहीं, बिहार से पटना के खिलाड़ियों का लगभग सभी मैचों में सबसे उम्दा प्रदर्शन रहा। अंडर-14 बालिकाओं के मैच में लोयोला हाई स्कूल, पटना प्रथम, संत माइकल्स हाई स्कूल, पटना द्वितीय तथा डीपीएस बोकारो एवं विवेक विद्यालय छोटा गोविंदपुर, जमशेदपुर की टीमें संयुक्त रूप से तृतीय रहीं। इसी आयुवर्ग के बालकों के मुकाबलों में लिटेरा वैली स्कूल, पटना पहले, संत माइकल्स हाई स्कूल, पटना दूसरे तथा नमन विद्या, हजारीबाग व सुरेन्द्र नाथ सेंटेनरी स्कूल, रांची की टीमें संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं। अंडर-17 बालिकाओं में जुस्को स्कूल, कदमा (पू.सिंहभूम) एवं डीपीएस बोकारो क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं विवेक विद्यालय, जमशेदपुर एवं गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल, रांची की टीमें संयुक्त रूप से तृतीय रहीं। बालकों में लोयोला हाई स्कूल, पटना पहले, लिटेरा वैली स्कूल, पटना दूसरे और डीपीएस बोकारो एवं गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। अंडर-19 बालिकाओं में लोयोला हाई स्कूल, पटना एवं बीएनएस डीएवी पब्लिक स्कूल, गिरिडीह क्रमशः प्रथम व द्वितीय तथा डीपीएस बोकारो एवं लिटेरा वैली स्कूल, पटना संयुक्त रूप से तृतीय, बालकों में बीएनएस डीएवी पब्लिक स्कूल, गिरिडीह पहले, लोयोला हाई स्कूल, पटना दूसरे तथा डीएवी पब्लिक स्कूल, खगौल (पटना) एवं संत माइकल्स हाई स्कूल, दीघा घाट पटना साझे तौर पर तीसरे स्थान पर रहे।

आइआइटी-आइएसएम में नये छात्रों को दिया मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम पर व्याख्यान

धनबाद (आजाद सिपाही)। नए छात्रों के लिए चल रहे ओरिएंटेशन प्रोग्राम के तहत बुधवार ाेक इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिक और ह्यूमन स्पेस फ्लाइट सेंटर में डिप्टी डायरेक्टर (एमएसए) के पद पर कार्यरत राजेन्द्रसिंह पी बयाली ने छात्रों को भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम (ह्यूमन स्पेस प्रोग्राम) पर जानकारी दी। उन्होंने अपने व्याख्यान में गगनयान मिशन की पूरी रूपरेखा समझाई। बताया कि गगनयान भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिसमें ह्यूमन-रेटेड जीएसएलवी मार्क 3 रॉकेट, क्रू मोड्यूल, लाइफ सपोर्ट सिस्टम, और इमरजेंसी एस्केप सिस्टम जैसे आधुनिक फीचर होंगे। बयाली ने भारत के पिछले अनुभवों जैसे स्पेस कैप्सूल रिकवरी एक्सपेरिमेंट (2007), क्रू मोड्यूल री-एंट्री टेस्ट (2014) और 2018 का एबॉर्ट टेस्ट के बारे में भी बताया, जो गगनयान मिशन की तैयारी में मील के पत्थर साबित हुए हैं। उन्होंने छात्रों को यह भी बताया कि एक मानव अंतरिक्ष मिशन के लिए क्या-क्या जरूरी चीजें होती हैं–जैसे कि सुरक्षा की पूरी व्यवस्था, टेक्नोलॉजी की जांच और दोहराव की व्यवस्था और मिशन को सपोर्ट करने वाली जमीन से जुड़ी सुविधाएं। इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम में इससे पहले भी कई जाने-माने वक्ता शामिल हो चुके हैं जिनमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, आइआइटी (आइएसएम) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन प्रो प्रेम व्रत, धनबाद के डीसी आदित्य रंजन, एसएसपी प्रभात कुमार और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ डॉ सुब्रोकमल दत्ता शामिल हैं। संस्थान का उद्देश्य है कि छात्र अपनी पढ़ाई की शुरूआत से ही देश के बड़े अभियानों और प्रेरणादायक व्यक्तित्वों से रूबरू हों।

डीसी-एसपी ने सेक्टर वन स्थित दिशोम गुरु के आवास की सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

बोकारो (आजाद सिपाही)। स्टील सिटी के सेक्टर वन-सी स्थित दिशोम गुरु स्व शिबू सोरेन के आवास की सुरक्षा व्यवस्था का डीसी अजय नाथ झा एवं एसपी हरविंदर सिंह ने बुधवार की शाम संयुक्त निरीक्षण किया। इस क्रम में डीसी एवं एसपी ने आवासीय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई सहित अन्य जरूरी पहलुओं की समीक्षा की। मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि आवास परिसर एवं आसझपास के क्षेत्रों में समुचित सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रतिनियुक्त पुलिस बल झ अंगरक्षक से अन्य जरूरी जानकारी प्राप्त की। मुख्य द्वार के समीप बनाएं गए पोस्ट पर बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने को कहा। वहीं, आवास के आस-पास की झाड़ियों/गंदगी की साफ-सफाई को लेकर बीएसएल नगर प्रशासन एवं नगर निगम चास को जरूरी निर्देश भी दिया। इस मौके पर सीटी डीएसपी आलोक रंजन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार और अविनाश सिंह आदि उपस्थित थे।

न्यू कॉलोनी की जल्द ही बदलेगी तस्वीर: शत्रुघ्न

विधायक ने खुद किया बदहाल कॉलोनी का निरीक्षण

न्यू कॉलोनी की बदहाली को लेकर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा विधायक शत्रुघ्न महतो की सख्ती के बाद शुरू हुआ कार्य

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। लालबंगला स्थित न्यू कॉलोनी के लोगों ने क्षेत्र में व्याप्त बिजली, पानी और सड़कों की जर्जर स्थिति को लेकर गहरी नाराजगी जताई है। बुनियादी सुविधाओं के अभाव से त्रस्त कालोनीवासियों ने अपनी शिकायत बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो से की। जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए विधायक बुधवार को खुद न्यू कॉलोनी पहुंचे और स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी कठिनाइयों को प्रत्यक्ष रूप से जाना। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बिजली की अनियमित आपूर्ति, जल संकट और सड़कों की दयनीय स्थिति को क्षेत्र के लिए अत्यंत चिंताजनक बताते मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। कॉलोनी की बदहाल स्थिति और विभागीय लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए विधायक ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार कार्य शुरू करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान विधायक के साथ बिजली विभाग के एसडीओ, जेई सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। इससे स्पष्ट हैं कि वर्षों से उपेक्षा की मार झेल रही महुदा न्यू कॉलोनी की तस्वीर अब बदलने वाली है। इस मौके पर एसडीओ, जेई, स्थानियों में शम्भू नाथ यादव, चुनचुन सिंह, अवध यादव, पप्पू यादव, राजू कुमार यादव, प्रकाश कुमार यादव, राजेश कुमार यादव, धर्मेंद्र कुमार सिंह रामा, सूरज नोनिया, गौतम पाण्डेय, मोहन नोनिया, डीके रवानी आदि उपस्थित रहे।

न्यू कॉलोनी का निरीक्षण करते बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो।

शुरू हुआ काम, कालोनीवासियों में खुशी

विधायक के दौरे और सख्ती का असर तुरंत दिखाई दिया। अधिकारियों ने मौके पर ही नया ट्रांसफॉर्मर, बिजली पोल और तार लगाने का कार्य शुरू कर दिया। वर्षों से विकास की बाट जोह रहे महुदा वासियों के चेहरे पर राहत और संतोष की झलक साफ नजर आई। कालोनीवासियों ने विधायक के इस तत्परता भरे कदम का स्वागत किया और जल्द सुधार की उम्मीद जताई। विधायक ने जनता से एकजुटता की अपील करते हुए कहा कि 'जब तक हम संगठित नहीं होंगे, हमारी आवाज दबा दी जाएगी। अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एक मंच पर आइए और विकास की हर योजना में सक्रिय भागीदारी निभाइए। सरकार और प्रशासन तभी जवाबदेह होंगे, जब जनता जागरूक और एकजुट होकर अपने हक के लिए आवाज बुलंद करेगी। व्यवस्था में सुधार तभी संभव है, जब जनता खुद बदलाव की पहल करे।' उन्होंने कहा कि जनता की सुविधा ही हमारी प्राथमिकता है। किसी भी हालत में आम नागरिक को मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।

हाइवा की चपेट में आने से अधेड़ की मौत, हंगामा

धनबाद (आजाद सिपाही)। केंदुआ बाजार के समीप बुधवार की सुबह सड़क हादसे में अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गयी। उसकी पहचान जगदीश सिंह (55) के रूप में हुई है। हादसा उस वक्त हुआ जब केंदुआ निवासी जगदीश सिंह सड़क पार कर रहे थे तभी तेज रफ्तार हाइवा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वे सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गये। शव सड़क पर पड़ा देख माहौल गमगीन हो गया। उधर, घटना की सूचना मिलते ही आक्रोशित ग्रामीणों ने धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग को जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीण मृतक के परिजनों को मुआवजा देने और दोषी चालक पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूर्णतः बाधित हो गया। इस कारण यात्रियों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इस मार्ग पर रोजाना तेज रफ्तार में भारी वाहन गुजरते हैं जबकि यह इलाका घनी आबादी वाला है और बड़ी संख्या में लोग पैदल चलते हैं। बावजूद इसके प्रशासन की ओर से रफ्तार नियंत्रित करने या सुरक्षा उपाय करने को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आज एक निर्दोष व्यक्ति की जान गई है। कल किसी और की जा सकती है। इसलिए जब तक मुआवजा और सुरक्षा का भरोसा नहीं मिलेगा तब तक सड़क जाम जारी रहेगा। उधर, घटना की सूचना मिलने पर केंदुआडीह पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंची और भीड़ को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन लोग मुआवजा और स्थायी समाधान की मांग पर अड़े रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हाइवा की रफ्तार अत्यधिक तेज थी जिससे वह समय रहते नियंत्रण नहीं कर सका और सीधा पैदल चल रहे व्यक्ति को कुचल दिया।

मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति की बैठक में चर्चा

धनबाद (आजाद सिपाही)। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति की बैठक हुई। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक अमित कुमार ने धनबाद मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान यात्रियों को प्रदान की जा रही सुविधाओं, संरक्षा उपायों और विभिन्न विकास योजनाओं पर गहन चर्चा की गई। समिति के सदस्यों ने भी यात्रियों की समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को बैठक में साझा किया, जिन पर सकारात्मक विचार-विमर्श किया गया। बैठक का उद्देश्य रेल उपभोक्ताओं की सुविधा को और बेहतर बनाना और रेल सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाना है।

डीसी ने बेलगड़िया के विकास के लिए बीसीसीएल के साथ की बैठक

बेलगड़िया टाउनशिप के निवासियों को मिलनी चाहिए सभी तरह की सुविधाएं

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। डीसी आदित्य रंजन ने झरिया मास्टर प्लान (जेएमपी) के अंतर्गत बेलगड़िया में कौशल सह आजीविका विकास कार्यक्रम को लेकर बुधवार को भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के निदेशक मंडल के साथ बैठक की। इस दौरान डीसी ने कहा कि बेलगड़िया टाउनशिप के निवासियों को स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, पानी, बिजली सहित सभी मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए। जिससे उनको किसी प्रकार की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। बैठक में बेलगड़िया में सूक्ष्म उद्यम के विकास, विभिन्न संरचना की स्थापना के लिए आवश्यक भूमि, आजीविका गतिविधि के साधन के रूप में ई-रिक्शा प्रदान करने, बेलगड़िया में एक प्राथमिक और एक मीडिल स्कूल में स्मार्ट क्लासरूम परियोजना पर चर्चा की गई। साथ ही एलटीएच का सत्यापन और गैर-एलटीएच परिवारों के प्रमाणीकरण के लिए जागरूकता अभियान में तेजी लाने, 6 मेगावाट पावर ग्रिड की स्थापना, रूफ टॉप सोलर की स्थापना, 2 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन, मुकुंदा और सुरंगा मौजा में एनटीएसटी परियोजना के भूमि अधिग्रहण से संबंधित आर एंड आर मुद्दे पर भी चर्चा हुई। बैठक में अपर समाहर्ता विनोद कुमार, निदेशक (तकनीकी ऑपरेशन) संजय कुमार सिंह, निदेशक (प्रोजेक्ट एंड प्लानिंग) मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, झरिया मास्टर प्लान के महाप्रबंधक राजीव चोपड़ा, जेआरडीए सलाहकार डीएन माहापात्रा आदि मौजूद थे।

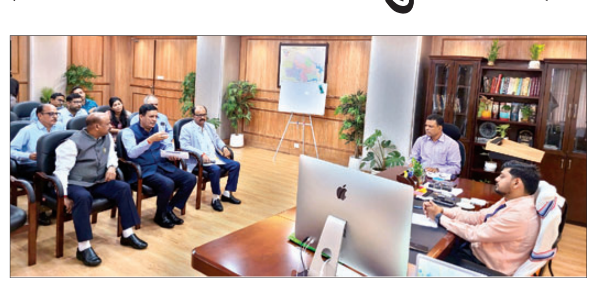

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीसी आदित्य रंजन।

बीएसएल का 'अरिष्ट' नामक राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन का हुआ शुभारंभ

बोकारो (आजाद सिपाही)। बीएसएल के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में सुरक्षा अभियंत्रण विभाग के तत्वावधान में बुधवार को 'टुवड्र्स जीरो हार्म के लक्ष्य प्राप्ति' की थीम पर दो दिवसीय 'अरिष्ट' नामक राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। जिसके उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के महानिदेशक ललित गभाने, बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी वीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ अधिशासी निदेशक (सेल सेफ्टी आर्गेनाइजेशन) अनूप कुमार बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र में बीएसएल के अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) अनीष सेनगुप्ता, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर के सेंटर ऑफ सेफ्टी एक्सीलेंस के प्रमुख श्री जगदीश वी, रीजनल लेबर इंस्टिट्यूट कोलकाता के निदेशक रविंद्र पी भावे, बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) बीके सरतापे आदि उपस्थित थे। इस सम्मलेन में सेल के विभिन्न संयंत्रों के साथ टाटा स्टील, जेएसडब्लू स्टील लिमिटेड, सीमेंस एनर्जी इंडिया, एबीबी, डीप नेट एनालिटिक्स, एम एन दस्तूर, वेसुवियस इण्डिया लिमिटेड, कोर इएचएस आदि संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं। उद्घाटन सत्र में सम्मलेन की स्मारिका का लोकार्पण भी किया गया। उद्घाटन सत्र में बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी वीरेंद्र कुमार तिवारी ने सभी को सुरक्षा शपथ दिलाने के बाद मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) बीके सरतापे ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। साथ ही बोकारो स्टील प्लांट के वर्चुअल रियलिटी आधारित सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम, सुरक्षा नियमों का अनुपालन, शून्य हानि जैसे प्रयासों और प्रतिबद्धता के बारे में बताया। वहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के महानिदेशक ललित गभाने ने कहा कि सुरक्षा के तीन प्रमुख कारकों संगठन संस्कृति, मानवीय कारक और कार्यस्थल की स्थिति को अपने संगठन के कोर वैल्यूज में शामिल कर सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करना और दूसरों को भी शिक्षित ० जागरूक करना आवश्यक है। निदेशक-प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि हमें इस्पात उद्योग से जुड़े सुरक्षा पहलुओं में एक दूसरे के साथ ज्ञान और अनुभव को साझा करते हुए शून्य दुर्घटना के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए लगातार इसे अपने व्यवहार में शामिल करना है। अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) अनीष सेनगुप्ता ने कहा कि बीएसएल द्वारा अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, थर्मल इमेजिंग, डिजिटल सिमुलेशन, रोबोटिक संचालन और ठेकेदार सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली जैसे पहल किए जा रहे हैं। सेल सेफ्टी आर्गेनाईजेशन के अधिशासी निदेशक अनूप कुमार ने कहा कि सम्मेलन की थीम 'अरिष्ट' को प्राप्त करने के लिए हमें सुरक्षा संस्कृति के व्यावहारिक पहलू पर तीव्रता के साथ प्रयास करने की जरुरत है। सम्मेलन के पहले दिन तकनीकी सत्रों के प्रथम सेशन में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर के सेंटर ऑफ सेफ्टी एक्सीलेंसके प्रमुख जगदीश वी द्वारा भारत में उन्नत अग्नि सुरक्षा के लिए वीआर/एआरआधारित प्रशिक्षण और खतरों का अनुकरण विषय पर एवं रीजनल लेबर इंस्टिट्यूट, कोलकाता के निदेशक रविंद्र पी भावे द्वारा प्रौद्योगिकी और स्मार्ट पीपीई के बारे चर्चा की गयी। जबकि दूसरे सेशन के दौरान सीमेंस लिमिटेड, टाटा स्टील, एमएन दस्तूर, डीप नेट एनालिटिक्स एवं राउरकेला स्टील प्लांट की ओर से विविध सुरक्षा सम्बंधित विषयों पर प्रस्तुतीकरण किया गया। गुरुवार को जेएसडब्ल्यू स्टील, सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड, वेसुवियस इंडिया लिमिटेड, टाटा स्टील तथा कोर ईएचएस द्वारा इस्पात उद्योग के सुरक्षा सम्बंधित पहलुओं पर गहन चर्चा की जाएगी।

चित्रकार सरोज मिश्रा को 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में मिला गौरवपूर्ण सम्मान

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो के चित्रकार सरोज मिश्रा को भारत सरकार की राष्ट्रीय ललित कला अकादमी की ओर से 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें विगत पांच अगस्त को नई दिल्ली के रविंद्र भवन में आयोजित समारोह में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रदान किया। इस वर्ष ललित कला अकादमी ने अपनी 70वीं वर्षगांठ पर देशभर के छह हजार कलाकारों के आवेदन में से 286 कलाकारों की कृतियों को प्रदर्शनी के लिए आमंत्रित किया था। जिसमें 20 कलाकारों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया। सरोज मिश्रा की कलाकृति का चयन भी देशभर की चुनिंदा पेंटिंग्स में हुआ। गौरतलब है कि मिश्रा वर्तमान में अय्यप्पा पब्लिक स्कूल बोकारो में कला शिक्षक हैं। वे झारखंड की कला- संस्कृति को अपनी चित्र- कृतियों के माध्यम से प्रस्तुत करते रहते हैं।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, हजारीबाग

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–29/2025–.26

1.	विज्ञापनदाता का नाम एवं पदनाम	:	कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।
2.	परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि	:	दिनांक 12.08.2025 के अपराह्न 1.00 बजे तक
3.	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	:	दिनांक 13.08.2025 को 3.00 बजे अपराह्न तक
4.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	:	दिनांक 13.08.2025 को अपराह्न 3.30 बजे
5.	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	:	1) कार्यपालक अभियंता, या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा भवन प्रमण्डल, हजारीबाग में। 2) अधीक्षण अभियंता, या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा भवन अंचल, हजारीबाग में।
6	निविदा प्राप्ति का स्थान	:	01)) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,भवन प्रमण्डल , हजारीबाग।

क्र. सं.	कार्यकानाम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र कामूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	E/R TO A-Type Block-A ,Quarter no-12 , Sarvoday Colony at ,Hazaribag for the year 2024-25	175000/-	4000/-	500/-	01 माह
2	E/R TO A Type Block -A Quarter no-10, Sarvoday Colony at ,Hazaribag for the year 2024-25	175000/-	4000/-	500/-	01 माह
3	E/R TO A- Type Block-A Quarter no-11, Sarvoday Colony at ,Hazaribag for the year 2024-25	175000/-	4000/-	500/-	01 माह
4	E/R TO A- Type Block-A Quarter no-02, Sarvoday Colony at ,Hazaribag for the year 2024-25	201500/-	5000/-	500/-	01 माह
5	Installation Deep Bore Well (8"x6") Dia to Ramashish fourth Grade staff Quarter in Julu Park ,Hazaribag for the year 2024-25	240500/-	5000/-	500/-	01 माह
6	Detailed Estimate for Installation Deep Bore Well E- Type Quarter , Sarvoday Colony at ,Hazaribag for the year 2024-25	220400/-	5000/-	500/-	01 माह
7	Renovation of E-Type Quarter No.-04 Near Jheel, Hazaribag	240500/-	5000/-	500/-	01 माह
8	Emergent work of Construction of Kyari near Boundary wall for Plantation of flowers in the residence of Principal District & session Judge Hazaribag	238600/-	5000/-	500/-	01 माह
9	Detail Estimate of white wash and Special Repairing Works due to change of Occupancy of Quarter G-IV (Block G) Judicial Quarter Located near Carmel School at Hazaribag.	246600/-	5000/-	500/-	01 माह
10	Detail Estimate of white wash and Special Repairing Works due to change of Occupancy of Quarter G-III (Block G) Judicial Quarter Located near Carmel School at Hazaribag.	245100/-	5000/-	500/-	01 माह
11	Detail Estimate of white wash and Special Repairing Works due to change of Occupancy of Quarter G-II (Block G) Judicial Quarter Located near Carmel School at Hazaribag.	245200/-	5000/-	500/-	01 माह
12	Detail Estimate of white wash and Special Repairing Works due to change of Occupancy of Quarter E-III (Block E) Judicial Quarter Located near Carmel School at Hazaribag.	244400/-	5000/-	500/-	01 माह
13	White wash and Special repairing works due to change of Occupancy of Quarter B - V (Block B) Judicial Quarter Situated near Mazar Road Forest Colony Hazaribagh	243800/-	5000/-	500/-	01 माह
14	Emergent work of Repairing of Deep bor well of Guard Room at Judiciary Colony Carmel Chowk , Hazaribag	145100/-	3000/-	500/-	01 माह
15	Aluminium PartitionWork in B- Type ,Block- 02 Sarvoday Colony at ,Hazaribag	240000/-	5000/-	500/-	01 माह
16	Paver Block Work in Campus of B- Type Sarvoday Colony at ,Hazaribag	240000/-	5000/-	500/-	01 माह
17	Aluminium PartitionWork in B- Type ,Block- 03 Sarvoday Colony at ,Hazaribag	249500/-	5000/-	500/-	01 माह
18	Renovation of D- Type ,Qtr no - 04 in Carmel Chowk at Hazaribag.	233700/-	5000/-	500/-	01 माह

निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

PR 358891 Building(25-26).D

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमण्डल, हजारीबाग

हिमाचल-किन्नौर में बाढ़ से दो श्रद्धालुओं की मौत

किन्नर कैलाश यात्रा रुकी, 413 तीर्थयात्रियों को बचाया गया, उत्तराखंड के पौड़ी में बादल फटा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। पहाड़ों पर मानसून की बारिश आफत लेकर आयी है। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार रात से जारी भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। किन्नौर जिले में सालाना होने वाली किन्नर कैलाश यात्रा पर गये दो श्रद्धालुओं की बाढ़ में बहने से मौत हो गयी।

अचानक आयी बाढ़ से यात्रा रूट पर दो पुल भी बह गये। बाकी का रास्ता भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके कारण यात्रा रोक दी गयी है। कई श्रद्धालु फंसे हुए हैं। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की टीम ने जिपलाइन की मदद से 413 तीर्थयात्रियों को बचाया है।

मंगलवार रात चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाइवे पर भी लैंडस्लाइड हुई। सड़कों पर बड़ी-बड़ी चट्टान गिरने से राज्य में 500 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। शिमला, मंडी, सोलन और कुल्लू जिले में स्कूलों की छुट्टी कर दी गयी है।

उत्तराखंड में बुधवार को भी भारी बारिश जारी है। पौड़ी जिले में बादल फटा है। यहां के बुरांसी गांव में मलबा गिरने से दो महिलाएं दब गयीं। इनमें से एक महिला का शव बरामद हो चुका है, जबकि दूसरी की तलाश जारी है। वहीं, बाकुंडा गांव में भी बादल फटा, जहां 5 नेपाली मजदूरों के बहने की सूचना है। इससे पहले धराली गांव में मंगलवार को बादल फटने से भारी तबाही मच गयी। इसमें 4 लोगों की मौत हो गयी, जबकि 50 से ज्यादा लोग लापता हैं। कर्णप्रयाग में पहाड़ ढहने से बद्रीनाथ नेशनल हाइवे बंद हो गया। हरिद्वार-देहरादून रेल पर चट्टान गिरने से रेलों की आवाजाही बंद कर दी गयी है।

हिमाचल के किन्नौर में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ने जिपलाइन से 413 तीर्थयात्रियों को निकाला

धराली त्रासदी में पांच लोगों की मौत, एक शव बरामद, 11 जवानों का रेस्क्यू, 100 से ज्यादा लापता, केरल के 28 टूरिस्ट का भी सुराग नहीं

देहरादून (आजाद सिपाही)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बादल फटने से प्रभावित इलाकों धराली, हर्षिल और सुखी टॉप में सर्च ऑपरेशन जारी है। त्रासदी में अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। 100 से ज्यादा लोग लापता हैं। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आइटीबीपी और आर्मी बचाव कार्य में जुटी हैं। आइटीबीपी के प्रवक्ता कमलेश कमल ने बताया कि 400 से ज्यादा लोगों का रेस्क्यू किया गया है। 100 से ज्यादा अभी भी फंसे हैं। सेना के 11 लापता जवानों का रेस्क्यू कर लिया गया है। बुधवार सुबह पीएम मोदी ने उत्तराखंड सीएम पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात की। इधर, केरल के 28 टूरिस्ट्स का ग्रुप धराली की घटना के बाद से लापता है। परिवार के सदस्यों ने कहा कि एक दिन पहले सभी ने गंगोत्री की यात्रा पर जाने की बात कही थी, लेकिन लैंडस्लाइड के बाद से उनसे कोई संपर्क नहीं हो सका है।

आरबीआइ ने रेपो रेट में बदलाव नहीं किया

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने इस बार रेपो रेट में बदलाव नहीं किया है। इसे 5.5% पर जस का तस रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी एटक भी नहीं बढ़ेगी। आरबीआइ ने जून में ब्याज दर 0.50% घटाकर 5.5% की थीं। यह फैसला मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की 4 से 6 अगस्त तक चली मीटिंग में लिया गया। पहक गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज यानी 6 अगस्त को इसकी जानकारी दी। आरबीआइ गवर्नर ने कहा कि कमेटी के सभी मेंबर्स ब्याज दरों में स्थिर रखने के पक्ष में थे। टैरिफ अनिश्चितता के कारण ये फैसला लिया गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी आरबीआइ जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। इसमें बदलाव नहीं होने का मतलब है कि ब्याज दरें न तो बढ़ेंगी न घटेंगी। आरबीआइ गवर्नर ने कहा कि मानसून सीजन अच्छा चल रहा है। साथ ही, त्योहारों का सीजन भी नजदीक आ रहा है, जो आमतौर पर आर्थिक गतिविधियों में उत्साह और तेजी लाता है। ये अनुकूल माहौल, सरकार और रिजर्व बैंक की सहायक नीतियों के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए निकट भविष्य में अच्छा संकेत देता है। ग्लोबल ट्रेड की चुनौतियां बनी हुई हैं, लेकिन भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं कुछ हद तक कम हुई हैं।

लोकसभा में मर्चेंट शिपिंग बिल पास

एसआइआर मुद्दे पर दोनों सदनों में हंगामा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का बुधवार को 13वां दिन था। राज्यसभा और लोकसभा को 7 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। पोर्ट, शिपिंग और जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने बुधवार को लोकसभा में मर्चेंट शिपिंग बिल, 2024 पेश किया। विपक्ष के हंगामे के बीच बिल पास हुआ। इससे पहले सुबह दोनों सदन शुरू होते ही विपक्ष ने बिहार वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन मामले पर हंगामा शुरू कर दिया। वहीं, विपक्षी दलों के नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मांग की है कि नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 को संयुक्त संसदीय समिति को भेजा जाये। वहीं, राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उप सभापति हरिवंश नारायण सिंह को लेटर लिखा है। जिसमें उन्होंने राज्यसभा में बिहार एसआइआर पर चर्चा कराने की मांग की है।

बीते दिन राज्यसभा में मणिपुर में लागू राष्ट्रपति शासन की अवधि छह महीने और बढ़ाने का प्रस्ताव स्वीकार किया गया। वहीं, लोकसभा में गोवा राज्य के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन विधेयक, 2024 पारित किया गया।

12 दिनों में अब तक सिर्फ 2 दिन चर्चा हुई : 21 जुलाई को शुरू हुए मानसून सत्र के बाद से संसदीय कार्यवाही करीब ठप रही है। बिहार में वोटरों के वेरिफिकेशन मामले पर विपक्षी पार्टियों ने हर दिन विरोध-प्रदर्शन किये। 11 दिनों के दौरान, सिर्फ 28 और 29 जुलाई को सदन में पूरे दिन की कार्यवाही चली। दोनों दिन, पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर दोनों सदनों में चर्चा हुई थी।

लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने नये ट्रांसफार्मर का किया उद्घाटन, ग्रामीणों ने जताया आभार

राजधनवार (आजाद सिपाही)। भाजपा नेता सह पूर्व आइजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने बुधवार को धनवार प्रखंड के जेरूवाडीह पंचायत के चांगोसिंगा गांव में एक सौ केवी ट्रांसफार्मर का लोकार्पण किया। लगभग 20 दिनों से गांव का ट्रांसफार्मर जल गया था, जिस कारण स्थानीय लोग अंधेरे में थे। बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही थी। ग्रामीणों ने अपनी इस समस्या की जानकारी श्री सिंह को दी, तो श्री सिंह ने विभाग के वरीय अधिकारियों से संपर्क कर नया ट्रांसफार्मर दिलाया। बिजली बहाल हो जाने से ग्रमीणों ने खुशी जताते हुए श्री सिंह का आभर व्यक्त किया। मौके पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने बच्चों व युवाओं को मन लगा कर पढ़ाई करने की राय दी। कहा कि शिक्षा ही सबसे बड़ा धन है। उन्होंने ग्रामीणों के आग्रह पर अलग देशी रोड का अवलोकन भी किया तथा इसके निर्माण की दिशा में पहल करने का भरोसा दिया। इसके बाद श्री सिंह भाजपा कार्यालय पहुंचे और लोगों की समस्याओं से अवगत हुए। कुछ लोगों की समस्याओं का मौके पर ही निदान भी कर दिया, कुछ को जल्द ही निदान करने का भरोसा दिया। लोकार्पण में ग्रामीण खैरुल अंसारी, पंसस दिवाकर विश्वकर्मा, मो महफूज, मो इलियास,मो जहुर, मो सिराज,मो अरबाज, मो अयूब, मो जमीर्मो तैयब, मो समसुद्दीन, मो कौसर मो इब्राहिम, मो मिस्टर, शिव नारायण यादव आदि तथा कार्यालय में पवन सिंह, संजय साव, श्रीकांत राय, नकुल राय विनय कुमार सिंह, सुबोध राय आदि मौजूद थे।

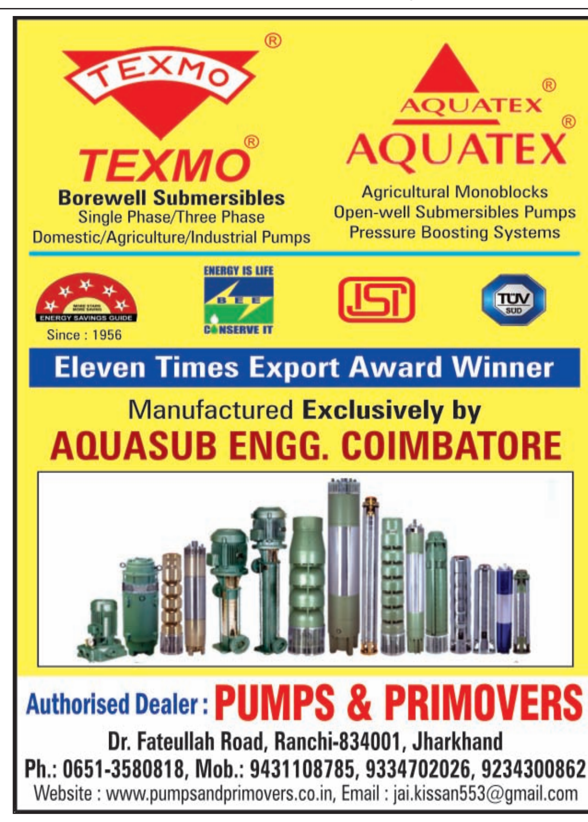

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**